नई दिल्ली
रविवार, 14 जुलाई 2024
आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष, अष्टमी वर्ष : 28, अंक : 94
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 35.1
न्यून. 27.0

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

दीक्षांत समारोह में बोले सीजेआई चंद्रचूड़

हिंदी में भी एलएलबी की पढ़ाई हो, हिंदी में भी एडवोकेट बेहतर तरीके से पक्ष रखते हैं

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने लखनऊ में कहा कि हिंदी में भी एलएलबी की पढ़ाई होनी चाहिए। हिंदी में भी एडवोकेट बेहतर ▸▸ शेष पेज 7 पर

उपग्रहों और जमीनी सर्वेक्षण में खुलासा | बीएचडीएस ने ब्रिटेन के कार्डिफ विश्वविद्यालय से किया सहयोग

बोधगया में महाबोधि परिसर और उसके आसपास के क्षेत्र की मिट्टी के नीचे विशाल पुरातात्विक वास्तुशिल्प संपदा

'चीनी यात्री जुआनज़ांग के पदचिन्हों पर पुरातत्व' परियोजना में पता चला

एजेंसी ▸▸ पटना

उपग्रह चित्रों और जमीनी सर्वेक्षणों का उपयोग करते हुए भू-स्थानिक विश्लेषण में बिहार के बोधगया में महाबोधि मंदिर परिसर और उसके आसपास के क्षेत्र में 'विशाल वास्तुशिल्प संपदा' की मौजूदगी के साक्ष्य मिले हैं।

कला, संस्कृति एवं युवा विभाग की अपर मुख्य सचिव हरजोत कौर बम्हरा ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। यह अध्ययन कला, संस्कृति एवं युवा विभाग की एक शाखा बिहार हेरिटेज डेवलपमेंट सोसाइटी (बीएचडीएस) ने ब्रिटेन के कार्डिफ विश्वविद्यालय के सहयोग से किया है। यूनेस्को द्वारा घोषित विश्व धरोहर ▸▸ शेष पेज 7 पर

उपग्रह छवियां भूमिगत संरचनाएं दिखाती हैं

बता दें, बोधगया में वर्तमान महाबोधि मंदिर परिसर में 50 मीटर ऊंचा भव्य मंदिर, वज्रासन, पवित्र बोधि वृक्ष और बुद्ध के ज्ञान प्राप्ति के अन्य छह पवित्र स्थल शामिल हैं जो कई प्राचीन स्तूपों से घिरा हुआ है। बम्हरा ने कहा कि बीएचडीएस कार्डिफ विश्वविद्यालय के सहयोग से बिहार में सातवीं शताब्दी के चीनी भिक्षु जुआनजैंग की यात्रा के पुरातात्विक निशान पर बहुविषयक परियोजना पर काम कर रहा है। पिछले कई वर्षों की उपग्रह छवियां मंदिर के उत्तर में भूमिगत संरचनाओं का एक संरेखण दिखाती हैं।

ब्रिटेन के कार्डिफ विश्वविद्यालय ने किया सहयोग

बम्हरा ने बताया कि अध्ययन से महाबोधि मंदिर और उसके आसपास के क्षेत्रों की मिट्टी के नीचे पुरातात्विक खजाने की मौजूदगी के सबूत मिले हैं। यह एक विशाल वास्तुशिल्प संपदा है, जिसकी और खुदाई की जरूरत है। ब्रिटेन स्थित कार्डिफ विश्वविद्यालय और बीएचडीएस 'चीनी यात्री जुआनज़ांग के पदचिन्हों पर पुरातत्व' परियोजना में सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के संकाय सदस्य एमबी रजनी ने महाबोधि मंदिर और उसके आसपास की उपग्रह छवियों का अध्ययन किया और निष्कर्षों को 'जुआनजैंग' के विवरण के साथ जोड़ने का प्रयास किया।

निरंजना नदी के बदलाव को दर्शाती हैं

गौरतलब है कि उपग्रह की तस्वीरें निरंजना नदी के पूर्व से पश्चिम की ओर बदलाव को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि हमें याद रखना चाहिए कि महाबोधि मंदिर नदी के पश्चिम में है और सुजाता स्तूप और कई अन्य पुरातात्विक अवशेष नदी के पूर्व में स्थित हैं। नदी के पूर्व में स्थित स्मारक और अन्य पुरातात्विक अवशेष अब महाबोधि मंदिर से मुक्त माने जाते हैं। बम्हरा ने कहा कि लेकिन नवीनतम खोज से पता चलता है कि मंदिर और सुजाता स्तूप दोनों अन्य पुरातात्विक अवशेषों के साथ अतीत में एक ही नदी तट पर थे। उन्होंने कहा कि यह वास्तव में बहुत महत्वपूर्ण है।

---

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

विदेश सचिव के रूप में मिसरी कल संभालेंगे पद

नई दिल्ली (ब्यूरो)। भारत के विदेश सचिव के रूप में नियुक्त किए गए भारतीय विदेश सेवा

(आईएफएस) के वर्ष 1989 बैच के अधिकारी विक्रम मिसरी 15 जुलाई को अपना कार्यभार संभालेंगे। उनकी नियुक्ति मौजूदा विदेश सचिव विनय क्वात्रा की जगह पर की गई है। जिन्हें मार्च महीने में सरकार ने छह महीने का सेवा विस्तार दिया था।

क्लैट 2024 के लिए 15 से शुरू होगा रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली। वकालत के क्षेत्र में यूजी और पीजी कोर्स में एडमिशन के लिए आयोजित होने वाले

कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (क्लैट) 2024 के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू होने की तारीख जारी हो गई है। कंसोर्टियम ऑफ नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी की ओर से कराई जाने वाली ये परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन 15 जुलाई से शुरू हो रहा है।

यौन उत्पीड़न मामले में येदियुरप्पा को राहत

बेंगलुरु। कर्नाटक हाई कोर्ट से पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता बी वाई येदियुरप्पा को

बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने येदियुरप्पा को पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामले में 15 जुलाई को ट्रायल कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने की छूट दे दी है। उनके खिलाफ पाक्सो को रद्द करने के लिए हाई कोर्ट में दायर याचिका पर सुनवाई 26 जुलाई तक स्थगित कर दी।

पीएम मोदी ने मुंबई में 29,400 करोड़ के प्रोजेक्ट की रखी आधारशिला

महाराष्ट्र को दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाएंगे...समृद्ध है राज्य का भविष्य:पीएम

पीएम ने कहा महाराष्ट्र के पास उद्योग, कृषि और आर्थिक क्षेत्रों की ताकत है। इसी ताकत ने मुंबई को देश की आर्थिकी का केंद्र बनाया है। दुनिया का आर्थिक शक्ति बनाना है।

एजेंसी ▸▸ मुंबई

लोकसभा चुनाव के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली बार मुंबई पहुंचे। इस दौरान पीएम मोदी 29,400 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली अलग-अलग परियोजनाओं का शुभारंभ और शिलान्यास किया। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने जनता को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि मुंबई में जिन परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई है, उससे महानगर की आसपास के क्षेत्रों से कनेक्टिविटी बढ़ेगी।

दुनियाभर के निवेशकों ने तीसरे कार्यकाल के लिए हमारी सरकार का स्वागत किया है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि महाराष्ट्र के पास गौरवशाली इतिहास है। महाराष्ट्र के पास सशक्त वर्तमान है और महाराष्ट्र के पास समृद्ध भविष्य का सपना है। महाराष्ट्र वह राज्य है, जिसकी विकसित भारत के निर्माण में बहुत बड़ी भूमिका है। महाराष्ट्र के पास उद्योग, कृषि और आर्थिक क्षेत्रों की ताकत है। इसी ताकत ने मुंबई को देश की आर्थिकी का केंद्र बनाया है। इसी ताकत से महाराष्ट्र को दुनिया का सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनाना है। पीएम मोदी ने कहा, देश में कौशल विकास और रोजगार की जरूरत है। हमारी सरकार इस दिशा में काम कर रही है।

रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं

वहीं, विपक्ष की हर नीति युवाओं से विश्वासघात और रोजगार को रोकने वाली है। अब इनकी पोल खुल रही है। देश की जनता उनके हर झूठ और प्रपंच को नकार रही है। मोदी ने कहा कि देश में जब कहीं पुल बनता है, रेलवे ट्रैक बनता है या सड़क बनती है तो किसी न किसी को रोजगार मिलता ही है। भारत में जैसे-जैसे इन्फ्रास्ट्रक्चर की गति तेज हो रही है, रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। आने वाले दिनों में ये अवसर और बढ़ने वाले हैं। पीएम मोदी ने कहा कि लोग जानते हैं कि एनडीए सरकार ही स्थिरता और स्थायित्व प्रदान कर सकती है। तीसरी बार शपथ लेने के बाद मैंने कहा था कि तीसरे कार्यकाल में एनडीए सरकार तीन गुना तेजी के साथ काम करेगी।

तीन वर्षों में आठ करोड़ नौकरियां उत्पन्न कीं

पीएम मोदी ने कहा कि हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने रोजगार को लेकर एक रिपोर्ट प्रकाशित की है। रिपोर्ट के अनुसार, बीते तीन वर्षों में भारत में आठ करोड़ नई नौकरियां उत्पन्न की गईं। यह आंकड़ा उन लोगों के लिए कड़ा जवाब है, जो रोजगार को लेकर मनगढ़ंत कहानियां बना रहे थे। भारत को स्किल डेवलपमेंट और रोजगार की आवश्यकता है और हमारी सरकारी इस दिशा में सही ढंग से काम कर रही है।

विस उपचुनाव : 'इंडिया' ने 10, भाजपा ने दो सीट, एक सीट पर जीता निर्दलीय

पश्चिम बंगाल में ममता का मैजिक बिहार में निर्दलीय ने किया खेला

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

'इंडिया' गठबंधन में शामिल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आप), तृणमूल कांग्रेस और द्रमुक ने उपचुनाव में अपने उम्मीदवार उतारे थे। निर्वाचन आयोग के अनुसार पंजाब में, सत्तारूढ़ 'आप' के मोहिंदर भगत ने जालंधर पश्चिम सीट पर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एवं भाजपा उम्मीदवार शीतल अंगुरल को 37,325 मतों के अंतर से हराया। अंगुरल के मार्च में 'आप' विधायक के रूप में इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल होने के बाद यह सीट रिक्त हो गई थी।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि इस सीट पर बड़ी बढ़त के साथ मिली जीत से पता चलता है कि राज्य के लोग उनकी सरकार के काम से 'बहुत खुश' हैं। आयोग के अनुसार, तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अन्नियूर शिवा ने विक्रवांडी विधानसभा सीट पर पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के अंबुमणि सी को 67,757 वोटों से पराजित किया। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के उम्मीदवारों कृष्णा कल्याणी, मधुपर्णा ठाकुर, मुकुट मणि अधिकारी और सुप्ति पांडे ने क्रमशः रायगंज, बगदाह, राणाघाट दक्षिण और मानिकतला सीट पर जीत हासिल की।

उत्तर दिनाजपुर जिले के रायगंज में कल्याणी ने भाजपा के अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी मानस कुमार घोष पर 50,077 मतों के अंतर से जीत हासिल की। उत्तर 24 परगना जिले की राणाघाट दक्षिण सीट पर तृणमूल कांग्रेस के मुकुट मणि अधिकारी ने भाजपा उम्मीदवार मनोज कुमार बिश्वास को 39048 मतों से हराया। निर्वाचन आयोग के अनुसार तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार मधुपर्णा ठाकुर ने उत्तर 24 परगना जिले की बागदा विधानसभा सीट पर भाजपा के अपने प्रतिद्वंद्वी बिनय कुमार बिश्वास को ▸▸ शेष पेज 7 पर

लोकसभा अध्यक्ष की बेटी पर फर्जी संदेश में एक्शन

यूट्यूबर ध्रुव राठी के खिलाफ पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

महाराष्ट्र की साइबर पुलिस ने यूट्यूबर ध्रुव राठी के पैरोडी (मिलते-जुलते नाम वाले) अकाउंट से आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर केस दर्ज किया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की बेटी के बारे में इससे फर्जी संदेश पोस्ट किया गया था। राज्य के साइबर विभाग के अनुसार, ध्रुव राठी नाम वाले अकाउंट से दावा किया गया कि बिरला की बेटी ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा दिए बिना ही उसे पास कर लिया है।

एक्स अकाउंट के परिचय में लिखा है, 'यह एक प्रशंसक और पैरोडी अकाउंट है। इसका ध्रुव राठी के मूल अकाउंट से कोई संबंध नहीं है। किसी की नकल नहीं की जा रही है। यह अकाउंट पैरोडी है।' पुलिस अधिकारी ने बताया कि ओम बिरला के ▸▸ शेष पेज 7 पर

वायरल वीडियो पर पुलिस ने लिया संज्ञान

आईएएस पूजा की मां बंदूक लहराते दिखीं, एफआईआर दर्ज

एजेंसी ▸▸ पुणे

महाराष्ट्र पुलिस ने आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर के माता-पिता के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आईएएस अधिकारी के परिजनों पर किसानों को धमकाने का आरोप है।

पुलिस ने पूजा की माता मनोरमा खेडकर और पिता दिलीप खेडकर समेत पांच अन्य के खिलाफ आईपीसी की धारा 323, 504 और 506 के साथ ही आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि सोशल मीडिया पर चल रहे वीडियो पर स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई की गई है। हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या मनोरमा खेडकर के पास बंदूक का लाइसेंस है या नहीं। एक किसान कुलदीप पासलकर का आरोप है कि मनोरमा खेडकर ने जबरन उसकी जमीन पर कब्जा करने ▸▸ शेष पेज 7 पर

अनंत और राधिका को 'शुभ आशीर्वाद'

हरिभूमि-आईएनएच एवं जनता टीवी के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी सपत्नीक समारोह में शामिल हुए। दिग्गज हस्तियों से की मुलाकात।

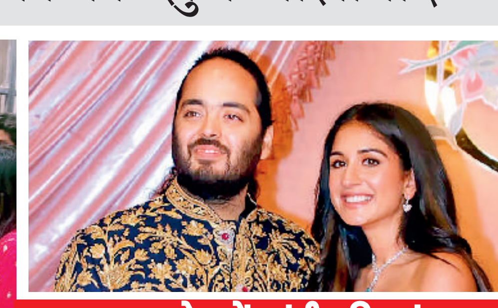

समारोह में पहुंची हस्तियां

मुंबई। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट ने शुक्रवार को अग्नि को साक्षी मानते हुआ सात फेरे लिए। अब शनिवार की शाम जियो सेंटर पर आशीर्वाद कार्यक्रम रखा गया। यहां देश-दुनिया की तमाम हस्तियां पहुंची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनंत-राधिका को आशीर्वाद दिया। पीएम मोदी की मौजूदगी में मुकेश अंबानी ने कहा- अनंत और राधिका सात जन्म के साथी बन गए हैं। किम कार्दशियन के अलावा अमिताभ बच्चन अपने दामाद और नातिन के साथ नजर आए तो झाड़ लेकर जैकी श्रॉफ पहुंचे। ▸▸ पढ़ें पेज 12 भी

जयपुर में बोले केंद्रीय मंत्री शिवराज

लोकसभा चुनाव में विदेशी ताकतों का रहा दखल, राहुल पर भी निशाना

एजेंसी ▸▸ जयपुर

शनिवार आयोजित भाजपा कार्यसमिति की बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। चौहान ने कहा कि लोकसभा चुनावों में विदेशी ताकतों का दखल रहा। यह सच है कि हमारे विरोधियों में विदेशी ताकतें भी शामिल हैं। जो चाहते हैं कि किसी भी तरह से देश में भाजपा की सरकार न रहे। उन्होंने कहा कि राजस्थान भी बदल रहा है लेकिन ये बात कांग्रेस को रास नहीं आ रही है। अभी 99 के फेर की बात कई मित्रों ने की है मैं उसे दोहराना नहीं चाहता लेकिन राहुल बाबा आपको चिंदी मिल गई तो आप बजाज बन गए।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि कांग्रेस झूठ बोलने की मशीन हो गई है। उन्होंने कहा- राहुल पार्लियामेंट में क्या बोलते हैं हिन्दू हिंसक है! ▸▸ शेष पेज 7 पर

विदेशी ताकतों के कारण कम सीटें मिलीं

प्रदेश प्रभारी डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने लोकसभा चुनावों में राजस्थान के कमजोर प्रदर्शन पर कहा कि इन चुनाव में विदेशी ताकतों के कारण भी हमें कम सीटें मिली। क्योंकि विदेशों में बैठे कुछ लोग, जिनके हित मोदी सरकार की नीतियों के चलते प्रभावित हो रहे थे। वह चाहते थे कि देश में पुरानी सरकार बने और यही वजह है कि विदेशी ताकतों का भी इन चुनाव परिणाम में असर देखने को मिला।

संविधान की रक्षा का दिखावा करने वाले लोग असहज हो गए

जब से सरकार ने संविधान हत्या दिवस मनाने की घोषणा की है, संविधान की रक्षा का दिखावा करने वाले लोग असहज हो गए हैं: त्रिवेदी

विपक्ष बताए क्या आपातकाल के खिलाफ जेपी का आंदोलन अराजकतापूर्ण था: भाजपा

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

भाजपा ने कहा है कि जब से सरकार ने संविधान हत्या दिवस मनाने की घोषणा की है, संविधान की रक्षा का दिखावा करने वाले लोग असहज हो गए हैं। भाजपा ने आपातकाल का बचाव करने के लिए विपक्षी नेताओं की आलोचना की है।

भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ने आरोप लगाया कि जब से सरकार ने संविधान हत्या दिवस मनाने की घोषणा की है, संविधान की रक्षा का दिखावा करने वाले लोग असहज हो गए हैं। उन्होंने आपातकाल को काला काल बताया और कांग्रेस पर लोकतंत्र की आत्मा की हत्या करने का आरोप लगाया। मैं इंडी ब्लॉक के नेताओं से पूछना चाहता हूं कि क्या जेपी नारायण के नेतृत्व में किया गया संघर्ष अराजकतापूर्ण था? मैं लालू प्रसाद यादव जी से और

अखिलेश यादव से पूछना चाहता हूं कि क्या उनके पिता मुलायम सिंह अराजक का हिस्सा थे? भाजपा सांसद त्रिवेदी ने कहा आपातकाल के दौरान, सबसे बुनियादी मानवाधिकारों को भी छीन लिया गया और न्यायपालिका को उसकी शक्तियों से वंचित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि मैं बहुत स्पष्ट रूप से देश की जनता को याद दिलाना चाहता हूं कि आपातकाल वो था, जिसने बताया था कि संविधान की हत्या क्या होती है। सुधांशु त्रिवेदी ने सात प्वाइंट्स का उल्लेख करते हुए बताया कि कैसे आपातकाल काला काल था। एक - आपातकाल में देश के सभी नागरिकों के मूल अधिकार समाप्त कर दिए गए थे। दो - यदि आपको पुलिस पकड़ ले जाए, तो आप कोर्ट नहीं जा सकते थे। डीआईआर और मीसा दो ऐसे नियम थे जिनके तहत आपको कोर्ट में जमानत के लिए अपील करने का भी अधिकार नहीं था। तीन - अगर आप किसी भी सार्वजनिक स्थल पर खड़े होकर ये बोल देते थे कि इंदिरा गांधी की सरकार हटानी है, तो आपको डीआईआर के तहत जेल में डाल दिया जाता था। चार - सारा विपक्ष जेल में था। सवा लाख से अधिक आम जनता और राजनीतिक कार्यकर्ता 18 महीनें जेल में रहे। पांच - 38वां और ▸▸ शेष पेज 7 पर

BABA MASTNATH UNIVERSITY

Asthal Bohar, Rohtak-124021 (Haryana)

(Unique Blend of Science and Spirituality)

Mahant Balaknath Ji Yogi
Chancellor, BMU

Awarded With India's Best Quality Award

New Normal 2023 EDUCATION LEADERSHIP SUMMIT & AWARDS NEW DELHI 21st-22nd July
Outstanding University in Innovative Teaching and Learning Practices 2023

150+ Acres Land | 80+ Programmes | 15000+ Students | 5200+ Placed Student | 65+ Yrs. In Education | 25000+ Regi. Alumni | 500+ Faculty | 50+ Departments | 1800+ Res. Paper Published

ADMISSIONS OPEN 2024-25

Get upto 100% Scholarship

NEP 2020 Syllabus | Internship & Placement Support | Skill Enhancing Courses

PROGRAMMES OFFERED

FACULTY OF ENGINEERING

B.Tech.-Computer Science and Engg.
- -AIML
- -Data Science
- -Cyber Security
- -IOT & Blockchain
- -Comp. Animation & Gaming

B.Tech.-Civil Engg.
- -Transportation Engg.
- -Structural Engg.

B.Tech. (Mechanical Engg.)
B.Tech. (Electronics & Comm. Engg.)
M.Tech. (Computer Science and Engg.)
M.Tech. (Civil Engg.)
- -Transportation Engg.
- -Structural Engg.

FACULTY OF HUMANITIES

B.A. (Bachelor of Arts)
B.A. (Bachelor of Arts) Hons. with Research
B.A. (Bachelor of Arts) English (Hons.)
B.A. J.M.C.
B.A. J.M.C.- Hons. with Research
B.Lib. & Info. Science
Shastri
M.A.-Hindi
M.A.-English
M.A.-History
M.A.-Pol. Sc.
M.A.-Economics
M.A.-Education
M.A.-Sociology
M.A.-Pub. Admin.
M.A.-Geography
M.A.-J.M.C.
M.A.-Sanskrit
M. Lib. & Info. Science
DIPLOMA
- -Leadership & Management
- -Guidance & Counselling
- -Early Childhood Care & Education

FACULTY OF PHARMACY

D. Pharm.
B.Pharm.
M.Pharm.-(Pharmaceutics)
M.Pharm.-(Pharmacology)

FACULTY OF AYURVEDA

BAMS -Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery

FACULTY OF PHYSIOTHERAPY

BPT (Bachelor of Physiotherapy)
B.Sc.-Medical Lab Technology
B.Sc.-Ophthalmic Technology
MPT-Sports
MPT-Neurology
MPT-Orthopaedics
MPT-Cardiothoracic & Pulmonary Disorder

FACULTY OF SCIENCES

B.Sc.-(Hons.) Agriculture
B.Sc.-Mathematics
B.Sc.-Hons. in Mathematics
B.Sc.-Physics
B.Sc.-Hons. in Physics
B.Sc.-Chemistry
B.Sc.-Hons. in Chemistry
B.Sc.-Bio-Technology
B.Sc.-Hons. in Bio-Technology
B.Sc.-Home Science
B.Sc.-Hons. in Home Science
B.Sc.-Physical Sciences
B.Sc.-Physical Sciences with Major Mathematics
B.Sc.-Physical Sciences with Major Physics
B.Sc.-Physical Sciences with Major Chemistry
B.Sc.-Life Sciences
B.Sc.-Life Sciences with Major Botany
B.Sc.-Life Sciences with Major Zoology
B.Sc.-Life Sciences with Major Chemistry
M.Sc.-Physics
M.Sc.-Chemistry
M.Sc.-Botany
M.Sc.-Zoology
M.Sc.-Bio-Technology
M.Sc.-Mathematics
M.Sc.-Home Science

FACULTY OF MGT. AND COMM.

BBA
- -Digital Marketing & Sales
- -IT with AI-ML
- -Marketing
- -HR Management
- -Finance
- -International Business
- -Entrepreneurship
- -Hons. With Research

MBA
- -IT with AI-ML
- -Marketing
- -HR Management
- -Finance
- -International Business
- -Entrepreneurship

B.Com
- -General
- -Professional-CA Stream
- -Professional-CS Stream
- -Hons. With Research

M.Com.

BCA
- -General
- -Data Science
- -AI & ML
- -Graphics & Animation

MCA
- -General
- -Data Science
- -AI & ML
- -Graphics & Animation

Newly Introduced Programmes:-

- B.Sc. -(Hons.) Agriculture
- B.Sc. -Medical Lab Technology
- B.Sc. -Optometry

FACULTY OF LAW

B.A. LL.B. - (5 Years Integrated Programme)
LL.B. - (3 Years)
LL.M. - (2 Years)

FACULTY OF NURSING

***ANM** - (2 Years)
***GNM** - (3 Years)
Post Basic B.Sc. Nursing -(2 Years after GNM)

Ph.D.-Available in All Streams

WHY TO CHOOSE BMU

- ✓ Unique Blend of Science and Spirituality
- ✓ Quality Education at Affordable Fee
- ✓ Multi-disciplinary and Holistic Education
- ✓ Skill Development Programmes
- ✓ Research Projects in UG and PG Programs
- ✓ Innovation, Start-ups and Incubation Centre
- ✓ Indian Knowledge System Courses
- ✓ Office of International Student Affairs
- ✓ Youth Skilling and Competitive Examination Centre
- ✓ Training and Placement Facilities
- ✓ UNO Academic Impact Membership

SALIENT FEATURES

- » Wi-fi Campus
- » 24x7 Electricity
- » Well stocked Libraries
- » Well equipped Laboratories
- » Separate Hostel for Boys/Girls
- » Air-Conditioned Auditorium
- » NCC, NSS, & Youth Red Cross Units
- » Hospitals having modern Equipments
- » CCTV Enabled Safe & Secure Campus

Scan to visit website

+91-9053066636, 8683888830/31/32 || www.bmu.ac.in

जेल में सीएम केजरीवाल का 8.5 किलो वजन कम होना गंभीर बीमारी का संकेत

केजरीवाल के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने की साजिश रच रही है भाजपा : संजय

नई दिल्ली। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल और आप नेता संजय सिंह से मुलाकात करते हुए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सीएम अरविंद केजरीवाल को भाजपा जेल में रखने के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने की साजिश रच रही है। साजिश के तहत ही सीएम केजरीवाल की जमानत पर गैर कानूनी ढंग से स्टे लिया गया और झूठे केस में सीबीआई से उन्हें गिरफ्तार कराया गया। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्य सभा सदस्य संजय सिंह ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल

के स्वास्थ्य पर गंभीर चिंता जताते हुए उक्त आरोप भाजपा पर लगाए। संजय सिंह ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद से अब तक अरविंद केजरीवाल का करीब 8.5 किलो वजन घट गया है। वजन का लगातार कम होना गंभीर बीमार का संकेत हो सकता है। 21 मार्च को गिरफ्तारी के समय उनका वजन 70 किलो था।

अब यह घटकर 61.5 किलो रह गया है। इस बीच 5 बार सोने के दौरान सीएम का शुगर लेवल गिरकर 50 तक आ चुका है। अगर सोते समय अचानक शुगर गिरता है तो व्यक्ति कोमा में जा सकता है।

'केजरीवाल का शुगर लेवल 5 बार 50 से नीचे गया'

संजय सिंह ने बताया कि यही स्थिति हमने आतिशी के पानी सत्याग्रह के समय देखी थी, जब उनका शुगर लेवल 41 पहुंच गया था, तब डॉक्टर्स ने सलाह दी कि वे कोमा में जा सकती हैं, उन्हें तुरंत एडमिट कराइए। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल का शुगर लेवल 5 बार 50 से नीचे गया। रात में जेल के अंदर कौन सा डॉक्टर मौजूद रहता है? मैं 6 महीने जेल में रह कर आया हूं, अगर रात में आपको कोई समस्या हो जाए तो आप घंटी बजाते रहिए, बहुत मुश्किल से आपको ओपीडी ले जाया जाता है। यह सब क्यों किया जा रहा है?

संजय सिंह ने कहा कि हम पहले दिन से कह रहे हैं कि भाजपा का मकसद एक तरफ अरविंद केजरीवाल को जेल में रखकर उन्हें प्रताड़ित करना है और दूसरी तरफ वे उनकी जिंदगी के साथ खिलवाड़ करना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि उन्हें कोई गंभीर बीमारी हो जाए या जेल में उनका स्वास्थ्य खराब हो जाए। इसके लिए भाजपा एक गहरी साजिश रच रही है।

संजय सिंह का बयान कुछ नया नहीं बल्कि है पुराना रटा रटाया : सचदेवा

नई दिल्ली। सांसद संजय सिंह का सीएम अरविंद केजरीवाल की जेल, जमानत और स्वास्थ्य से संबंधित बयान कुछ नया नहीं बल्कि पुराना रटा रटाया बयान है। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने सांसद संजय सिंह की प्रेसवार्ता पर प्रतिक्रिया देते हुए यह बातें कही। सचदेवा ने कहा कि जब भी आम आदमी पार्टी के नेताओं को अरविंद केजरीवाल के लिए जमानत की कोई उम्मीद नजर आती है, तो वे अपना पुराना बयान दोहराने लगते हैं कि भाजपा केजरीवाल को जेल में रखना चाहती है और उनकी सेहत लगातार बिगड़ रही है, उनका वजन घट रहा है और गंभीर बीमारी की संभावना है। सचदेवा ने कहा कि संजय सिंह को याद करना चाहिए कि जब भी केजरीवाल को जमानत मिलती है, वह कभी भी इलाज के लिए नहीं जाते बल्कि उनकी राजनीतिक टिप्पणियां नई ऊंचाइयों पर पहुंच जाती हैं। संजय सिंह को ध्यान देना चाहिए कि दिल्ली के लोगों का अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी पर अब कोई विश्वास नहीं रह गया है, जैसा कि उन्होंने हाल ही में लोकसभा चुनावों में केजरीवाल की "जेल का जवाब वोट से" अभियान को खारिज करके दिखाया। केजरीवाल ने बार-बार मतदाताओं से कहा कि अगर आप चाहते हैं कि मैं स्वतंत्र रहूं तो मुझे वोट दें, लेकिन दिल्ली, गुजरात, हरियाणा और पंजाब के लोगों ने केजरीवाल और उनकी अपील को पूरी तरह से खारिज कर दिया।

केजरीवाल को कोई परेशानी है तो डॉक्टरों को बताएं : बिधूड़ी

नई दिल्ली। सीएम अरविंद केजरीवाल के स्वास्थ्य की देखभाल एम्स के डॉक्टरों का पैनल कर रहा है और अगर उन्हें कोई परेशानी है तो डॉक्टरों को बताएं। दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह को शनिवार को केजरीवाल के स्वास्थ्य को लेकर उक्त सलाह दी है। बिधूड़ी ने कहा कि वह मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के स्वास्थ्य को लेकर सनसनी फैलाना छोड़ें। इस बारे में आम आदमी पार्टी के दूसरे नेता भी काफी झूठ बोल चुके हैं और उनका झूठ पकड़ा जा चुका है।

चांदनी चौक विधानसभा के 84 लेन खैबर पास की झुग्गियों पर चला पीला पंजा।

झुग्गियां टूटने के बाद निवासी अपने सामान के पास बैठे हुए।

झुग्गियों को तोड़कर सरकार ने की अमानवीय कार्यवाही : कांग्रेस

नई दिल्ली। दिल्ली के चांदनी चौक विधानसभा के 84 लेन खैबर पास की झुग्गियों को तोड़कर सरकार ने अमानवीय कार्यवाही की है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने शनिवार को यह बयान जारी कर दिल्ली सरकार और भाजपा को घेरा। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार, डीडीए, दिल्ली नगर निगम सहित कोई भी सरकारी एजेंसी राजधानी में बिना वैकल्पिक व्यवस्था किए झुग्गियां को तोड़ने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि इस पर कोर्ट के भी स्पष्ट निर्देश है कि किसी भी गरीब आदमी के घरोंदे को उजाड़ने से पहले अस्थाई व्यवस्था करनी होगी। प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र यादव से खैबर पास की झुग्गियों को तोड़ने से आहत निवासियों के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात करके अपनी पीड़ा बताई। प्रतिनिधिमंडल मंडल में जिला अध्यक्ष जावेद मिर्जा अली, पूर्व कांग्रेस उपाध्यक्ष मुदित अग्रवाल, सोशल मीडिया चेयरमैन राहुल शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष राहुल डबला सहित लीगल विभाग के चेयरमैन एडवोकेट सुनील कुमार, एडवोकेट साजिद चौधरी भी मौजूद थे।

48 हजार फ्लैट हुए खंडहर

देवेन्द्र यादव ने कहा कि कांग्रेस की सरकार झुग्गी वालों के लिए जहां राजीव रत्न आवास योजना के अंतर्गत 2000 करोड़ की लागत से 48 हजार फ्लैट बनाए थे, जो दिल्ली सरकार और भाजपा सरकार की श्रेय लेने की होड़ में खंडर बन चुके है। आज तक एक भी फ्लैट गरीबों को आवंटित नहीं किया गया। इसके साथ-साथ यह प्रावधान भी किया था कि किसी भी झुग्गी वालों को उजाड़ने से पहले वैकल्पिक व्यवस्था की जाऐगा, जिसको भाजपा और आम आदमी पार्टी की सरकार नजरअंदाज करके दिल्ली में झुग्गीवासियों को लगातार उजाड़ रही है।

अवैध तरीके से पेड़ों को कटवा रहे हैं भाजपा और एलजी : आप

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

एक तरफ दिल्ली सरकार ग्रीन कवर बढ़ाकर दिल्ली को प्रदूषण मुक्त बनाने का प्रयास कर रही है और दूसरी तरफ भाजपा और एलजी अवैध तरीके से पेड़ों को कटवा रहे हैं। आम आदमी पार्टी मुख्यालय में संयुक्त प्रेस वार्ता कर 'आप' के वरिष्ठ नेता एवं विधायक दिलीप पांडे ने विधायक संजीव झा और कुलदीप कुमार शनिवार को भाजपा और एलजी पर उक्त आरोप लगाए। इस दौरान उन्होंने कहा कि कुछ महीने बाद भाजपा दिल्ली के पर्यावरण को लेकर घड़ियाली आंसू बहाती दिखेगी, लेकिन जब उससे पूछा जाएगा कि आपने 1100 पेड़ों को काटकर दिल्ली की आबोहवा को स्वच्छ बनाने के प्रयास में क्या योगदान दिया? तब चुप्पी साध जाएगी। आप नेताओं ने दिल्ली के छतरपुर स्थित रिज इलाके में अवैध रूप से काटे गए 1100 पेड़ों के मामले में एलजी वीके सक्सेना का हाथ सामने आने पर अपनी कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

आप नेताओं का कहना है कि दिल्ली को वायु प्रदूषण और हीट वेव में धकेलने के लिए भाजपा के एलजी ने बिना अनुमति के 1100 पेड़ कटवा दिए। हरियाली अधिक होने से वायु प्रदूषण और हीट वेव कम होता है, लेकिन पेड़ कटवाकर भाजपा और एलजी दिल्लीवालों के साथ दुश्मनों जैसा व्यवहार कर रहे हैं। संजीव झा ने कहा कि एलजी दिल्ली सरकार की शक्तियों में दखल देते-देते अब सुप्रीम कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में भी दखल देने लगे हैं। वहीं, कुलदीप कुमार ने कहा कि हमें भरोसा है कि दिल्लीवालों के हितों के खिलाफ जाकर पेड़ों को काटने का आदेश देने वाले के खिलाफ कोर्ट कड़ी कार्रवाई करेगा।

कांग्रेस ने पेड़ों की कटाई में आप और एलजी को ठहराया जिम्मेदार

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने संरक्षित रिज क्षेत्र पर पेड़ों की कटाई में मिलीभगत के लिए आम आदमी पार्टी और उपराज्यपाल दोनों को दोषी ठहराया है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि राजधानी में लगातार ग्रीन कवर कम होने के बावजूद रिज क्षेत्र में 1100 से अधिक पेड़ों की अवैध कटाई पर्यावरण और हरित दिल्ली के लिए चिंताजनक है, जिसके लिए दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल दोनों जिम्मेदार है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय विशेषज्ञ कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में रिज क्षेत्र में पेड़ काटने को अनाधिकृत, अनुचित और जल्दबाजी में लिया गया निर्णय बताया है। यादव ने पूछा कि क्या दिल्ली सरकार के वन विभाग की मंजूरी के बिना पेड़ काटे जा सकते है? भाजपा और आम आदमी पार्टी की दिल्ली के हर विषय पर नूरा कुश्ती करने की विशेषता बन चुकी हैं।

डेंगू : 2580 उल्लंघनकर्ताओं पर एमसीडी ने लगाया करीब सात लाख का जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में बारिश के कारण डेंगू, चिकनगुनिया और अन्य मच्छर जनित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। स्थिति को देखते हुए, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए पूरे शहर में अभियान तेज कर दिया है। निगम प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि एमसीडी ने नियमानुसार 39,862 कानूनी नोटिस जारी किए हैं, 9,479 चालान किए और 2,580 उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है और इन 2580 उल्लंघनकर्ताओं पर 6 लाख, 86 हजार 105 रुपये का जुर्माना लगाया है। एमसीडी प्रशासन ने बताया कि बीमारियों को नियंत्रित करने के लिए एमसीडी द्वारा कई उपाय किए जा रहे हैं। इस वर्ष, मच्छरों के प्रजनन का पता लगाने के लिए घरों में 1 करोड़ 80 लाख, 19 हजार 250 दौरे किए गए और 43 हजार 650 घरों में मच्छरों का प्रजनन पाया गया। 2 लाख,18 हजार, 415 घरों में कीटनाशक का छिड़काव किया गया। नालियों और जल निकायों, निर्माण स्थलों, पार्कों और नर्सरी और अस्पतालों, स्कूलों, सरकारी कार्यालयों आदि जैसे संस्थानों जैसे संवेदनशील क्षेत्रों पर मच्छरों का प्रजनन रोकने के लिए विशेष अभियान चलाए गए। एमसीडी नागरिकों से अपील करती है कि वे अपने घर और उसके आसपास पानी का जमाव न होने दें, ताकि मच्छर न पनप सकें।

निगम लाइसेंस शुल्क में की गई वृद्धि पर सांसद ने उपराज्यपाल को लिखा पत्र

नई दिल्ली। चांदनी चौक से भाजपा सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने दिल्ली नगर निगम द्वारा अप्रैल 2023 में व्यापार के विभिन्न वर्गों की लाइसेंसिंग फीस में की गई 20 प्रतिशत से 150 प्रतिशत तक की वृद्धि को लेकर दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को पत्र लिख कर इस पर तुरंत संज्ञान लेने की अपील की। अपने पत्र में इस वृद्धि को अनैतिक बताते हुए उन्होंने लिखा है कि दिल्ली में व्यापार पहले से ही अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है, ऐसे में यह वृद्धि व्यापारियों की कमर तोड़ कर रख देगी।

उमस से मिली राहत

दिल्ली में बारिश से तापमान में आई गिरावट

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के कई हिस्सों में शनिवार सुबह बारिश होने के चलते उमस से राहत मिली और तापमान में गिरावट दर्ज की गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, सुबह साढ़े पांच से साढ़े आठ बजे के बीच शहर के प्राथमिक मौसम केंद्र सफदरजंग में 2.9 मिलीमीटर (मिमी) बारिश दर्ज की गई, लोधी रोड पर 3 मिमी, रिज में 0.4 मिमी और एसपीएस मयूर विहार में 15.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने दिन में बादल छाए रहने और हल्की बारिश होने का पूर्वानुमान किया है।अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, सुबह आठ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 104 अंक के साथ 'मध्यम' श्रेणी में दर्ज किया गया।शून्य से 50 के बीच एक्यूआई 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है।

मुनक नहर की दरार ठीक की गई, फिर से शुरू किया जाएगा द्वारका जल शोधन संयंत्र

नई दिल्ली। दिल्ली की जल संसाधन मंत्री आतिशी ने शनिवार को कहा कि मुनक नहर में आयी दरार को ठीक कर दिया गया है और द्वारका जल शोधन संयंत्र को फिर से जल्द शुरू कर दिया जाएगा। नहर में आई इस दरार के कारण बाहरी दिल्ली के बवाना इलाके में जलजमाव हो गया था और दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में जलापूर्ति प्रभावित हुई थी। आतिशी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया कि मुनक नहर तटबंध की मरम्मत (शुक्रवार) रात पूरी हो गई। हरियाणा ने पूर्वाह्न 10.30 बजे ककरोई हेड से पानी छोड़ा। द्वारका जल सोधन संयंत्र काम करना शुरू कर देगा और द्वारका में पानी की आपूर्ति आज रात से फिर से शुरू हो जाएगी। दिल्ली सरकार ने शुक्रवार रात जारी एक बयान में कहा कि यमुना नहर में आई दरार को ठीक कर दिया गया है। प्रभावित क्षेत्र में मौजूद दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के एक अधिकारी जीतेश ने कहा कि हमें (डीजेबी) नहर की निगरानी के लिए रात की ड्यूटी सौंपी गई है।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए

सहकारी बैंकों के माध्यम से महिलाओं को किया जा रहा सशक्त

केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि गांव में अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को सशक्त, मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने में सहकारी बैंकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं को समृद्ध आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने में केंद्र और राज्य दोनों की ओर से कई कार्यक्रम व परियोजनाएं चलाई जा रही है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण से ही आत्मनिर्भर भारत की कल्पना साकार होगी। दि फरीदाबाद केंद्रीय सहकारी बैंक द्वारा बल्लभगढ़ स्थित पंजाबी धर्मशाला में ऋण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारत सरकार के केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर और विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य, श्रम, खाद्य नागरिक आपूर्ति व उपभोक्ता मामले तथा निर्वाचन मंत्री मूलचंद शर्मा ने शिरकत की। कार्यक्रम में फरीदाबाद और पलवल जिलों की 800 महिलाओं को संयुक्त देयता समूह (जॉइंट लायबिलिटी ग्रुप) के माध्यम से 4 करोड़ रुपए का ऋण प्रदान किया।

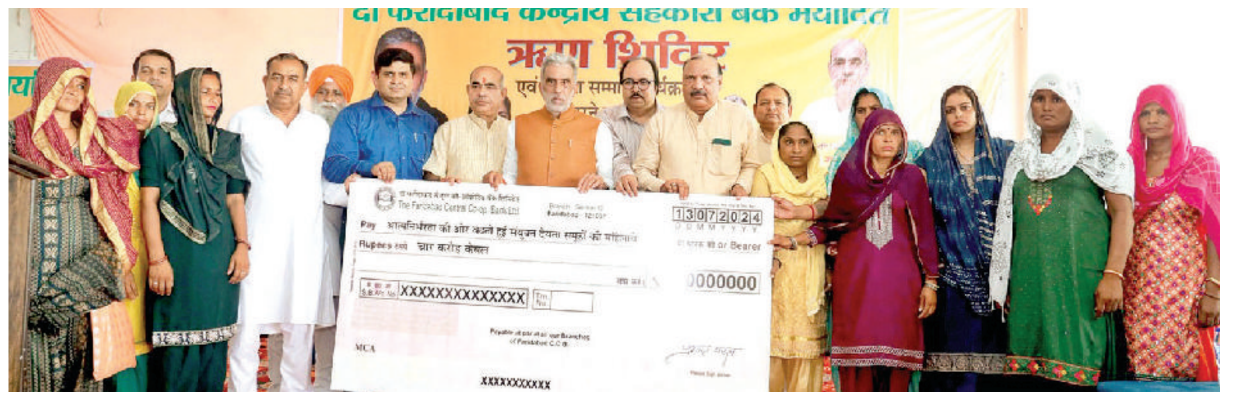

176 सेवाओं का लाभ दे रहा है पैक्स

कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि पैक्स की संख्या बढ़ाई जा रही है और उसके लिए बजट बढ़ाने का काम किया जा रहा है। वर्तमान समय में पैक्स लोगों को ऋण के अलावा सीएससी सेंटर, जन औषधि केन्द्र तथा पेट्रोल पंप जैसी 176 सेवाओं का लाभ दे रहा है। देशभर में जितने भी पैक्स हैं सबका कंप्यूटराइजेशन किया जा रहा हैं। हरियाणा में 784 पैक्स है और पिछले 10 सालों में 710 पैक्स का कम्प्यूटरीकरण हो गया है और अगस्त तक सभी टैक्स का कम्प्यूटरीकरण पूर्ण हो जाएगा। ऐसे ही देश में 3 लाख के लगभग पैक्स हैं और अब तक 68000 का कंप्यूटराइजेशन हो गया है बाकी का काम भी तेजी से चल रहा है।

97% गांव की जरूरतें सहकारिता के सहयोग से पूरी की जा रही हैं

गुर्जर ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार का प्रमुख ध्येय है सहकार से समृद्धि और यह पूरे देश में पिछले 10 सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बहुत तेजी से हुआ है। पूरे देश में पैसों के मामले में जितने भी कोऑपरेटिव सोसाइटी है इससे 97 प्रतिशत गांव इस कोऑपरेटिव से पूरे होते हैं। इसका प्रमुख लक्ष्य है कि जो गांव में अंतिम पंक्ति का व्यक्ति है उसको कैसे सशक्त, मजबूत और आत्मनिर्भर बनाया जाए क्योंकि जब तक देश का अंतिम पायदान पर खड़ा व्यक्ति समृद्ध आत्मनिर्भर और स्वावलंबी नहीं होगा तब तक देश भी कभी समृद्ध और सशक्त नहीं हो सकताए इसलिए इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए यह सारी योजनाएं देश में चल रही हैं। जबसे देश में नरेंद्र मोदी की सरकार आई है और जब से केंद्रीय मंत्री अमित शाह के हाथों में सहकारिता की बागडोर आई है तबसे सहकारिता के क्षेत्र में अद्भुत परिवर्तन हुए हैं। सरकार नई-नई योजनाएं किसानों व आमजन के लिए लेकर आ रही हैं।

खबर संक्षेप

साइबर पुलिस ने एक सप्ताह में 15 को किया काबू

फरीदाबाद। फरीदाबाद के तीनों साइबर थाना की टीमों द्वारा कार्रवाई करते हुए 15 को गिरफ्तार किया है।

आरोपियो में संजय, प्रदीप सिंह, प्रवीण खारी, पवन गिरधर, आशु, राहुल, मिलेश, रवि, कुलदीप, गगन, योगेश, देवेंद्र, सोनू, सुशील कुमार तथा नेहा उर्फ खुशी का नाम शामिल है। पुलिस ने 5 से 11 जुलाई तक साइबर अपराध के 9 मुकदमों में 15 गिरफ्तार कर 14200 बरामद कराए।

तिगांव थाने में पुलिस पब्लिक कोऑर्डिनेशन बैठक

फरीदाबाद। डीसीपी बल्लभगढ़ अनिल कुमार के दिशा निर्देश के तहत एसीपी तिगांव जितेश कुमार ने तिगांव थाने में पुलिस पब्लिक कोआर्डिनेशन मीटिंग ली जिसमें एरिया के गणमान्य व्यक्तियों को नशा तस्करों की सूचना पुलिस को देने की अपील की गई। तिगांव थाना प्रबंधक श्रीभगवान अनुसंधान अधिकारियों सहित मौजूद रहे।

नाकाबंदी के दौरान चोरी की दो बाइक बरामद

फरीदाबाद। सराय ख्वाजा थाने के अंतर्गत सराय टोल टैक्स पर नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने चोरी की दो बाइक बरामद की है।

पुलिस ने दोनों मोटरसाइकिल के नंबर लेकर वाट्सएप ग्रुप पर डाले और इनके बारे में सूचना दी। इनमें से एक बाइक पुलिस चौकी दयालबाग राजस्थान से चोरी होनी तथा दूसरा दूसरा दिल्ली के प्रहलादपुर से चोरी होनी पाई गई।

देसी कट्टे सहित आरोपी को किया गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा सेंट्रल की टीम ने अवैध हथियार के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों में दौलत उर्फ लंगड़ा तथा दीपक का नाम शामिल है। दोनों फरीदाबाद की सुभाष कॉलोनी के रहने वाले हैं और आपस में दोस्त हैं। क्राइम ब्रांच की टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी दौलत को अवैध हथियार सहित बीपीटीपी थाना एरिया से काबू किया ।

साइबर ठगों ने बुजुर्ग से 85 लाख रुपए ठगे

गाजियाबाद। इन्दिरपुरम इलाके में शेयर ट्रेडिंग में मोटी कमाई का झांसा देकर साइबर ठगों ने बुजुर्ग से 85 लाख रुपए ठग लिए। बुजुर्ग सुरेंद्र कालरा ने पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई है। कालरा ने रिपोर्ट में कहा है कि ठगों ने सोशल मीडिया पर लिंक क्लिक कर उसके जरिए संपर्क में आए। ग्रुप पर शेयर ट्रेडिंग को लेकर टिप्स दिए इनमें तीन सौ फीसदी तक मुनाफे का झांसा दिया।

इनेलो नेता से 5 करोड़ की रंगदारी मांगने का आरोप

एसटीएफ ने कुख्यात गैंगस्टर काला खैरमपुरिया को थाईलैंड से दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

एसटीएफ गुरुग्राम की टीम ने कुख्यात गैंगस्टर राकेश उर्फ काला खैरमपुरिया को गिरफ्तार कर लिया है। काला खैरमपुरिया पर दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान में 20 से ज्यादा हत्या, हत्या के प्रयास से संबंधित मामले दर्ज हैं। वह थाइलैंड में छिपा था। जिसे एसटीएफ ने वहां से काबू कर लिया। खैरमपुरिया पर भाऊ गैंग के गुर्गों के जरिए हिसार में महेंद्रा शोरूम के मालिक एवं इनेलो नेता से 5 करोड़ की रंगदारी मांगने व दो अन्य व्यापारियों से 2-2 करोड़ की रंगदारी मांगने का आरोप है। एसटीएफ के एसपी सिमरदीप सिंह ने बताया कि काला खैरमपुरिया पर दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान में 20 से ज्यादा हत्या, हत्या के प्रयास से संबंधित मामले दर्ज हैं। वह 8 साल से देश से बाहर था। उसकी लास्ट लोकेशन पुर्तगाल बताई जा रही थी। वहां से बैठकर हरियाणा में अपराध को अंजाम दे रहा था। काला खैरमपुरिया 2020 में पैरोल पर छूटने के बाद से कानून प्रवर्तन एजेंसियों से बच रहा था। उसने शुरुआत में भारत के भीतर से और संयुक्त अरब अमीरात, आर्मेनिया जैसे देशों से विदेश भागने के बाद थाईलैंड से आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देना जारी रखा।

काला खैरमपुरिया पर दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान में 20 से ज्यादा हत्या, हत्या के प्रयास से संबंधित मामले दर्ज हैं। वह थाइलैंड में छिपा था। जिसे एसटीएफ ने वहां से काबू कर लिया।

खास बातें

- काला को भारत व विदेश की अलग-अलग एजेंसियों के संयुक्त प्रयास में पकड़ा
- थाईलैंड से आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देता रहा

एसटीएफ ने पासपोर्ट रद्द करा दिया तो फर्जी तरीके से हासिल कर लिया था

स्पेशल टास्क फोर्स के अधिकारियों ने तुरंत गृह मंत्रालय के साथ समन्वय किया और काला के खिलाफ संबंधित इंटरपोल संदर्भ और नोटिस भी जारी कराए। गृह मंत्रालय ने तुरंत मामले का संज्ञान लिया और भारत और विदेश दोनों में विभिन्न एजेंसियों के साथ समन्वय किया। गृह मंत्रालय ने तुरंत मामले का संज्ञान लिया और भारत और विदेश दोनों में विभिन्न एजेंसियों के साथ समन्वय किया। इस बीच, एसटीएफ की टीमों ने उसका पासपोर्ट भी रद्द करा लिया, जो उसने फर्जी तरीके से हासिल किया था। गृह मंत्रालय व कानून प्रवर्तन एजेंसियों के प्रयास के चलते राकेश उर्फ काला को निर्वासित किया गया और फिर उसे एसटीएफ टीमों द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया।

2014 में क्राइम की दुनिया में रखा कदम

राकेश का आपराधिक रिकॉर्ड 2014 में शुरू हुआ। उस पर डकैती, डकैती, हत्या और आग्नेयास्त्रों के अवैध कब्जे मामलों में दोषी ठहराया गया। वहीं 2015 में पुलिस स्टेशन भादरा में की गई एक हत्या मामले में उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। 2020 तक सजा काटने के बाद, उन्हें पैरोल पर रिहा कर दिया गया और उन्होंने कभी वापस रिपोर्ट नहीं की। वह गिरफ्तारी से बचता रहा और हरियाणा और पड़ोसी राज्यों में क्राइम की वारदातों को अंजाम देता रहा। वर्ष 2021 में उसने दूसरी हत्या थाना भट्टूकलां के गांव दरौली में की। जिसमें उसकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी और उसे 2023 में पीओ घोषित कर दिया गया। इसके बाद धोखाधड़ी से हासिल किए गए पासपोर्ट के जरिए वह विदेश भाग गया और वहीं से सिंडिकेट चलाने लगा। उसके सिंडिकेट में हिमांशु भाऊ गैंग और नीरज फरीदपुरिया गैंग शामिल थी। जो हत्या, जबरन वसूली सहित हाई-प्रोफाइल क्राइम की वारदातों को अंजाम देती।

घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई

धार्मिक स्थल में धमकी भरा पत्र मिलने से हड़कंप, आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

मुरादनगर की आदर्श कॉलोनी स्थित एक धार्मिक स्थल के अंदर एक धमकी भरा पत्र मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। जिसको लेकर लोगों में आक्रोश है। इस पत्र में धमकी दी गई है कि धार्मिक स्थल से लाउडस्पीकर नहीं हटाए गए तो लाशें गिनने के लिए तैयार रहे। इस खबर आसपास के लोगों में आग की तरह फैल गई ओर मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने इस मामले में लक्ष्य त्यागी नामक युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

एसीपी नरेश कुमार ने बताया कि आदर्श नगर कॉलोनी में एक धार्मिक स्थल है। जिसके परिसर में एक पत्र पड़ा मिला। पत्र में लिखा था यदि इस धार्मिक स्थल से लाउडस्पीकर नहीं हटाए गए तो लाशे गिनने के लिए तैयार रहना। पत्र मिलने के बाद हड़कंप मच गया। लोगों में आक्रोश फैल गया और देखते ही देखते की भीड़ जमा हो गई। तुरंत इसकी सूचना मुरादनगर थाने को दी गई।

धार्मिक स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे में पत्र डालने वाली घटना कैद हो गई है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मुकेश सोलंकी भारी पुलिस फोर्स के पास मस्जिद में पहुंच गए। जांच के बाद लक्ष्य नामक युवक को गिरफ्तार किया।

ब्रज मंडल यात्रा में भैय्या महाराज, राधे राधे बाबूजी महाराज के सानिध्य में श्रद्धालु होंगे

पांडवकालीन शिवालयों में से एक है अद्भुत एवं पौराणिक तीर्थ स्थल नल्हड़ श्री महादेव मंदिर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

बृजमंडल यात्रा 22 जुलाई को मेवात के नल्हड़ श्री महादेव मंदिर प्रांगण से शुरू होकर झिर महादेव मंदिर फिरोजपुर झिरका, राधा कृष्ण श्रृंगार मंदिर पुन्हाना में समाप्त होगी, जिसमें हर वर्ष की भांति फरीदाबाद से भक्तगण व बल्लभगढ़ से भैय्या महाराज और राधे राधे बाबू महाराज के सानिध्य में हजारों की संख्या में श्रद्धालुगण इस यात्रा में शामिल होंगे। विश्व हिन्दू परिषद के प्रांत संगठन मंत्री प्रेमशंकर ने यह जानकारी दी।

प्रेमशंकर ने कहा कि मेवात

के नल्हड श्री महादेव मंदिर में भगवान कृष्णजी और वीर शिवाजी की गौरवगाथा समाहित है। अद्भुत एवं पौराणिक तीर्थस्थल नल्हड श्री महादेव मंदिर पांडवकालीन शिवालयों में से एक है। वे ब्रज मंडल यात्रा संबंधित कार्यक्रम के निमंत्रण के लिए फरीदाबाद पहुंचे और उन्होंने अधिवक्ताओं, बुद्धिजीवी, साधु-संत महात्माओं में भैय्या महाराज, राधे राधे बाबूजी महाराज से मिलकर उन्हें यात्रा में शामिल होने का निमंत्रण दिया। प्रेमशंकर ने प्रबुद्ध नागरिक एवं अधिवक्ताओं से परिवार सहित यात्रा में शामिल होने का विशेष आग्रह किया। बैठक में शामिल वरिष्ठ अधिवक्ता एवं भाजपा नेता राजकुमार शर्मा ने बताया कि विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संगठन मंत्री प्रेमशंकर, हरियाणा ब्रजमण्डल जलाभिषेक शोभायात्रा संयोजक सुरेंद्र आर्य, यात्रा सह संयोजक नरेंद्र सिंह, बजरंग दल प्रांत कार्यकारिणी सदस्य पंकज जैन, हिंदू जागरण मंच से सेवानिवृत कर्नल समर सिंह, जिला सह संयोजक बजरंगदल, हर्ष सिंह मिलन केंद्र प्रमुख आदि उपस्थित रहे।

नौकरी दिलाने के नाम पर हो रहा था फर्जीवाड़ा

युवकों पर गाली गलौज करने व धमकाने का आरोप, शिकायत दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र में युवती को नौकरी का झांसा देकर न्यूड सेक्स चैट कराने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। एक महिला की शिकायत पर पुलिस ने यह कार्रवाई की है। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है।

एक महिला ने शिकायत में बताया कि उन्होंने नौकरी के लिए अप्लाई किया था। एक जुलाई को उनके पास एक कॉल आई। उन्हें फाइनेंस एडवाइजर की जॉब के बारे में बताया गया। चार जुलाई

को अपने कार्यालय बुलाया गया। 25 हजार रुपए ले लिए। वहां से उन्हें राजेंद्र नगर सेक्टर तीन के एक मकान में ले गए। जहां उन्हें बताया कि कैमरे के सामने न्यूड होकर सेक्स चैट करना है। उन्होंने देखा कि पांच-छह युवतियां न्यूड होकर सेक्स चैट कर रही थीं।

चेहरे पर तेजाब फेंकने की दी धमकी

विरोध करने पर वहां मौजूद एक महिला और दो युवकों ने गाली गलौज कर धमकाने लगे। उनके चेहरे पर तेजाब फेंकने की धमकी दी। महिला ने शालीमार गार्डन थाने पहुंचकर लिखित शिकायत की। सहायक पुलिस आयुक्त शालीमार गार्डन सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर कुछ लोगों को गिरफ्तार कर पूरे मामले में पूछताछ की जा रही है। गिरोह का सरगना कौन है, कब से इसका संचालन हो रहा है, सबकी जानकारी की जा रही है।

ग्रीन बेल्ट में 15 हजार पौधे रोपे जाएंगे

प्रमुख ग्रीन बेल्ट को प्राथमिकता के आधार पर व्यवस्थित करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने शहर निरीक्षण के क्रम में गाजियाबाद कलेक्ट्रेट से गोविंदपुरम को जाने वाली रोड पर स्थित ग्रीन बेल्ट का भी जायजा लिया गया। कलेक्ट्रेट से गोविंदपुरम ग्रीन बेल्ट में उन्होंने 15 हजार रुपए से अधिक पौधे लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने उच्च गुणवत्ता के पौधे लगाने के लिए उद्यान की टीम को निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने डॉ. अनुज उद्यान प्रभारी को भी शहर की अन्य प्रमुख ग्रीन बेल्ट को प्राथमिकता पर व्यवस्थित करने के लिए कहा है।

वन महोत्सव सप्ताह में पौधरोपण

वन महोत्सव सप्ताह में पौधरोपण के अभियान की शुरुआत की गई थी। एक लाख से अधिक पौधे गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत लगाए जा रहे हैं। उद्यान विभाग की टीम निरंतर पौधरोपण के कार्य में गड्ढा खोदने, स्थान का चयन करने, तथा वन विभाग एवं नर्सरियों से उच्च गुणवत्ता के पौधों को एकत्र करने का कार्य में रही है।

सातवीं मंजिल से गिरकर युवक की मौत, हत्या का आरोप लगाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

ग्रेटर फरीदाबाद के सेक्टर-77 में एक बहुमंजिला इमारत की सातवीं मंजिल से गिरकर शुक्रवार देर रात युवक की मौत हो गई। उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए बीके अस्पताल के शवगृह में लाया गया। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज होने तक शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया और बीके चौक को जाम कर दिया। हालांकि, पुलिस ने समझाकर यातायात को सुचारू कराया।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि एक युवक की सातवीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई है। मृतक की पहचान पलवल निवासी सौरभ के रूप में हुई। वह सेक्टर-12 स्थित एक डॉक्टर के क्लीनिक पर नौकरी करता था। डॉक्टर ने ही उसे अपना फ्लैट सेक्टर-77 में रहने के लिए दिया था। मौके पर पहुंचे परिजनों ने बताया कि उन्होंने जब सौरभ का शव देखा तो उसे गले पर निशान थे। ऐसे में उसकी हत्या करने की आशंका है। अगर वह सातवीं मंजिल से गिरता तो उसके शरीर पर कई चोट के निशान रहते।

परिजनों का कहना है कि सौरभ के साथ काम करने वाली युवती व तीन लोगों ने उसकी हत्या की है। इन चारों पर हत्या का मुकदमा दर्ज कराने की मांग करते हुए बीके चौक पर जाम लगा दिया। पुलिसकर्मियों ने परिजनों को समझाया और कुछ देर में जाम को हटाया। शव का पोस्टमार्टम नहीं किया गया था।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मनीष अरोड़ा** पुत्र श्री सुधीर अरोड़ा निवासी फ्लैट नं. 185, पॉकेट-10, नासिरपुर, द्वारका कुंज, नई दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 121/2013 धारा 451/354/323 भा.दं.स. थाना साउथ कैंपस, नई दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **मनीष अरोड़ा** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **मनीष अरोड़ा** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 121/2013 धारा 451/354/323 भा.दं.स. थाना साउथ कैंपस, नई दिल्ली के उक्त अभियुक्त **मनीष अरोड़ा** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **13.08.2024** को हाजिर हो।

आदेशानुसार: सुश्री कोमल गर्ग
महानगर दंडाधिकारी,
महिला कोर्ट-1, कमरा नं. 11,
पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली

DP/9086/SW/2024

आज़ादी का अमृत महोत्सव

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई–प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली–110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मद के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती हैं:–

क्र. सं.	निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
1	09242351A	लाइनर 160 X 125 X 3 एमएम	38369 नग	06.08.2024
2	12241833A	एलईडी टाइप लाइट फिटिंग 2x5 वाट टेबुलर एलईडी लैम्प	2500 नग	07.08.2024
3	02241935	बैटरी बॉक्स फॉर नॉन–एसी कोचेस 110V	778 नग	08.08.2024
4	02241739	बैटरी फ्यूज बॉक्स	1177 नग	09.08.2024
5	02241892	केईसी मेक आईईवीआर–2डी सूटेबल फॉर 500 केवीए, 750 वी, 50 एचजेड, 385 एएमपी वर्षलेस अल्टरनेटर फ्रेम	50 नग	09.08.2024
6	09242384	लोड सेंसिंग वाल्व टाइप–वीटीए फॉर बीएलसी वैगन	7853 नग	13.08.2024
7	01241778	स्ट्रक्चर बॉन्ड 40 एमएम x 6 एमएम	5929 नग	09.09.2024
8	07241356	एयर स्प्रिंग असेंबली (140 केएन) फॉर आईसीएफ टाइप बोगी	162 सेट	10.09.2024
9	07245022	सप्लाई, इंस्टालेशन, कमीशनिंग एंड टेस्टिंग ऑफ स्टेनलेस स्टीलस ट्यूबस	75 सेट	11.09.2024
10	07241161	इंजेक्शन मोल्डेड साइलेंट ब्लॉक	3002 नग	14.10.2024
11	07243466	सील्ड ग्लास यूनिट फॉर एलएचबी फिक्स्ड विंडो	10103 नग	16.10.2024
12	07240090	सेफ्टी वायर रोप फॉर ब्रेक बीम	24994 नग	17.10.2024
13	07241514	बल्ब टाइप स्प्लिट कोटर	599165 नग	24.10.2024
14	07241158A	स्लीव कम्पलीट फॉर सेंटर पाइवोट अरेंजमेंट	2797 नग	24.10.2024
15	07241168A	एंकर लिंक	2358 नग	30.10.2024
16	09242386	ऑटोमेटिक ट्विस्ट लॉक (कम्पलीट असेंबली) विथ स्टील स्प्रिंग फॉर बीएलसी वैगन	4329 नग	01.11.2024
17	09242282	फ्लैप डोर अरेंजमेंट फॉर बॉक्सन वैगन	2130 नग	28.11.2024

निविदा शर्तें : 1. विस्तृत जानकारी ireps वेबसाइट यानि **https://ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी।

निविदा सूचना सं.: **32/2024-25** दिनांक: **12.07.2024** **2137/2024**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

दिल्ली में सब्जियों की कम आपूर्ति, ऊंचे दामों से बिगड़ा रसोई का बजट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में देर से हुई बारिश के कारण फसलों को हुए नुकसान के चलते राष्ट्रीय राजधानी में सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं। ऐसे में आम उपभोक्ताओं को टमाटर जैसी रोजमर्रा की चीजें दोगुनी कीमत पर खरीदने को मजबूर होना पड़ रहा है।

थोक बाजारों में दुकानदारों ने बताया कि खासतौर पर आलू, प्याज और टमाटर जैसी रसोई की मुख्य वस्तुओं के साथ ही फूलगोभी, पत्तागोभी और लौकी जैसी हरी सब्जियों के दामों में उछाल आया है। आजादपुर सब्जी

मंडी के एक व्यापारी संजय भगत ने बताया, "फिलहाल टमाटर का थोक भाव 50 से 60 रुपये प्रति किलोग्राम है। स्थानीय किस्म का टमाटर 1,200 रुपये प्रति 28 किलोग्राम (एक क्रेट) और हाइब्रिड किस्म का टमाटर 1,400 से 1,700 रुपये में बिक रहा है। पहले टमाटर का भाव 25-30 रुपये प्रति किलोग्राम था। उन्होंने कहा कि थोक बाजार में अन्य सब्जियों की कीमत करीब 25 से 28 रुपये प्रति किलोग्राम है। जो सब्जियां 10 से 15 रुपये में बिकती थीं, वे अब 25 से 30 रुपये में मिल रही हैं। बीन्स की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई है, जो 40 से 50 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रही हैं। इस साल तेज गर्मी और बारिश में देरी के कारण कीमतों में उछाल आया है। भगत ने कहा कि ज्यादातर आपूर्तिकर्ता हिमाचल प्रदेश से टमाटर मंगाते हैं, जहां फसल सूख गई है। उन्होंने कहा कि पहाड़ों में फसलें बारिश पर निर्भर करती हैं और इस बार गर्मी बहुत थी और बारिश बहुत कम हुई। इससे पौधे सूख गए और कीटों से संक्रमित हो गए। उन्होंने कहा कि सूखे के बाद भारी बारिश हुई, जिससे फसलों को और नुकसान पहुंचा।

केवल दो जगहों से हो रही टमाटर की आपूर्ति

ओखला सब्जी मंडी के एक व्यापारी ने कहा कि अभी केवल दो जगहों से टमाटर की आपूर्ति हो रही है - कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश। महाराष्ट्र से 10-15 अगस्त के आसपास नई फसल आने तक कीमतें ऊंची रहेंगी। दिल्ली में कई लोगों ने बात करते हुए कहा कि सब्जियों की ऊंची कीमतों ने उनके बजट को बिगाड़ दिया है।

सीमित मात्रा में ही सब्जी खरीद रहे लोग

लक्ष्मी नगर सब्जी मंडी में किराने का सामान खरीद रहीं सरिता ने कहा कि मैं सीमित मात्रा में ही खरीद रही हूं और सिर्फ वही चीजें खरीद रही हूं, जो रसोई में बिल्कुल जरूरी हैं। आम आदमी अभी सब्जियां नहीं खरीद सकता। महरौली सब्जी मंडी में दीपक ने कहा कि पहले 200 से 300 रुपये में हम पूरे हफ्ते की सब्जियां खरीद लेते थे, लेकिन अब यह दो से तीन दिन में ही खत्म हो जाती हैं। रसोई का बजट संभालना मुश्किल हो गया है। दूसरी ओर, कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद कई रेस्तरां कीमतों में बदलाव करने से बच रहे हैं। कनॉट प्लेस में जैन रेस्तरां के मालिक और नेशनल रेस्तरां एसोसिएशन ऑफ इंडिया के मानद कोषाध्यक्ष मनप्रीत सिंह ने कहा कि ज्यादातर रेस्तरां में निश्चित मेनू होते हैं, और उनके पास नियमित ग्राहक होते हैं, इसलिए वे आपूर्तिकर्ताओं की तरह कीमतों में उतार-चढ़ाव नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि इससे हमारे मार्जिन पर दबाव पड़ता है। हम अपनी कीमतों में बहुत अधिक वृद्धि नहीं करने की कोशिश करते हैं, लेकिन कभी-कभी हमें अप्रत्याशित लागत वृद्धि के कारण ऐसा करने को मजबूर होना पड़ता है।

गर्लफ्रेंड को करवाना चाहता था मौज, झपटमार गिरफ्तार

नई दिल्ली। पुलिस ने झपटमारी की वारदात में शामिल दो लोगों को अरेस्ट किया है। इनसे दो मोबाइल और एक स्कूटी बरामद हुई है। आरोपियों के नाम प्रतीक उर्फ ईशु और रवि बताये गये हैं। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपी प्रतीक ने खुलासा किया वह अपनी गर्लफ्रेंड को प्रभावित करने के लिए उसका जन्मदिन एक बड़े होटल में मनाना चाहता था, लेकिन उसके पास पैसा नहीं था। इसलिए उसने मोबाइल छीनकर बेचने की योजना बनाई। आरोपी प्रतीक सेक्टर 15, द्वारका में रहता है। वह जोमैटो में डिलीवरी ब्वॉय है। रवि हरि विहार में रहता है और ककरौला में जूते की दुकान पर सेल्समैन के रूप में काम करता था।

शहीद की पत्नी पर अभद्र टिप्पणी करने वाले के खिलाफ मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह की पत्नी स्मृति पर अभद्र टिप्पणी करने वाले के खिलाफ दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एफआईआर दर्ज की है। राष्ट्रीय महिला आयोग की शिकायत पर केस दर्ज हुआ। आगे की जांच आईएफएसओ यूनिट करेगी। दिल्ली पुलिस पीआरओ सुमन नलवा ने बताया कि कैप्टन अंशुमान सिंह की पत्नी स्मृति के फोटो पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अभद्र टिप्पणी की गई थी। कमेंट करने वाले के खिलाफ सोशल मीडिया यूजर्स का गुस्सा तो पहले ही फूट चुका है अब राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी इसकी शिकायत दिल्ली पुलिस से की है। इसके अलावा एक रिपोर्ट भी दिल्ली पुलिस को देने का आदेश दिया है। पुलिस के अनुसार एफआईआर बीएनएस अधिनियम और आईटी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आईएफएसओ (इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस) इकाई में दर्ज की गई है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को पत्र लिखा

पुलिस ने आगे जानकारी देते हुए कहा कि कि कथित तौर पर टिप्पणी करने वाले सोशल मीडिया हैंडल के बारे में विवरण मांगने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को बकायदा पत्र लिखा गया है। राष्ट्रीय महिला आयोग ने हाल ही में सांसद महुआ मोइत्रा के एक कमेंट को लेकर भी दिल्ली पुलिस में शिकायत दी थी। इसके बाद पुलिस ने तुरंत केस दर्ज किया था।

डीयू अकादमिक परिषद की बैठक में फैसला

डीयू में यूजी लेवल पर पहली बार पढ़ाई जाएगी रूसी भाषा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

डीयू में पहली बार यूजी लेवल पर रूसी प्रोग्राम शामिल किया गया है। दिल्ली विश्वविद्यालय अकादमिक परिषद की 1018 वीं बैठक के आयोजन के दौरान कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने यह जानकारी दी। डीयू प्रशासन ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार को आयोजित अकादमिक परिषद की बैठक के दौरान यूजीसीएफ़ 2022 के आधार पर कला संकाय के स्लावोनिक और फिनो-उग्रियन अध्ययन विभाग के तहत बीए (ऑनर्स) में रूसी प्रोग्राम को भी मंजूरी प्रदान की। कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने बताया कि डीयू में पहली बार यूजी लेवल पर रूसी प्रोग्राम शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि इससे पहले पीजी में यह पढ़ाया जाता था। एसी की बैठक के दौरान इस संबंध में कला संकाय द्वारा की गई सिफारिशों को मामूली संशोधनों के साथ स्वीकार करते हुए कोर्स पाठ्यक्रम को पारित कर दिया गया। इस प्रोग्राम को शैक्षणिक सत्र 2024-2025 से लागू किया जाएगा।

परिषद के सदस्यों ने कई मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की

डीयू प्रशासन की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार डीयू अकादमिक परिषद की 1018 वीं बैठक का आयोजन कुलपति प्रो. योगेश सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार, 12 जुलाई को विश्वविद्यालय के काउंसिल हॉल में किया गया। बैठक के आरंभ में कुलपति ने विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक के दौरान एजेंडे पर चर्चा से पहले ज़ीरो ऑवर के दौरान परिषद के सदस्यों ने अनेकों मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की और अपने-अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए। जीरो आवर के दौरान एक सदस्य द्वारा डॉ. बीआर अंबेडकर चेयर पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में कुलपति की ओर से बताया गया कि यूजीसी को चेयर के लिए प्रपोजल भेजा गया है, वहां से अनुमति मिलते ही डॉ. बीआर अंबेडकर चेयर स्थापित कर दी जाएगी।

पिछली बैठकों के निर्णयों पर 'कार्रवाई रिपोर्ट' को रखा

दिल्ली सरकार द्वारा वित्त पोषित 12 कॉलेजों में शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया पर कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि सभी कॉलेजों को 31 जुलाई 2024 तक रिक्तियों पर नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी करने के बारे कहा जाएगा। अकादमिक परिषद से आए एक सुझाव पर संज्ञान लेते हुए कुलपति ने दिल्ली विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध कॉलेजों के शिक्षकों की वरीयता को लेकर गठित कमेटी में अकादमिक परिषद से 3 सदस्य नामांकित करने को भी मंजूरी प्रदान की। बैठक के आरंभ में डीयू कुलसचिव डॉ. विकास गुप्ता ने पिछली बैठक के मिनट्स पुष्टिकरण के लिए अकादमिक परिषद के समक्ष रखे और 1016 वीं और 1017 वीं बैठक में लिए गए निर्णयों पर 'कार्रवाई रिपोर्ट' को अकादमिक परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया। बैठक के दौरान अकादमिक परिषद की स्टैंडिंग कमेटी की 25 जून, 2024 को आयोजित हुई बैठक की सिफारिशों पर विचार करते हुए विभिन्न विभागों एवं कॉलेजों के पाठ्यक्रमों, शिक्षण पद्धति और मूल्यांकन में उपयुक्त संशोधन को स्वीकार किया गया।

चर्चा के बाद पारित किए गए कई विषय

एमएससी फोरेंसिक साइंस के चौथे सेमेस्टर की पाठ्यक्रम सामग्री में परिवर्तन के संबंध में मानव विज्ञान विभाग की सिफारिशों को भी अकादमिक परिषद द्वारा स्वीकार किया गया। अकादमिक परिषद की बैठक के दौरान एक साथ दो डिग्री प्राप्त करने के प्रावधान की प्रयोज्यता पर भी विचार करने के उपरांत उसे पारित कर दिया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा प्रस्तावित किसी भी क्षेत्र/विशेषज्ञता के अनुरूप केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय आदि द्वारा प्रदान की गई डिग्रियों को अनुसंधान और रोजगार के उद्देश्य से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई डिग्री के समकक्ष मानने पर भी बैठक के दौरान विचार किया गया। इसी प्रकार, संस्कृत विश्वविद्यालयों द्वारा ज्योतिष शास्त्र और वास्तु शास्त्र में दी जाने वाली आचार्य डिग्री को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा एमए में ज्योतिष शास्त्र के समतुल्य माना जाएगा।

हाईकोर्ट ने फीस बढ़ोतरी विवाद पर निजी स्कूल से निकाले गए छात्रों के नाम बहाल किए

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने यहां एक निजी स्कूल की दाखिला पंजी में उन विद्यार्थियों के नाम बहाल कर दिए हैं, जिन्हें अभिभावकों द्वारा बढ़ी हुई फीस देने से इनकार करने के बाद हटा दिया गया था। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने नौ जुलाई को पारित एक आदेश में अभिभावकों को चालू शैक्षणिक वर्ष के लिए बढ़ी हुई स्कूल फीस का 50 प्रतिशत जमा करने के लिए कहा है। अदालत का आदेश अभिभावकों की याचिका पर आया, जिन्होंने दलील दी थी कि द्वारका स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल ने बढ़ी हुई फीस का भुगतान न करने के कारण उनके बच्चों के नाम अपनी छात्र पंजी से हटा दिए हैं। अभिभावकों ने दावा किया था कि शिक्षा निदेशालय (डीओई) की मंजूरी के बिना फीस बढ़ाई गई है। अदालत ने याचिका पर शिक्षा निदेशालय के साथ-साथ स्कूल को भी नोटिस जारी किया और दो सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने के लिए कहा है। याचिकाकर्ता अभिभावकों ने दावा किया है कि स्कूल प्रशासन ने हाल ही में बढ़ी हुई फीस का भुगतान नहीं करने पर 20 से अधिक छात्रों को निष्कासित कर दिया। याचिका में याचिकाकर्ताओं ने न केवल अपने बच्चों के नाम तुरंत बहाल करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है, बल्कि स्कूल को शैक्षणिक वर्ष के लिए केवल 'अनुमोदित' शुल्क लेने का निर्देश देने का अनुरोध किया है। अदालत इस मामले की अगली सुनवाई 30 जुलाई को करेगी।

शिक्षक से बड़ा इस दुनिया में नहीं है कोई : सचदेवा

नई दिल्ली। शिक्षक से बड़ा इस दुनिया में कोई नहीं है और हमेशा आपसे कुछ सीखने को मिलता है। यह बात किसी भी तरह से हजम नहीं होती कि शिक्षकों के एक स्कूल में 10 साल हो गए इसलिए उनका ट्रांसफर हो जाए। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने राजकीय विद्यालय शिक्षक संघ द्वारा शनिवार को एनडीएमसी हाल में आयोजित एक सम्मान समारोह के दौरान यह संबोधन दिया। बताया गया कि सचदेवा के प्रयास से दिल्ली के उपराज्यपाल ने दिल्ली के 5004 शिक्षकों के ट्रांसफर ऑर्डर को रोकने का काम किया है जिसके बाद राजकीय विद्यालय शिक्षक संघ ने सचदेवा के साथ सांसद योगेंद्र चंदोलिया, कमलजीत सहरावत और बांसुरी स्वराज को सम्मानित किया और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के प्रति आभार व्यक्त किया। संघ के महासचिव अजय वीर यादव सिंह के संयोजन में आयोजित सम्मान समारोह में राजवीर सिंह छिकारा और वीरेंद्र डबास सहित शिक्षकगण मौजूद थे। यहां सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि शिक्षक हमारे परिवार के सदस्य हैं और अपने परिवार के किसी को अगर किसी दुख से निजात मिले तो इससे अधिक खुशी किसी भी बात में नहीं होती। वहीं, सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने कहा कि जब कुछ शिक्षक मेरे पास आए थे तो उस वक्त उन्हें आवश्वासन दिया कि आपकी विजय होगी और आज वह दिन हमारे सामने हैं। 15 वर्षों के अपने निगम कार्यकाल में मैंने कभी भी इतनी लंबी शिक्षकों के ट्रांसफर करने की लिस्ट नहीं देखी। जबकि बांसुरी स्वराज ने कहा कि आप वह शिल्पकार हैं जो भारत के भविष्य को गढ़ते हैं और हर बच्चे में अपना समय देते हैं। शिक्षक एक ईश्वरीय रूप होता है जो एक शिष्य को नवरत्न बनाने का काम करते हैं। बच्चों को आप शिक्षक जन्म नहीं देते लेकिन उसका जीवन चरित्र आप बनाते हैं।

प्रदूषण एक बड़ी चुनौती के रूप में मौजूद : गोपाल राय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के अंदर प्रदूषण एक बड़ी चुनौती के रूप में हर समय मौजूद रहता है। हमारी सरकार बनने के बाद सीएम अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली के प्रदूषण स्तर को कम करने के लिए लगातार काम किए हैं। दिल्ली के पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय ने बिजवासन विधानसभा क्षेत्र में विकास सभा आयोजित कर स्थानीय लोगों में निःशुल्क पौधा वितरण के दौरान यह बातें कही। राय ने यहा कहा कि तमाम उपायों के परिणाम स्वरूप दिल्ली के अंदर प्रदूषण के स्तर में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है और दिल्ली के अंदर हरित क्षेत्र (ग्रीन कवर) में काफी इजाफा देखा गया है। इस दौरान गोपाल राय ने कहा कि इस साल सरकारी नर्सरियों से 7 लाख 74 हजार से ज्यादा निःशुल्क पौधे वितरित किए जाएंगे। पौधारोपण अभियान के तहत इस साल 64 लाख से ज्यादा पौधे लगाने और वितरण करने का लक्ष्य तय किया गया है। इसमें सभी हरित एजेंसियों का सहयोग लिया जाएगा। दिल्ली के अलग-अलग विधानसभाओं में अभियान के तहत पौधों के वितरण का अभियान चलाया जाएगा। बता दें कि 11 जुलाई से पौधारोपण और वितरण का अभियान शुरू किया गया है।

नगर निगम की विज्ञापन नीति का उल्लंघन करने वालों पर होगी कार्रवाई

दया राम ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम का विज्ञापन विभाग बाह्य विज्ञापन नीति 2017 (ओएपी 2017) का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने के मूड में हैं और इसके चलते हाल ही में दिल्ली में कई जगह कार्रवाई भी हुई है।

दिल्ली नगर निगम के सूत्रों का कहना है कि जब से निगम के पूर्व विशेष अधिकारी अश्विनी कुमार ने निगम आयुक्त पद संभाला है तभी से कई विभागों में खलबली है। कई विभागों के अधिकारी निलंबित कर दिए हैं तो कई इधर उधर किए गए हैं। हांलाकि सूत्रों ने यह भी कहा है कि विज्ञापन विभाग में संसाधनों की

संसाधनों की कमी के चलते हो रहा है राजस्व

कमी के अनेकों जगह से राजस्व लीकेज हो रहा है। विज्ञापन विभाग के उपायुक्त अमित कुमार ने बताया कि विज्ञापन विभाग सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर बनी ओएपी 2017 के तहत उल्लंघनकर्ताओं पर कार्रवाई करता रहता है और जुर्माना राशि वसूलता है। अधिकारी ने बताया कि राजस्व अर्जित करने में विज्ञापन विभाग पहले से कहीं आगे चल रहा है। वहीं, निगम सूत्रों ने यह भी बताया कि हाल ही में विज्ञापन विभाग में कुछ निरीक्षक इधर से उधर किए गए हैं जोकि नियमानुसार कार्य नहीं कर रहे थे और लापरवाही बरतने की शिकायतें थीं। बताया गया कि निगम के पास सीमित संसाधन है जिसके कारण हर जगह कार्रवाई भी संभव नहीं हो पाती है और निगम को लाखों रुपए में राजस्व का नुकसान हो रहा है। कई जगह पाया गया है कि विज्ञापन नीति के तहत दो यूनिपोल के बीच की दूरी 75 मीटर होनी चाहिए लेकिन विज्ञापन कंपनियों की मनमानी और इंस्पेक्टर्स की मॉनिटरिंग में लापरवाही से इसी दूरी में तीन तीन यूनिपोल लगाए हुए हैं जो कि निगम के राजस्व को नुकसान है, साथ ही सिंगल यूनिपोल की अनुमति होने के बाद भी यूनिपोल पर दोनों तरफ विज्ञापन लगाए जा रहे हैं। इसके अलावा होटल मोटल पर बड़े बड़े विज्ञापन व एलईडी विज्ञापन, मुख्य चौराहों पर छोटे बड़े अवैध विज्ञापन भी बिना अनुमति के चल रहे हैं, जिन पर कार्रवाई करनी जरूरी है लेकिन संसाधनों की कमी के चलते कार्रवाई नहीं हो पाती है।

दीवारों पर नहीं कर सकते हैं विज्ञापन

विज्ञापन विभाग के सूत्रों का कहना है कि विज्ञापन नीति के अनुसार दीवारों पर पेंटिंग आदि से प्रचार नहीं किया जा सकता है। लेकिन बड़ी बड़ी कंपनियां मुख्य मार्गों के आसपास दीवारों पर पेंटिंग कराकर भी अपना प्रचार कर रही हैं और इससे भी विभाग को राजस्व का नुकसान हो रहा है।

निगम में बदलने वाला है काफी कुछ

दिल्ली नगर निगम में नए आयुक्त अश्विनी कुमार के पद संभालने के बाद काफी कुछ बदलने वाला है। निगम सूत्रों का कहना है कि आयुक्त अश्विनी कुमार निगम में विशेष आयुक्त रह चुके हैं और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वालों पर कार्रवाई करने में पीछे नहीं हटते हैं। हाल ही में भवन विभाग के चार अधिकारियों पर की गई कार्रवाई, यहीं संकेत दे चुके हैं और हर विभाग पर अब उनकी पैनी नजर हैं। जानकारी के अनुसार आयुक्त के लिए राजस्व चोरी निगम प्रशासन के लिए चिंता का विषय है और इस पर लगाम लगाने की तैयारी की जा रही है।

आरोपी ने आभूषण व्यापारी के बेटे से फोन पर धमकी देते हुए मांगे थे 1 करोड़ रुपये

डीपी पर कुख्यात बदमाश का फोटो लगाकर रंगदारी मांगने वाला गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

अशोक विहार इलाके में सनसनीखेज रंगदारी केस को पुलिस ने सुलझा लिया है। इस सिलसिले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी विनीत पांडे रंगदारी की धमकी देने के लिए अपने व्हाट्सएप डिस्प्ले पिक्चर पर नामी गैंगस्टरों की तस्वीरों का उपयोग करता था। इसके पास से अपराध में इस्तेमाल मोबाइल फोन और सिम कार्ड भी बरामद कर लिया है।

एडिशनल डीसीपी सिकंदर सिंह के अनुसार 10 जुलाई को शिकायतकर्ता ने अशोक विहार थाने पहुंचकर शिकायत दी कि करोल बाग व किंग्सवे कैंप में आभूषण का व्यवसाय करते है। एक दिन पहले उनके बेटे को दो अज्ञात नंबरों से फोन आया और फोन करने वाले ने

धमकी देते हुये 1 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी। फोन करने वाले ने यह भी धमकी दी कि अगर उन्होंने उसकी रंगदारी की मांग पूरी नहीं की तो वे उसे और उसके परिवार को जान से मार देंगे। पुलिस ने उन मोबाइल नंबरों की तकनीकी निगरानी की जिनसे कॉल की गई थी। उन पर जेल में बंद खूंखार गैंगस्टर की डीपी लगी थी। पता चला कि धमकी देते समय दोनों मोबाइल फोन की लोकेशन पंजाब में थी। टीम पंजाब पहुंची और काफी प्रयासों के बाद फोन करने वाले की पहचान विनीत पांडे के रूप में हुई। पता चला कि विनीत पंजाब के लुधियाना के पास अखाड़ा में कृषि श्रमिक के रूप में काम कर रहा था। आखिरकार विनीत को दिल्ली के चांदनी चौक इलाके से पकड़ लिया गया। पूछताछ करने पर उसने बताया कि वह मूलरूप से जिला बाराबांकी, यूपी का रहने वाला है और पहले चावड़ी बाजार में एक हार्डवेयर की दुकान में काम करता था। करीब तीन महीने पहले उसने नौकरी छोड़ दी और पंजाब चला गया। वहां खेतों में मजदूर के रूप में काम करना शुरू किया। वह इंस्टाग्राम पर रील देखता था और सर्फिंग के दौरान उसकी नजर उपरोक्त आभूषण की दुकान के विज्ञापन पर पड़ी। उसे पैसे की सख्त जरूरत थी, इसलिए उसने दुकानदार को धमकी देकर पैसे वसूलने की योजना बनाई। आरोपी 10वीं कक्षा पास है और अभी तक उसका किसी गिरोह या समूह से संबंध नहीं पाया गया है।

फायरिंग व रंगदारी केस में नाबालिग समेत चार दबोचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

बुराड़ी के एक जिम मालिक पर फायरिंग की घटना और रंगदारी मांगने वाले गिरोह के एक नाबालिग समेत चार आरोपियों को उत्तरी जिले की स्पेशल स्टाफ और लोकल पुलिस की संयुक्त टीम ने दबोच लिया है। बताया गया है कि इस वारदात को अंजाम तक पहुंचाने के लिये जेल में बंद गैंगस्टर ने दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से शूटरों की व्यवस्था की थी। इसके बाद एक महीने तक जिम व उसके मालिक की रेकी की गई थी। जिम के बाहर फायरिंग के बाद शूटरों ने भागने के लिये बंदूक की नोक पर एक मोटर साइकिल भी लूटी थी। इसके बाद सभी आरोपी उत्तर प्रदेश के मेरठ

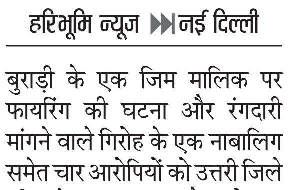

और बुलंदशहर में छिपकर रहे। डीसीपी उत्तरी जिला मनोज कुमार मीणा ने बताया कि पांच जुलाई को सुबह लगभग 09:50 बजे, कौशिक एन्क्लेव, 100 फुटा रोड, बुराड़ी में फायरिंग की घटना सामने आई थी। पुलिस घटनास्थल सिटी जिम के सामने पहुंची। रोहित गिरी ने बताया कि जब वह अपने दोस्त विकास के साथ कार के अंदर बैठा था, तो अचानक उसने देखा कि दो लड़के हथियार लेकर उनकी कार की तरफ आ रहे थे। उनमें से एक ने भगवा रंग के कपड़े से अपना चेहरा ढंकते हुए उसे गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। वह डर गया और अलार्म बजा दिया। उसके दोस्त और राहगीरों ने दोनों लड़कों का पीछा किया तो दोनों युवकों ने हवा में गोलियां चलाई और भागने में सफल रहे। वारदात के बाद 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का विश्लेषण किया गया। शूटर मुख्य सड़क को छोड़कर स्थानीय सड़कों से दिल्ली में प्रवेश करते पाए गए। जेल में बंद गिरोह सरगनाओं ने फायरिंग के लिये नाबालिग को शूटर के रूप में चुना था। आरोपियों के पास से दो अवैध हथियार और छह कारतूस बरामद हुये हैं। तीन आरोपियों के नाम निखिल उर्फ निक्की, मोहित और गगनदीप है।

अस्पतालों में दी परिवार नियोजन की जानकारी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के विभिन्न अस्पतालों में हाल ही में विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रमों में दंपतियों को परिवार नियोजन संबंधी जानकारी दी। रोहिणी स्थित बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल, नरेला स्थित सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल और बवाना स्थित महर्षि वाल्मीकि अस्पताल में डॉक्टर्स, नर्सिंग अधिकारी ने संयुक्त कार्यक्रम में प्रतिज्ञा दिलाते हुए कहा कि देश के हर युवा को परिवार नियोजन के बारे में जनसंख्या नियंत्रण के लिए सहयोग करना चाहिए। दो बच्चों में तीन साल का अंतर रखने के लिए सुझाव दिया और अच्छा सहयोग करने के लिए निवेदन किया।

कुछ समय पहले तक माना जाता था कि अगर हमारा आईक्यू लेवल हाई है तो हम सबसे बुद्धिमान लोगों की श्रेणी में शामिल हैं। फिर इसमें ईक्यू और एसक्यू फैक्टर्स भी जोड़े गए। इन दिनों बुद्धिमत्ता के नए मानक एक्यू की दुनिया भर में चर्चा हो रही है। क्या है यह एक्यू पैमाना और इसे सबसे इंपॉर्टेंट क्यों माना जा रहा है? जानिए, विस्तार से।

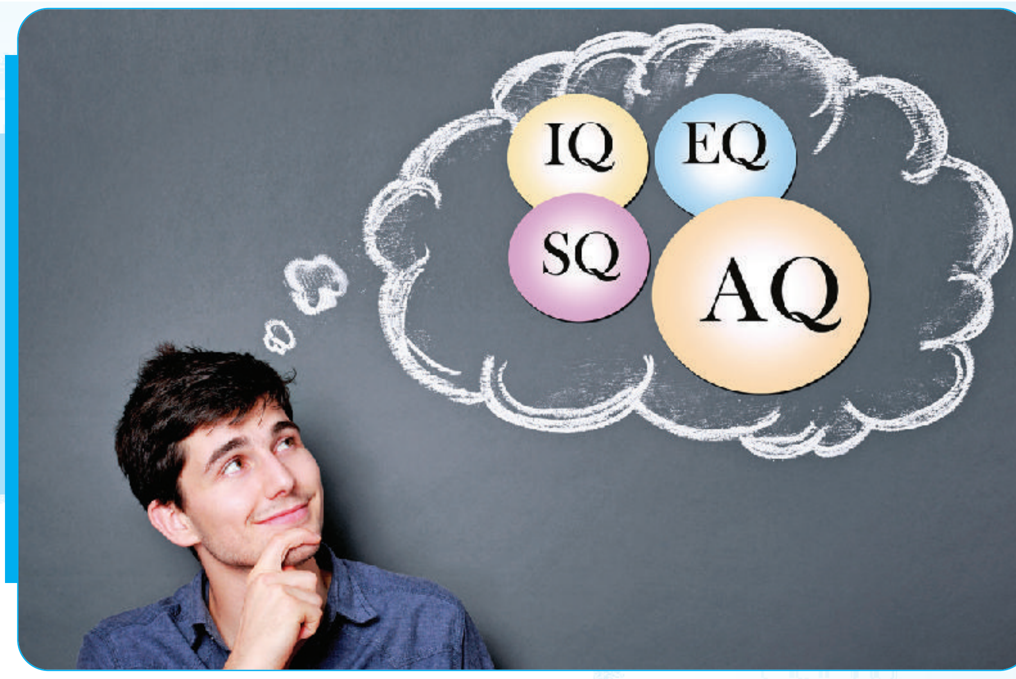

आईक्यू-ईक्यू-एसक्यू से भी इंपॉर्टेंट है हमारा एक्यू

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

अगर हम मानते हैं कि अलग-अलग लोगों में उनकी बुद्धि का स्तर अलग-अलग होता है, तो जाहिर है बुद्धि के मापने का कोई पैमाना भी होगा। साल 1912 में प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक विलियम स्टर्न ने बौद्धिक क्षमता मापने के पैमाने आईक्यू यानी इंटेलीजेंस कोशेंट का कॉन्सेप्ट दिया।

आईक्यू बताता है बौद्धिक क्षमता

आईक्यू पैमाने के मुताबिक हर व्यक्ति की मानसिक क्षमता का अलग-अलग स्कोर होता है। यही स्कोर या संख्या बताती है कि कोई व्यक्ति अपने समूह के दूसरे लोगों के मुकाबले कम बुद्धिमान है या ज्यादा। हालांकि बुद्धि की गणना का यह पैमाना अकसर विवादों में भी घिरता रहता है, क्योंकि जहां इस पैमाने के तहत महान वैज्ञानिक आइंस्टीन का आईक्यू 160 और न्यूटन का आईक्यू 190 माना जाता है, वहीं 1898 में न्यूयॉर्क (अमेरिका) में जन्मे विलियम जेम्स का आईक्यू 250 से 300 के बीच माना जाता है। दरअसल, अगर किसी व्यक्ति का आईक्यू 145 से 160 के बीच होता है, तो उसे जीनियस कहा जाता है। लेकिन विलियम जेम्स का आईक्यू तो 250 से 300 के बीच था, फिर उसे किस श्रेणी में रखा जाए? जेम्स में निःसंदेह असाधारणता के कुछ गुण थे। मसलन, 18 माह की आयु में ही उसने न्यूज पेपर पढ़ना शुरू कर दिया था, 9 साल की उम्र में उसने हार्वर्ड विश्वविद्यालय में दाखिला ले लिया था। माना जाता है कि उसने 40 भाषाओं में मास्टर डिग्री हासिल की थी। लेकिन इन कुछ चमत्कार से लगने वाले व्यक्तिगत गुणों के अलावा जेम्स के नाम कोई ऐसी खोज नहीं है, जिसने दुनिया को बदलकर रख दिया हो, जैसे आइंस्टीन और न्यूटन ने किया। बहरहाल, इस बहस के बावजूद यह भी तय है कि किसी और सटीक पैमाने के ना होने के कारण बुद्धिमत्ता को कोशेंट के पैमाने से तो परखना ही पड़ेगा।

मानसिक क्षमता के अन्य पैमाने

पिछले कुछ दशकों में अकेला आईक्यू ही किसी की मानसिक क्षमता को परखने का एकमात्र पैमाना नहीं रहा, क्योंकि मानसिक क्षमताओं की भी अलग-अलग परिस्थितियों में अलग- अलग तरह से परख होता है। इसलिए अब अलग-अलग मौकों में बुद्धिमत्ता की परख के लिए विभिन्न पैमाने भी इस्तेमाल में लाए जाते हैं। मसलन, आईक्यू के अलावा ईक्यू यानी इमोशनल कोशेंट। एसक्यू यानी सोशल कोशेंट और अब हाल के दिनों में बुद्धिमत्ता का एक नया पैमाना, जो पूरी दुनिया में काफी चर्चा में है, वह है एक्यू यानी एडवर्सिटी कोशेंट।

इन दिनों चर्चा में है एक्यू

एडवर्सिटी कोशेंट का मूल अर्थ, बुरे वक्त में दर्शाई गई बुद्धिमत्ता से होता है। यानी, कठिन समय में आप किस कुशलता से अपने को संभालते हुए सही निर्णय लेते हैं, किस कुशलता से अपने काम को अंजाम देते हैं? दरअसल, एक्यू का अर्थ ऐसे समय पर दर्शाई गई बुद्धिमत्ता से होता है, जब वाकई बहुत बुरा वक्त हो और सामान्य व्यक्ति को उससे निकलने का कोई उपाय ना सूझे। एडवर्सिटी कोशेंट, इन दिनों खूब चर्चा में है और हाल-फिलहाल में यह किसी इंसान की बौद्धिक परख का सबसे निर्णायक पैमाना माना जाने लगा है। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि किसी व्यक्ति में चुनौतियों से निपटने की कितनी कुशलता है, इसकी सबसे अच्छी परख उसके बुरे वक्त पर ही होती है। क्योंकि बुरे वक्त पर ज्यादातर लोग बुद्धिमत्तापूर्ण व्यवहार नहीं कर पाते। इसे इस तरह से समझ लीजिए कि कई बहुत अच्छे और सज्जन लोग भी गुस्से के समय पूरी तरह से अपना आपा खो देते हैं और वह उतनी ही बुरी तरह से लड़ते है, जितनी बुरी तरह से आम गैर पढ़े-लिखे लोग लड़ते हैं या दूसरे शब्दों में नासमझ लोग जिस तरह से बुरे समय में व्यवहार करते हैं, वैसा ही व्यवहार कई अच्छे लोग भी अपने बुरे वक्त में करते हैं। इसलिए एक्यू की कसौटी पर ऐसे लोगों को बुद्धिमान नहीं माना जा सकता है।

बुरे दौर से निकलने की क्षमता

एडवर्सिटी कोशेंट, वास्तव में प्रतिकूलता का गुणांक होता है। हर व्यक्ति अपने सामने आई चुनौतियों से निपटने का कोई ना कोई तरीका अपनाता है। जिस व्यक्ति का ऐसी चुनौतियों से निपटने का तरीका सबसे कारगर और मौजूदा परिस्थितियों में सबसे प्रभावी होता है, वास्तव में वही बुद्धिमान होता है। इसलिए देखने में आता है कि कई सफल लोग भले सामान्य परिस्थितियों में ज्यादा कुछ ना बोलें, बढ़-चढ़कर अपनी समझदारी ना दिखाएं, लेकिन जब बुरा वक्त आता है तो वे बहुत ही बुद्धिमत्तापूर्ण ढंग से उस बुरे वक्त से बाहर निकल आते हैं। माना जाता है कि कॉर्पोरेट सेक्टर में सफलता के सबसे ऊंचे पायदान पर आईक्यू बहुत महत्वपूर्ण नहीं होता, क्योंकि यहां तक अगर कोई पहुंचा है तो उसकी दिमागी क्षमता सामान्य लोगों से तो ज्यादा होगी ही। इस स्तर पर ईक्यू भी बहुत महत्वपूर्ण नहीं रह जाता, क्योंकि सफलता के सबसे ऊंचे पायदान पर या बहुत ऊंचे पायदान पर भावनाएं बहुत मायने नहीं रखती हैं और इस स्तर पर सामाजिकता भी कम से कम उतनी अर्थपूर्ण नहीं रहती, जितनी निचले स्तर के लोगों के लिए सामाजिकता की कीमत होती है।

सफलता के सबसे ऊंचे पायदान पर पहुंचकर अगर आप अचानक परेशानियों से घिर गए हैं, चुनौतियों में उलझ गए हैं, तो ऐसे वक्त पर प्रतिकूलता के दौरान दिखाई गई बुद्धिमत्ता ही एकमात्र वह गुण होगा, जिसके जरिए आप इस कठिन समय से बाहर आएंगे और बुद्धिमत्ता की जिस तरकीब के जरिए आप बुरे वक्त से बाहर निकलेंगे, वह तरकीब ही साबित करेगी कि आपमें प्रतिकूल समय से बाहर निकलने की कितनी क्षमता है?

सबसे महत्वपूर्ण बन गया एक्यू

पिछले कुछ दशकों में अलग-अलग बुद्धिमत्ता पैमाने पर लोगों की प्रतिभा को कसने के बाद अब मनोवैज्ञानिक निर्णायक रूप से इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि जिंदगी में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण कठिन समय में दिखाई गई कुशलता या बुरे वक्त की वह बुद्धिमत्ता ही होती है, जिसकी बदौलत कोई व्यक्ति अपने बुरे दिनों से बाहर आता है। यह कुशलता कई तरह से व्यक्त होती है। अपने लिए सहानुभूति हासिल करके, आत्म-जागरूकता की ऊंचाईयां छूकर, जबरदस्त अनुशासन या आत्मसंतुलन का माद्दा दिखाकर, प्रेरणा के सबसे ऊंचे पायदान पर खड़े होकर प्रेरित होने और सामाजिक रूप से हर पैमाने पर कुशल साबित होने से यह बुद्धिमत्ता विजयी कौशल बनकर सामने आती है।

दरअसल, हाल के दशकों में दुनिया में लोगों के पास संपत्ति चाहे जितनी बढ़ी हो, विकास चाहे जिस पैमाने पर पहुंचा हो, लेकिन सच्चाई यह है कि अब से ज्यादा निराशा, तनाव, बेचैनी और पराजयबोध किसी भी दूसरे दौर में नहीं देखा और महसूसा गया। इसलिए आज आर्थिक रूप से और परचेजिंग पावर (क्रयशक्ति) के पैमाने पर भले लोग ज्यादा खुशहाल दिखें, लेकिन मानसिक स्तर पर आज कहीं ज्यादा लोग परेशान हैं और यह मानसिक परेशानी ही है, जो पुराने वक्त के मुकाबले आर्थिक रूप से ज्यादा खुशहाल होने के बावजूद हमें निराशा और तनाव से हमेशा दो-चार रखती है। ऐसी स्थितियों में इन परेशानियों से बाहर आना ही वास्तव में बुद्धिमत्ता की निशानी है। इसलिए आज एडवर्सिटी कोशेंट या कठिन समय से कुशलतापूर्वक बाहर निकलने को सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण माना जाता है। *

विराट कोहली का एक्यू है हाई

कई बार हम कुछ खिलाड़ियों के बारे में यह कहा करते हैं कि यह खिलाड़ी प्रॉब्लम सॉल्वर या टफ टाइम हीरो है यानी क्राइसेस के समय ही इसकी क्षमताएं निकलकर बाहर आती हैं। जाहिर है, ऐसा खिलाड़ी टीम के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है। उदाहरण के लिए हाल में भारत द्वारा जीते गए टी-20 विश्व कप के पूरे टूर्नामेंट में विराट कोहली बहुत अच्छा नहीं खेल पाए थे। लेकिन ज्यादातर एक्सपर्ट यह मानकर चल रहे थे कि फाइनल में विराट कोहली जरूर चलेंगे, उनका बल्ला बोलेगा और एक्सपर्ट यह भी कह रहे थे कि अगर फाइनल में विराट कोहली नहीं चले तो भारत का जीतना मुश्किल होगा। देखा जाए तो सबकुछ ऐसा ही हुआ। फाइनल में विराट कोहली ने 59 गेंदों में शानदार 76 रन बनाए और उन्हीं के रनों की बदौलत भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 20 ओवर में 177 रनों का टारगेट दिया। अगर कोहली ने इस निर्णायक मैच में यह बेहतरीन ईनिंग ना खेली होती तो भारत का जीतना बहुत मुश्किल था। इससे प्रूफ हो गया कि विराट कोहली का एक्यू कितना हाई है!

लाइफ को बेचैन बना रहे अनलिमिटेड ऑप्शंस

तकनीकी विकास और बेशुमार सुविधाओं ने जीवन को कई मायने में आसान और आरामतलब तो बनाया है। लेकिन इसके साथ ही अनलिमिटेड ऑप्शंस की भरमार, हमारी मानसिक शांति को हमसे छीन रही है, हमें बेचैन बना रही है।

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

कई वर्किंग यंगस्टर्स अकसर फूड डिलीवरी एप्स पर पसंदीदा भोजन और रेस्टोरेंट की सर्चिंग के लिए लंबा समय बर्बाद करते और परेशान होते दिखते हैं। बहुत सोच-समझ कर मंगाने के बाद भी वे इस खाने से असंतुष्ट होते दिखते हैं। कई बार तो वे इस बात का निर्णय लेने में काफी वक्त बर्बाद कर देते हैं कि ओटीटी पर कौन-सा शो या मूवी देखी जाए। लेकिन इन्हें हमेशा लगता है कि काफी वक्त और ऊर्जा खर्च करने के बाद उन्होंने जो निर्णय लिया वह बिल्कुल गलत था।

बेवजह की बेचैनियों से परेशान: आजकल के कई यंगस्टर्स, दिनभर बेवजह परेशान, हैरान और उलझन में दिखते हैं। उनके चेहरे पर तनाव, झुंझलाहट और व्यग्रता का अंदाजा कोई भी समझदार आसानी से लगा सकता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि इन बेचैनियों में से ज्यादातर बहुत बचकाने कारणों से होती हैं। ये हालात सिर्फ युवाओं के ही नहीं, इसके शिकार कुछ हद तक अब प्रौढ़ भी होने लगे हैं। अचरजकारी बात यह है कि हम अपनी जिंदगी के महत्वपूर्ण और कठिन निर्णयों को अकसर मामूली समझने लगे हैं। शादी के लिए या फिर जॉब चुनने में लोग ज्यादा वक्त और ऊर्जा भले ना लगाएं पर मामूली निर्णयों को जरूरत से ज्यादा तवज्जो देने लगे हैं। फैशन की होड़ और बेकार की जोड़-तोड़ के जंजाल में लोग ऐसे फंसे हैं कि अपनी मानसिक शांति खोते जा रहे हैं।

वजह हैं ज्यादा ऑप्शंस: क्या आपने सोचा है कि इतनी बेचैनियों की वजह क्या है? सबसे बड़ी वजह है, ज्यादा ऑप्शंस की मौजूदगी। हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहां सब कुछ बहुतायत में उपलब्ध है। सुविधाएं अंतहीन हैं और बाजार ढेर सारे विकल्पों से भरे पड़े हैं। यही अधिकता, हमारी मानसिक अशांति, चिंता, दुख, बेचैनी और अवसाद की सबसे बड़ी वजह है।

असल में आज की तारीख में हमें सबसे ज्यादा परेशान वह चीज करती है, जिसे हम खरीद नहीं पाए। इंटरनेट पर सर्चिंग हो, आइसक्रीम पार्लर हो, फिटनेस एप्स हो, मूवी थिएटर हो, साड़ी की दुकान हो या टूथब्रश, साबुन, शैंपू जैसी रोजमर्रा की छोटी-छोटी चीजें, हमारे सामने इतने विकल्प होते हैं कि हम कंफ्यूज और बेचैन हो जाते हैं कि आखिर इनमें से कौन-सा चुनें। कई बार हालत यह हो जाती है कि जो टीवी हमने लिया उससे अलग दूसरे के पास है और उसमें कोई एकाध फीचर भी अलग है, जो भले ही काम का नहीं है तो भी हम बेचैन हो जाते हैं।

पहले हम रहते थे सुकून से: आज से कोई 15-20 साल पहले हर चीज के सीमित विकल्प होते थे। शादी में खाने के आइटम गिनती के होते थे, फिल्में थोक भाव से नहीं आती थीं बल्कि महीने में जो एक आध फिल्म आती थी, वही खूब चलती थी। सामाजिक स्तर पर दिखावा आज जैसा नहीं था। तब हम एक उपभोक्ता के रूप में इतने बेचैन, दुखी और कंफ्यूज बिल्कुल नहीं रहते थे। कमरे में फर्नीचर के नाम पर गद्देवाला बेड और अलमारी होती थी, जिसमें पूरा परिवार अपने कपड़े रखता था। आइसक्रीम या चॉकलेट की कुछ वैराइटीज होती थीं। कभी-कभी उन्हें खाकर ही बड़ा आत्मसंतोष होता था। लेकिन अब इन चीजों को चुनने के लिए भी काफी माथा-पच्ची करनी पड़ती है।

ज्यादा ऑप्शंस करते हैं परेशान: 'एज ऑफ अबेंडंस' यानी 'बहुतायत के युग का जीवन पर प्रभाव' पर अध्ययन करने वाले सोशल साइंटिस्ट कहते हैं कि विकल्पों की यह बहुतायत सुखी और खुशहाल करने के लिए बिल्कुल भी जरूरी नहीं है। जरूरत से ज्यादा विकल्पों की उपलब्धता, इंसानी दिमाग को पैरालाइज कर सकती है। जिससे अंत में हम वह खरीद लेते हैं, जो हमारे लिए ठीक नहीं होता। अमेरिकी मनोवैज्ञानिक और सोशल थ्योरी के प्रोफेसर बेरी श्वार्टज ने अपनी पुस्तक 'पैराडॉक्स ऑफ चॉइस' में कुछ ऐसा ही लिखा है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के लॉ स्टूडेंट पेटे डेविस ने 'व्हाट नेटफ्लिक्स टॉट मी अबाउट लाइफ' विषय पर अपने स्पीच में कहा कि ब्राउजिंग की स्वतंत्रता ने यूथ का चैन छीन लिया है। आधे घंटे तक विभिन्न फिल्मों की सर्फिंग और सर्चिंग करने के बाद वे कोई फिल्म नहीं देखते और कंफ्यूज होकर बैठ जाते हैं। आपने देखा होगा कि जिन रेस्टोरेंट में आपको डिशेज के बहुत सारे विकल्प मिल जाते हैं, वहां निर्णय लेने में काफी देर लग जाती है और तब तक आप की भूख मर जाती है। जबकि सीमित विकल्पों वाली जगह आप ज्यादा अच्छी तरह संतुष्ट होकर भोजन कर सकते हैं।

स्मार्टफोन के दर्जनों ऑप्शंस हैं। एप्स के पचासों ऑप्शंस हैं। शॉपिंग के अनगिनत विकल्प हैं। ये ऑप्शंस ही हमें परेशान करते हैं।

टफ बन रहा जीवन : ज्यादा विकल्पों ने हमारा जीवन कुछ मामलों में आसान भले ही बनाया हो लेकिन हकीकत यह है कि इन्होंने जीवन को पहले से ज्यादा टफ बनाने के साथ-साथ हमारी शारीरिक-मानसिक क्षमता पर जंग लगाने का भी काम किया है। हमें चिढ़न होती है, जब भारी मशक्कत के बाद चुनी गई वस्तु, आउट ऑफ स्टॉक होने के कारण हमें नहीं मिल पाती जबकि हमारे किसी मित्र को वह मिल जाती है। हमारी सारी शारीरिक-मानसिक ऊर्जा इस बात पर खर्च हो रही है कि हम दूसरे से बेहतर, होशियार और आगे कैसे नजर आएं बजाय अपनी जरूरत पर आधारित अपनी बेहतरी के प्रयास के, हम इन अर्थहीन मसलों में उलझे रहते हैं।

कहने का सार यही है कि शांतिपूर्ण और सुकूनदायक जिंदगी के लिए ज्यादा ऑप्शंस के मोहजाल से बचे रहना जरूरी है। *

गजल / डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

नहीं होता जहां कुछ भी

नहीं होता जहां कुछ भी खयाले-खाम होता है
उसे सुनता नहीं कोई जो किस्सा आम होता है
तुम्हारी बज्म में जाने से मेरा कद नहीं बढ़ता
मेरे आने से महफिल में तुम्हारा नाम होता है
अजब दस्तूर है दीपक तले पलता है अंधियारा
किसी की जान जाती है किसी का काम होता है
हकीकत आ ही जाती है निगाहों में जमाने की
बुराई का हमेशा से बुरा अंजाम होता है
फकत इज्जत की खातिर बोली जाती हैं कई बातें
वहां मुद्दा नहीं रहता जहां कुहराम होता है
भले बनकर रहा करते हैं मीठा बोलने वाले
खरा कहता है, जो अकसर वही बदनाम होता है
उन्हें अफसोस होगा जो कभी मुझसे न मिल पाए
मेरी हर बात पे 'नवरंग' कोई पैगाम होता है

कहानी / सरस्वती रमेश

सबसे बड़ा है प्रेम, दया-करुणा का इंसानी रिश्ता। बरसों पहले इसी रिश्ते का बीज बोया था विमल ने। उन्हें क्या पता था कि अनजाने में बोए इस बीज के अंकुर एक दिन तब फूटेंगे, जब उन्हें इसकी सबसे अधिक जरूरत होगी। मानवीय रिश्तों पर आधारित दिल को छूने वाली कहानी।

करुणा का बीज

आज डॉक्टर गुप्ता की क्लीनिक में बहुत भीड़ थी। सामने बेंच पर एक महिला बैठी हुई थी। उसकी साड़ी एकदम मलिन थी, हाथ-पैर धूल में नहाए। लग रहा था कोई मजदूर है। कहीं से काम करके लौटी है। उसकी गोद में एक चार-पांच साल का बच्चा था। बच्चा एकदम सुस्त पड़ा था। डॉक्टर गुप्ता ने बच्चे की नाड़ी देखी। आंखों की पुतलियां जांचकर बोले, 'दस्त से शरीर में पानी की कमी हो गई है। ग्लूकोज चढ़ाना पड़ेगा।'

डॉक्टर की बात सुनकर महिला सहम-सी गई। एक पल ठिठक कर उसने सकुचाते हुए पूछा,'कितने पैसे लगेंगे डॉक्टर साहब?'

'दो सौ रुपए ग्लूकोज के और दवाइयों के अलग से।' डॉक्टर ने बताया। 'हमारे पास तो बस सौ रुपए हैं।' महिला मुट्ठी में रुपए दबाए हुई थी। उसके चेहरे पर चिंता की लकीरें उभर आई थीं।

'तो और पैसे घर से ले आओ।' डॉक्टर सख्त लहजे में बोला और दूसरा मरीज देखने लगा।

'तुम बालमुकुंद की घरवाली हो ना?' डॉक्टर की बात सुनकर पास खड़े एक व्यक्ति ने महिला से पूछा। उसने सिर हिला कर हामी भरी और उस व्यक्ति से पूछा, 'आप कौन?'

'मेरा नाम विमल है। मैं बालमुकुंद को जानता हूं। वह राज मिस्त्री है ना। मेरा घर उसी ने बनाया था। आजकल कहां है वह, दिखाई नहीं देता?' विमल ने पूछा।

'उनके पैर पर लेंटर गिर पड़ा था। पैर की हड्डी कई जगह से टूट गई है। दो महीने से खाट पर पड़े हैं।' महिला बहुत ही दुखी स्वर में बोली। 'अरे ! यह तो बड़े तकलीफ की बात है। ये बच्चा तुम्हारा है?' विमल ने बच्चे की ओर इशारा करके पूछा।

'हां, ये हमारा बेटा है। इसकी तबीयत बहुत खराब है।' कहकर महिला रुआंसी हो गई।

विमल को महिला की स्थिति पर बहुत दया आई। वह जानते हैं, बालमुकुंद अच्छा मिस्त्री ही नहीं, एक अच्छा इंसान भी है। हाथ में हुनर है लेकिन बेचारा आजकल खाट पर पड़ा है। विमल समझ गए, घर चलाने के लिए जरूर बालमुकुंद की घरवाली लेबर का काम कर रही है। विमल ने डॉक्टर से कहा, 'आप इस बच्चे का इलाज करिए, पैसे मैं दूंगा।'

डॉक्टर बच्चे का इलाज करने के लिए राजी हो गया। विमल डॉक्टर के बताए पैसे देकर चले गए। इस बात को बीस वर्ष बीत गए। विमल अब बूढ़े हो चुके थे। उनके कोई संतान नहीं थी। वह पत्नी के साथ रहते थे। वृद्धावस्था का एकमात्र सहारा उनकी छोटी सी पेंशन थी। लेकिन दोनों बुढ़ापे के रोगों से परेशान रहते थे। पेंशन उनकी दवाइयों और घर खर्च के लिए काफी नहीं थी। एक दिन विमल मेडिकल स्टोर से दवाइयां खरीद रहे थे, तभी वहीं मेडिकल स्टोर पर काम करने वाले एक युवा पर उनकी नजर ठहर गई। बिल्कुल बालमुकुंद के जैसी कद काठी, नयन-नक्श भी वही। विमल ने उस युवक से पूछ ही लिया, 'तुम बालमुकुंद के बेटे हो?'

'हां, अंकल, आप कौन हैं?' उस युवक ने पूछा।

विमल ने बताया, 'मैं तुम्हारे पिता को जानता हूं। उन्होंने बरसों पहले मेरा घर बनाया था। मेरा नाम विमल है।'

'आप वही विमल अंकल हैं, जिन्होंने बचपन में एक बच्चे का इलाज करवाया था?'

एक क्षण विचारमग्न होने के बाद विमल ने मुस्कुराते हुए हां में सिर हिला दिया।

युवक हंसते हुए बोला, 'मैं वही बच्चा हूं, कृष्णा। बालमुकुंद जी का बेटा।'

'अरे! तुम तो बहुत बड़े हो गए।' विमल ने युवक को ध्यान से ऊपर से लेकर नीचे तक देखा।

कृष्णा बहुत भावुक हो गया, बोला, 'मां-पिताजी अब नहीं रहे। मां बताया करती थीं कि उस समय मैं आपकी वजह से जीवित बच पाया था। पिताजी आपको बहुत नेक इंसान मानते थे। अंकल आपको क्या चाहिए हमें बताइए?'

विमल हड़बड़ा गए। अपने थैले से दवाई की पर्ची निकालकर बोले, 'बेटा, ये दवाइयां दे दो।'

कृष्णा ने पर्ची देखकर दवाइयां निकाल दीं। साथ में 570 रुपए का बिल पकड़ा दिया। विमल अपनी दायीं-बायीं, ऊपर नीचे की सारी जेबें टटोल कर पैसे निकालने लगे, लेकिन सारे पैसे निकालने के बाद भी पैसे पूरे नहीं पड़े। कृष्णा को यह बात समझते देर ना लगी। वह विमल से बोला, 'अंकल, कोई बात नहीं। आप दवाइयां ले जाइए। पैसे मैं भर दूंगा।'

'अरे नहीं बेटा, मैं दवाइयां बाद में ले जाऊंगा।' विमल झेंप रहे थे। कृष्णा ने जबरदस्ती विमल को दवाइयां पकड़ा दीं। साथ में अपना मोबाइल नंबर देते हुए बोला, 'अंकल, आपको जब भी किसी दवाई की जरूरत पड़े, आप मुझे फोन कर दीजिएगा। यहां आने की आपको जरूरत नहीं है। और ना आप पैसों की चिंता करना। मैं हूं ना, आपके बेटे के समान हूं। आपके घर दवा पहुंचा दूंगा।' यह सुनकर विमल की आंखें भर आईं। बीस साल पहले अनजाने ही एक रिश्ते का बीज पड़ गया था। अब वह अंकुरित होकर बाहर झांक रहा था, पल्लवित-पुष्पित होने के लिए। *

खबर संक्षेप

यूपी में 10 आईपीएस अफसरों के तबादले

लखनऊ। यूपी में 6 जिलों के पुलिस अधीक्षकों समेत 10 आईपीएस अफसरों के तबादले कर दिए गए हैं। जालौन, एटा, हरदोई, शामली, बिजनौर व गाजीपुर के पुलिस अधीक्षकों के तबादले हुए हैं। श्याम नारायण सिंह एटा के नए पुलिस अधीक्षक, अभिषेक को बिजनौर, नीरज कु. जादौन को हरदोई, ईराज राजा को गाजीपुर, रामसेवक गौतम को शामली का एसपी नियुक्त किया है।

नीतीश कैबिनेट में कई फैसलों पर लगी मुहर

सरकारी विभागों के 748 नए पदों को मिली मंजूरी, 534 डेटा इंट्री ऑपरेटर भी होंगे बहाल, अब नियुक्ति की प्रक्रिया जल्द होगी शुरू

एजेंसी ▶▶ पटना

नीतीश कैबिनेट में बिहार विभिन्न विभागों में 748 नए पदों को मंजूरी मिली है। इसके अलावा सभी 534 प्रखंडों में डेटा इंट्री आपरेटर भी बहाल किए जाएंगे। राज्य मंत्रिपरिषद ने शुक्रवार को इन पदों को मंजूरी दे दी। अब इन पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू होगी। इसके साथ ही विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित 34 राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालयों में कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के लिए 338 शैक्षणिक पदों (प्राध्यापक-28, सह-प्राध्यापक -71 एवं सहायक प्राध्यापक-239) के सृजन की स्वीकृति मिली है। 31 राजकीय पॉलीटेकनिक/ राजकीय महिला पॉलीटेकनिक संस्थानों में असैनिक अभियंत्रण पाठ्यक्रम के लिए 203 शैक्षणिक पद (विभागाध्यक्ष-04 एवं व्याख्याता-199) सृजित किए गए हैं।

खास बातें

- 34 महाविद्यालयों में इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के शैक्षणिक पदों का होगा सृजन
- पॉलीटेकनिक में भी 203 पद सृजित किए गए
- औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में भी होगी नवीन नियुक्तियां

कैबिनेट के अन्य महत्वपूर्ण फैसले

- बिहार में प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान योजना लागू करने का प्रस्ताव स्वीकृत हो गया है। रुसा के स्थान पर इसे लागू किया जा रहा है
- राजभवन में राजेंद्र भवन, राज्यपाल सचिवालय व अतिथि गृह के निर्माण के लिए 129.69 करोड़ मंजूर
- राजभवन में प्रोटोकॉल पदाधिकारी का एक पद सृजित, यह स्थाई पद होगा
- बिहार पुलिस चालक संवर्ग (संशोधन) नियमावली, 2024 का गठन किया गया
- तारामंडल में वर्चुअल रियलिटी थियेटर की स्थापना के लिए काउंसिल ऑफ साइंस म्यूजियम कोलकाता बनाई गई कार्यान्वयन एजेंसी

11 श्रमायुक्त कार्यालयों में होगी भर्ती

इंदिरा गांधी हृदय रोग संस्थान पटना में अपर निदेशक (मेडिकल कार्डियोलाजी) एवं अपर निदेशक (सर्जिकल कार्डियोलाजी) के कुल 2 नए पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है। इसके साथ ही 534 प्रखंडों, 11 श्रमायुक्त कार्यालयों और दशरथ मांझी श्रम नियोजन अध्ययन संस्थान पटना के लिए 3 कुल 548 श्रम प्रवर्तन पदाधिकारियों के लिए भाड़े पर वाहन रखने तथा सभी 534 प्रखंडों में एक-एक डाटा एंट्री ऑपरेटर बहाल करने की मंजूरी दी गई है।

नए आईटीआई की स्थापना होगी

राज्य के नए आईटीआई की स्थापना व महिलाओं के लिए प्रधान लिपिक के 31 एवं निम्नवर्गीय लिपिक के 31 अर्थात कुल 62 पदों के सृजन की मंजूरी दी गई। वहीं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में पूर्व से प्रारंभ विभिन्न व्यवसायों में व्यवसाय अनुदेशकों तथा गणित अनुदेशकों, ड्राइंग अनुदेशकों के 130 एवं ग्रुप अनुदेशकों के 7 कुल 137 पद सृजित करने का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया।

उन्नाव बस हादसे पर सीएम योगी आदित्यनाथ सख्त

सड़कों पर डग्गामार और बिना परमिट के चलती मिलीं बसें तो नपेंगे अफसर

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

यूपी परिवहन विभाग की 3 सदस्यीय समिति ने उन्नाव सड़क हादसे में बस चालक को दोषी ठहराया है। बता दें कि इस दुर्घटना में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 19 गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

उन्नाव बस हादसे को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अख्तियार किया है। परिवहन विभाग के अधिकारियों को सीएम योगी ने दो टूक निर्देश दिये हैं कि भविष्य में प्रदेश की सड़कों पर डग्गामार या बिना परमिट कोई बस चलती मिली तो संबंधित अधिकारियों की खैर नहीं। अपने सरकारी आवास पर एक अति महत्वपूर्ण बैठक के दौरान परिवहन विभाग के अधिकारियों को सीएम ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि प्रदेश में चल रही सभी यात्री बसों और स्कूल बसों का परमिट, फिटनेस, इंश्योरेंस और ड्राइवरों की गहनता से जांच की जाए। वहीं मुख्यमंत्री के कड़े रुख के बाद परिवहन विभाग ने पूरे प्रदेश में एक माह तक डग्गामार और बिना परमिट वाले वाहनों के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान के निर्देश जारी कर दिये हैं।

डग्गामार वाहनों को सड़क पर आने से पहले ही रोकें

सीएम ने प्रमुख सचिव परिवहन को निर्देशित करते हुए कहा कि आखिर डग्गामार और बिना परमिट वाली बसें सड़कों पर कैसे बेरोकटोक घूम रही हैं। ऐसी बसों के खिलाफ पूरी सख्ती के साथ अभियान चलाएं और इनके मालिकों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाए। सीएम योगी ने स्पष्ट तौर पर निर्देशित करते हुए कहा है कि जहां भी इस प्रकार की बसों का संचालन हो रहा है, वहां के परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। यात्रियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सीएम ने कहा है कि प्रदेश में पंजीकृत सभी यात्री बस और स्कूल बसों के फिटनेस, परमिट, इंश्योरेंस और ड्राइवरों की जांच की जाए। इसके बाद कहीं भी कोई अप्रिय घटना हुई तो सीधे सीधे परिवहन विभाग के अधिकारी जिम्मेदार होंगे। कहा कि डग्गामार और बिना परमिट वाले वाहन किसी भी दशा में सड़क पर न उतरने पाए। उन्होंने कहा कि डग्गामार और बिना परमिट वाली बसों को सड़क पर आने से पहले ही रोकना होगा।

एक माह तक चलेगा सघन अभियान

सीएम के कड़े रुख के बाद परिवहन विभाग के आयुक्त चंद्रभूषण सिंह ने प्रदेश के सभी उप परिवहन आयुक्त (परिक्षेत्र), सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन/प्रवर्तन) सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन/प्रवर्तन) को निर्देश दिए हैं कि एक माह तक अनवरत रूप से सड़क अभियान चलाया जाए। इस दौरान यात्री बसों के साथ ही स्कूली वाहनों की भी चेकिंग की जाए। उन्होंने इसके लिए प्रदेश के विभिन्न टोल प्लाजा पर संभागीय परिवहन अधिकारियों की तिथिवार ड्यूटी लगा दी है साथ ही निर्देश दिए हैं निर्धारित तिथियों में प्रत्येक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) सम्बन्धित टोल प्लाजा पर स्वयं उपस्थित होकर सम्भाग के समस्त प्रवर्तन अधिकारियों के साथ इन्फोर्समेंट की कार्रवाई करेंगे।

नीट पेपर लीक मामला

सीबीआई की रिमांड पर हैं 13 आरोपी आमने-सामने बैठाकर होगी पूछताछ

एजेंसी ▶▶ पटना

सीबीआई ने नीट पेपर लीक में गिरफ्तार 13 आरोपियों को शुक्रवार देर शाम रिमांड पर ले लिया है। एजेंसी इनसे पूछताछ करेगी। इसके पहले शुक्रवार को ही पटना हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति संदीप कुमार की एकलपीठ ने सीबीआई के विशेष जज की ओर से पारित आदेश रोक लगाते हुए इन 13 आरोपितों को रिमांड पर लेने की अनुमति दी। हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई की ओर से विशेष अदालत में आवेदन देकर आरोपितों को 15 दिनों के लिए रिमांड पर सौंपने का अनुरोध किया गया, जिसे विशेष जज हर्षवर्धन सिंह ने स्वीकार कर लिया। इसके कुछ देर बाद सीबीआई की टीम बेउर जेल पहुंची।

सीबीआई ने जिन आरोपियों को रिमांड पर लिया है, उसमें नीतीश कुमार, अखिलेश कुमार, सिकंदर प्रसाद यादवेंदु, आयुष कुमार उर्फ आयुष राज, बिट्टू कुमार, अमित आनंद, आशुतोष कुमार, रौशन कुमार, अनुराग यादव, अभिषेक कुमार, अवधेश कुमार, शिवनंदन कुमार और रीना कुमारी शामिल हैं।

पेज एक का शेष

हिंदी में भी एलएलबी...

तरीके से पक्ष रखते हैं। जज और वकील तो अंग्रेजी को समझ सकते हैं, लेकिन आम आदमी को इसमें दिक्कत है। इसलिए अंग्रेजी के साथ-साथ स्थानीय भाषा में भी फैसले होने चाहिए। शनिवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय लखनऊ के दीक्षांत सामारोह को सीजेआई संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोर्ट में कई फैसले अंग्रेजी में होने के कारण आम लोगों को समझ में नहीं आते हैं। दीक्षांत समारोह में में सीएम योगी आदित्यनाथ और हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अरुण भंसाली भी मौजूद थे।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि हिंदी में एलएलबी का कोर्स कराना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देते हुए समझाया कि मान लीजिए अगर कोई व्यक्ति आपके विश्वविद्यालय के पड़ोस के गांव में, गांव से विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय की विधिक सहायता केंद्र में आता है और अपनी जमीन से जुड़ी समस्या को बताता है, लेकिन यदि छात्र को खसरा और खतौनी का मतलब ही नहीं पता है तो छात्र उस व्यक्ति को कैसे मदद कर पाएगा। इसलिए जमीन संबंधित क्षेत्रीय कानूनों के बारे में भी छात्र को जानकारी देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुंबई हाईकोर्ट से जब वो इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचे तो समझा आया कि वहां के वकील हिंदी में भी बेहतर तरीके से अपना पक्ष रखते हैं। सीजेआई ने कहा कि उन्होंने 81 कॉलेज का सर्वे किया और पाया कि अंग्रेजी न मालूम होने से आम जनता को बहुत दिक्कत होती है।

37000 निर्णय का अनुवाद हो चुका: चीफ जस्टिस ने कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में ऐसे कई निर्देश दिए हैं, जिससे न्याय की प्रक्रिया को आम लोगों के लिए आसान बनाया जा सके। इसमें सुप्रीम कोर्ट के अंग्रेजी में दिए गए फैसलों का भारत की विभिन्न भाषाओं में अनुवाद किया जा रहा है। जिससे आम जनता भी समझ सके कि निर्णय में आखिर लिखा क्या गया है। आज 1950 से लेकर 2024 तक सर्वोच्च न्यायालय के 37000 निर्णय है, जिनका हिंदी में अनुवाद हो गया है और यह सेवा सब नागरिकों के लिए मुफ्त है।

बोधगया में महाबोधि...

स्थल महाबोधि मंदिर परिसर भगवान गौतम बुद्ध के जीवन से संबंधित चार पवित्र स्थलों में से एक है। माना जाता है कि बोधगया वह स्थान है जहां भगवान बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ था।

पश्चिम बंगाल में ममता...

33455 मतों से पराजित किया। मानिकतला सीट पर तृणमूल प्रत्याशी सुप्ति पांडे ने भाजपा के कल्याण चौबे को 62,312 मतों से हराया। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की पत्नी एवं कांग्रेस उम्मीदवार कमलेश ठाकुर ने देहरा विधानसभा सीट पर भाजपा के होशियार सिंह को 9,399 मतों से हराया। नालागढ़ में कांग्रेस के हरदीप सिंह बावा ने भाजपा के केएल ठाकुर को 25,618 मतों से हराया। आयोग की वेबसाइट के अनुसार, भाजपा ने हमीरपुर सीट जीती है। भाजपा उम्मीदवार आशीष शर्मा को 27,041 वोट मिले, जबकि कांग्रेस के पुष्पिंदर वर्मा को 25,470 वोट मिले। निर्वाचन आयोग के अनुसार उत्तराखंड में कांग्रेस के प्रत्याशी लखपत सिंह बुटोला ने बदरीनाथ विधानसभा सीट के उपचुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी पूर्व मंत्री एवं विधायक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राजेंद्र सिंह भंडारी को 5,224 मतों से हराया। वहीं, मंगलौर सीट के उपचुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार काजी निजामुद्दीन ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के करतार सिंह भड़ाना को 422 मतों के मामूली अंतर से हराया।

मप्र की एकमात्र सीट भाजपा की झोली में: निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के अनुसार मध्य प्रदेश की अमरवाड़ा सीट पर भाजपा के कमलेश प्रताप शाह ने कांग्रेस के धीरन शाह इनवती से 3,027 मतों के अंतर से हराया जबकि बिहार की रूपौली सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार शंकर सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी जद (यू) के कलाधर प्रसाद मंडल को 8,246 मतों के अंतर से हराया।

उत्तराखंड में भाजपा को झटका: उत्तराखंड की बदरीनाथ सीट पर कांग्रेस के लखपत बुटोला ने जीत दर्ज की हैं। वहीं मंगलौर सीट पर भी कांग्रेस के काजी मोहम्मद निजामुद्दीन आगे हैं। हालांकि मंगलौर सीट पर कड़ा मुकाबला है और भाजपा उम्मीदवार करतार सिंह भड़ाना भी कांग्रेस उम्मीदवार से ज्यादा पीछे नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि बदरीनाथ सीट पर विधानसभा चुनाव में राजेंद्र भंडारी ने कांग्रेस के टिकट पर जीत दर्ज की थी, लेकिन बाद में वे कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। इन उपचुनाव में राजेंद्र भंडारी भाजपा के टिकट पर चुनाव मैदान में थे, लेकिन जनता ने उन्हें इस बार नकार दिया।

जहां जिसकी सरकार, वहां उस पार्टी का दबदबा!: उत्तराखंड और बिहार को छोड़ दें तो बाकी सभी राज्यों में जिस दल की सरकार है, वहां उसके कैंडिडेट की जीत हुई है। मध्य प्रदेश की अमरवाड़ा विधानसभा सीट पर बीजेपी के कमलेश प्रताप शाह ने कांग्रेस को करीबी मुकाबले में हराया है। मध्य प्रदेश में अभी बीजेपी की सरकार है और यह राज्य लंबे अरसे से भगवा दल का गढ़ रहा है। वहीं, पंजाब की एकमात्र उपचुनाव वाली जालंधर वेस्ट सीट में आम आदमी पार्टी की जीत हुई है। यहां भी पिछले दो साल से ज्यादा वक्त से 'आप' की सरकार है। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने क्लीन स्वीप किया है। यहां टीएमसी सभी चारों सीटें जीत गई है। हालांकि, उत्तराखंड में बीजेपी की सरकार होने के बाद भी कांग्रेस दोनों सीटों पर जीत हासिल करने में कामयाब हुई है। उधर, हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार है और यहां की तीन सीटों में कांग्रेस ने दो और बीजेपी ने एक पर जीत दर्ज की है। बिहार की बात करें तो रुपौली विधानसभा में निर्दलीय उम्मीदवार शंकर सिंह ने आरजेडी और जेडीयू के उम्मीदवारों को हराते हुए बड़ी जीत हासिल की।

यूट्यूबर ध्रुव राठी...

एक रिश्तेदार की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई। इसे लेकर पुलिस ने राठी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं और आईटी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। जब यह बताया गया कि कथित फर्जी संदेश राठी ने नहीं किया बल्कि एक पैरोडी अकाउंट से पोस्ट किया गया, तो अधिकारी ने कहा कि हम मामले की जांच कर रहे हैं।

आपत्तिजनक पोस्ट को यूजर्स ने हटाया: पैरोडी अकाउंट से शनिवार को एक और पोस्ट की गई, जिसमें लिखा है, 'मैंने अंजलि बिरला के बारे में अपने सभी पोस्ट को हटा दिया है। मैं माफी मांगता हूं क्योंकि मुझे तथ्यों के बारे में पता नहीं था। मैंने किसी और के ट्वीट की नकल करके इसे साझा किया था।

आईएएस पूजा...

की कोशिश की, उन्होंने अन्य किसानों को भी धमकाने का प्रयास किया। किसान ने बताया कि मनोरमा खेडकर कई सुरक्षाकर्मियों के साथ उनके प्लॉट पर पहुंची और हाथ में हथियार लेकर हमें धमकाना शुरू कर दिया। इससे पहले 2023 बैच की आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर पर आरोप लगे है कि उन्होंने खुद को ओबीसी नॉन क्रीमी लेयर वर्ग से बताकर यूपीएससी में चयन हासिल किया। साथ ही उन पर आरोप है कि उन्होंने मानसिक रूप से दिव्यांग होने का दावा किया, लेकिन कई बार बुलाने के बावजूद मेडिकल जांच में शामिल नहीं हुईं। बीते दिनों वीआईपी ट्रीटमेंट की मांग को लेकर वह विवादों में घिरीं थी। जिसके बाद उनका पुणे से वाशिम तबादला कर दिया गया है।

अनंत और राधिका को...

शाहरुख खान उनकी पत्नी गौरी खान और बेटी सुहाना नजरआए। काजल अग्रवाल अपने पति गौतम किचलू के साथ फंक्शन में शामिल होने के लिए पहुंचीं। द्वारका पीठ के शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती और ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, योग गुरु बाबा रामदेव भी पहुंचे। इंडिया की बॉक्सिंग क्वीन मैरी कॉम भी फंक्शन में शरीक हुईं। यहां पहुंचते ही उन्होंने हाथ जोड़कर सबका अभिवादन किया।

लोकसभा चुनाव...

ए... बालक बुद्धि हिन्दुत्व को आप क्या जानो! एकम सद्विप्रा बहुधा वदन्ति हिन्दुत्व है। सत्य एक है विद्वान उसे अलग-अलग तरीके से कहते हैं। आत्मवत सर्वभूतेषु हिन्दुत्व है। जियो और जीने दो हिन्दुत्व है। शिवराज ने कहा कि यह मेरा है, ये तेरा है ये सोच छोटे दिल वालों की होती है जो विशाल हृदय के होते हैं वो कहते हैं सारी दुनिया ही एक परिवार है। ये हिन्दुत्व है।

विपक्ष बताए क्या...

39वां संविधान संशोधन करके सरकार के किसी भी निर्णय पर न्यायिक समीक्षा का अधिकार समाप्त कर दिया गया था। छह - संविधान की प्रस्तावना यानी संविधान की आत्मा को बदल दिया गया था। सात - देश से ऊपर एक नेता को कर दिया गया था। इंदिरा इज इंडिया कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के इन 7 कृत्यों के जवाब आज हमें चाहिए त्रिवेदी ने विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आज, शिव सेना के एक नेता, संजय राउत ने कहा कि आपातकाल की घोषणा आवश्यक थी क्योंकि अराजकता फैल रही थी। मैं इंडी ब्लॉक के नेताओं से पूछना चाहता हूं कि क्या जेपी नारायण के नेतृत्व में किया गया संघर्ष अराजकतापूर्ण था? मैं लालू प्रसाद यादव जी से और अखिलेश यादव से पूछना चाहता हूं कि क्या उनके पिता मुलायम सिंह अराजक का हिस्सा थे?

महत्वपूर्ण सूचना

कांवड़ मेला – 2024 के लिए विशेष व्यवस्था (22.07.2024 से 19.08.2024)

कांवड़ मेला–2024 के दौरान कांवड़ियों की सुविधा के लिए उत्तर रेलवे द्वारा कुछ नामित रेल सेवाओं को हरिद्वार तक विस्तार करने, कांवड़ विशेष रेलगाड़ियों का संचालन करने और वर्तमान में संचालित की जा रही, कुछ रेलगाड़ियों को अस्थायी ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है, जिनका विवरण निम्नानुसार है:–

रेलगाड़ी संख्या 04465/04466 दिल्ली–शामली–दिल्ली डीईएमयू का हरिद्वार तक विस्तार

रेलगाड़ी सं. 04465 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04466 आगमन	प्रस्थान
–	20:00	दिल्ली	09:25	–
22:50	22:55	शामली	06:25	06:30
23:20	23:22	थाना भवन टाउन	05:25	05:27
23:44	23:46	रामपुर मनिहारान	05:02	05:04
00:15	00:17	टपरी	04:46	04:48
00:56	00:58	रूड़की	04:17	04:19
01:38	01:40	ज्वालापुर	03:15	03:17
01:55	–	हरिद्वार	--	03:05

चलने की तिथि: 04465 दिल्ली से 21.07.2024 से 03.08.2024 और 04466 हरिद्वार से दिनांक 22.07.2024 से 04.08.2024 तक।
स्थान : सामान्य।

रेलगाड़ी संख्या 04403/04404 दिल्ली–सहारनपुर–दिल्ली एमईएमयू का हरिद्वार तक विस्तार

रेलगाड़ी सं. 04403 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04404 आगमन	प्रस्थान
–	16:25	दिल्ली	08.45	–
20:50	21:10	सहारनपुर	03:40	04:20
21:48	21:50	रूड़की	02:53	02:55
22:25	22:27	ज्वालापुर	02:10	02:12
22:50	–	हरिद्वार	--	02:00

चलने की तिथि: 04403 दिल्ली से 22.07.2024 से 03.08.2024 और 04404 हरिद्वार से दिनांक 23.07.2024 से 04.08.2024 तक।
स्थान : सामान्य।

मेला विशेष रेलगाड़ियों का निम्न समय सारणी के अनुसार संचालन

रेलगाड़ी संख्या 04322/04321 मुरादाबाद–लक्सर–मुरादाबाद मेला विशेष रेलगाड़ी

रेलगाड़ी सं. 04322 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04321 आगमन	प्रस्थान
07:15	–	लक्सर	–	12:00
–	04:15	मुरादाबाद	15:15	--

चलने की तिथि: 04322 मुरादाबाद से और 04321 लक्सर से दिनांक 22.07.2024 से 19.08.2024 तक।
स्थान : सामान्य।
ठहराव : बालावाली, मुअज्ज़मपुर नारायण, नजीबाबाद, नगीना, धामपुर, स्योहारा और कांठ स्टेशन।

रेलगाड़ी संख्या 04324/04323 हरिद्वार–दिल्ली–हरिद्वार मेला विशेष रेलगाड़ी

रेलगाड़ी सं. 04324 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04323 आगमन	प्रस्थान
–	15:45	हरिद्वार	04:25	–
20:50	–	दिल्ली	–	22:00

चलने की तिथि: 04324 हरिद्वार से और 04323 दिल्ली से दिनांक 29.07.2024 से 02.08.2024 तक।
स्थान : सामान्य।
ठहराव: ज्वालापुर, रुड़की, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ सिटी और गाजियाबाद स्टेशन।

रेलगाड़ी संख्या 04330/04329 योग नगर ऋषिकेश–दिल्ली–योग नगर ऋषिकेश मेला विशेष रेलगाड़ी

रेलगाड़ी सं. 04330 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04329 आगमन	प्रस्थान
–	20:35	योग नगरी ऋषिकेश	11:00	–
04:15	–	दिल्ली	–	04:45

चलने की तिथि: 04330 योग नगरी ऋषिकेश से और 04329 दिल्ली से दिनांक 29.07.2024 से 02.08.2024 तक।
स्थान : सामान्य।
ठहराव : रायवाला, मोतीचूर, हरिद्वार, ज्वालापुर, रुड़की, सहारनपुर, शामली और दिल्ली शाहदरा स्टेशन।

रेलगाड़ी संख्या 04372/04371 योग नगर ऋषिकेश–लखनऊ–योग नगर ऋषिकेश मेला विशेष रेलगाड़ी

रेलगाड़ी सं. 04372 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04371 आगमन	प्रस्थान
–	20:35	योग नगरी ऋषिकेश	23:00	–
11:15	–	लखनऊ	–	11:45

चलने की तिथि: 04372 योग नगरी ऋषिकेश से और 04371 लखनऊ से दिनांक 06.08.2024 से 19.08.2024 तक।
स्थान : सामान्य।
ठहराव : रायवाला, मोतीचूर, हरिद्वार, ज्वालापुर, लक्सर, बालावाली, मुअज्ज़मपुर नारायण, नजीबाबाद, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली और शाहजहांपुर स्टेशन।

रेलगाड़ी संख्या 04370/04369 योग नगर ऋषिकेश–बरेली–योग नगर ऋषिकेश मेला विशेष रेलगाड़ी

रेलगाड़ी सं. 04370 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04369 आगमन	प्रस्थान
–	20:35	योग नगरी ऋषिकेश	23:00	–
05:15	–	बरेली	–	15:50

चलने की तिथि: 04370 योग नगरी ऋषिकेश से और 04369 बरेली से दिनांक 03.08.2024 से 05.08.2024 तक।
स्थान : सामान्य।
ठहराव : रायवाला, मोतीचूर, हरिद्वार, ज्वालापुर, लक्सर, बालावाली, मुअज्ज़मपुर नारायण, नजीबाबाद, मुरादाबाद और रामपुर स्टेशन।

दिनांक 22.07.2024 से 03.08.2024 तक रेलगाड़ियों का अस्थाई ठहराव

रेलगाड़ी संख्या एवं नाम	फ्रीक्वेंसी	अस्थाई ठहराव	समय–सारणी आगमन	प्रस्थान
14113 सुबेदारगंज – देहरादून एक्सप्रेस	प्रतिदिन	ज्वालापुर	10:43	10:45
		मोतीचूर	11:04	11:06
		रायवाला	11:14	11:16
14114 देहरादून – सुबेदारगंज एक्सप्रेस	प्रतिदिन	रायवाला	14:15	14:17
		मोतीचूर	14:34	14:36
		ज्वालापुर	15:15	15:17
14309 उज्जैन – देहरादून एक्सप्रेस	सप्ताह मे दो दिन	ज्वालापुर	15:53	15:55
		मोतीचूर	17:00	17:02
		रायवाला	17:35	17:37
14310 देहरादून – उज्जैन एक्सप्रेस	सप्ताह मे दो दिन	रायवाला	07:08	07:10
		मोतीचूर	07:24	07:26
		ज्वालापुर	07:52	07:54
14317 इन्दौर – देहरादून एक्सप्रेस	सप्ताह मे दो दिन	ज्वालापुर	15:53	15:55
		मोतीचूर	17:00	17:02
		रायवाला	17:35	17:37
14318 देहरादून – इन्दौर एक्सप्रेस	सप्ताह मे दो दिन	रायवाला	07:08	07:10
		मोतीचूर	07:24	07:26
		ज्वालापुर	07:52	07:54
19565 ओखा – देहरादून एक्सप्रेस	साप्ताहिक	ज्वालापुर	15:53	15:55
		मोतीचूर	17:00	17:02
		रायवाला	17:35	17:37
19566 देहरादून – ओखा एक्सप्रेस	साप्ताहिक	रायवाला	07:08	07:10
		मोतीचूर	07:24	07:26
		ज्वालापुर	07:52	07:54
22659 कोच्चुवेली – योग नगरी ऋषिकेश सुपरफास्ट एक्सप्रेस	साप्ताहिक	ज्वालापुर	12:08	12:10
		मोतीचूर	12:45	12:47
		रायवाला	13:00	13:02
22660 योग नगरी ऋषिकेश – कोच्चुवेली सुपरफास्ट एक्सप्रेस	साप्ताहिक	रायवाला	07:08	07:10
		मोतीचूर	07:24	07:26
		ज्वालापुर	07:52	07:54
14610 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा – योग नगरी ऋषिकेश हेमकुण्ड एक्सप्रेस	प्रतिदिन	ज्वालापुर	06:48	06:50
		मोतीचूर	07:20	07:22
14609 योग नगरी ऋषिकेश – श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा हेमकुण्ड एक्सप्रेस	प्रतिदिन	ज्वालापुर	18:31	18:33

दिनांक 22.07.2024 से 19.08.2024 तक रेलगाड़ी का अस्थाई ठहराव

04303 बरेली–दिल्ली स्पेशल एक्सप्रेस	प्रतिदिन	कांकाठेर	23:36	23:38
04304 दिल्ली–बरेली स्पेशल एक्सप्रेस	प्रतिदिन	कांकाठेर	02:40	02:42

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139
रेलमदद वेबसाइट देखें:– www.railmadad.indianrailways.gov.in
रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

पर हमें फॉलो करें | आज़ादी का अमृत महोत्सव
उत्तर रेलवे सदैव आपकी सेवा में
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
2143/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ अण्णा आंदोलन की कोख से निकली आम आदमी पार्टी व्यवस्था परिवर्तन और नई क़िस्म की राजनीति करने के वादे के साथ सत्ता में आई थी। देशभर में लोगों को उम्मीद बंधी थी कि भारतीय राजनीति में एक मौलिक बदलाव आएगा, लेकिन 12 साल में ही पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ही कदाचार के आरोपों में घिरे हैं। उन्हें अंतरिम जमानत की बुनियादी शर्त भी बेहद कठोर और विरोधाभासी है। जेल से बाहर आने के बावजूद केजरीवाल मुख्यमंत्री दफ्तर और सचिवालय नहीं जा पाएंगे। मुख्यमंत्री होने के बावजूद वह मुख्यमंत्री के दायित्व नहीं निभा सकेंगे। उपराज्यपाल की अनुमति या आग्रह के बिना किसी भी सरकारी फाइल पर हस्ताक्षर नहीं कर सकेंगे। क्या निर्वाचित मुख्यमंत्री के लिए ऐसी पाबंदियां और शर्तें व्यावहारिक और लोकतांत्रिक हैं? क्या केजरीवाल ने वैकल्पिक राजनीति में कदम रखते हुए ऐसी ही नियति की कल्पना की होगी? सर्वोच्च अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के धनशोधन वाले मामले में अंतरिम जमानत दी है, लेकिन ईडी को भी उसकी शक्तियों के बारे में सबक सिखाया है। पीठ ने कहा है कि पीएमएलए की धारा 19 के तहत गिरफ्तारी का आधार केवल जांच नहीं हो सकता है। ईडी धनशोधन मामलों में गिरफ्तारी के लिए एक समान नीति बनाए। इसी विषय पर आजकल का यह अंक..

राहत के बाद भी केजरीवाल 'मुक्त' नहीं

विश्लेषण

सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देकर 'आधी राहत' दी है, क्योंकि सीबीआई के भ्रष्टाचार वाले केस में वे अभी तिहाड़ जेल से 'मुक्त' नहीं हुए हैं। सर्वोच्च अदालत में यह केस अब तीन न्यायाधीशों की पीठ सुनेगी। अब देर-सवेर केजरीवाल जेल से बाहर आ सकते हैं, क्योंकि 90 दिन की जेल के बाद, जीने और मुक्ति के अधिकार के तहत, सर्वोच्च अदालत ने केजरीवाल को अंतरिम जमानत दी है। जब तक बड़ी पीठ सुनवाई करेगी, यह अंतरिम जमानत जारी रहेगी। दुर्लभ और अपवाद के मामले होते हैं, जब यह अंतरिम जमानत निरस्त कर दी जाए। बहरहाल नियमित जमानत अब भी दिल्ली उच्च न्यायालय के विचाराधीन है।

सर्वोच्च अदालत ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देकर 'आधी राहत' दी है, क्योंकि सीबीआई के भ्रष्टाचार वाले केस में वे अभी तिहाड़ जेल से 'मुक्त' नहीं हुए हैं। विशेष अदालत ने केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 25 जुलाई तक बढ़ा दी है। सर्वोच्च अदालत में यह केस अब तीन न्यायाधीशों की पीठ सुनेगी। वह कुछ और मुद्दों पर भी अदालत का अभिमत स्पष्ट करेगी। अब देर-सवेर केजरीवाल जेल से बाहर आ सकते हैं, क्योंकि 90 दिन की जेल के बाद, जीने और मुक्ति के अधिकार के तहत, सर्वोच्च अदालत ने केजरीवाल को अंतरिम जमानत दी है। जब तक बड़ी पीठ सुनवाई करेगी, यह अंतरिम जमानत जारी रहेगी। दुर्लभ और अपवाद के मामले होते हैं, जब यह अंतरिम जमानत निरस्त कर दी जाए। बहरहाल, नियमित जमानत अब भी दिल्ली उच्च न्यायालय के पास विचाराधीन है। दरअसल अंतरिम जमानत की बुनियादी शर्त बेहद कठोर और विरोधाभासी है। जेल से बाहर आने के बावजूद केजरीवाल मुख्यमंत्री दफ्तर और सचिवालय नहीं जा पाएंगे। मुख्यमंत्री होने के बावजूद वह मुख्यमंत्री के दायित्व नहीं निभा सकेंगे। उपराज्यपाल की अनुमति या आग्रह के बिना किसी भी सरकारी फाइल पर हस्ताक्षर नहीं कर सकेंगे। क्या निर्वाचित मुख्यमंत्री के लिए ऐसी पाबंदियां और शर्तें व्यावहारिक और लोकतांत्रिक हैं? क्या केजरीवाल ने वैकल्पिक राजनीति में कदम रखते हुए ऐसी ही नियति की कल्पना की थी? कई ऐसी बंदिशें हैं, जो पेशेवर आरोपितों पर लगाई जाती हैं और केजरीवाल पर भी चस्पा की गई हैं। अब केजरीवाल को खुद सोचना चाहिए कि क्या बराए नाम ही मुख्यमंत्री रहना राजनीतिक नैतिकता है? शीर्ष अदालत की न्यायिक पीठ ने तो उन्हें संकेत दे दिए हैं।

ईडी को सबक सिखाया

सर्वोच्च अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के धनशोधन वाले मामले में अंतरिम जमानत दी है, लेकिन ईडी को उसकी शक्तियों के बारे में सबक सिखाया है। पीठ ने कहा है कि पीएमएलए की धारा 19 के तहत गिरफ्तारी का आधार केवल जांच नहीं हो सकता है। ईडी धनशोधन मामलों में गिरफ्तारी के लिए एक समान नीति बनाए। पीएमएलए में गिरफ्तारी की अनिवार्यता अथवा इसकी जरूरत की व्याख्या के लिए यह मामला तीन न्यायाधीशों की पीठ को भेजा गया है। दूसरी ओर ईडी ने शराब घोटाले में ही विशेष अदालत में आरोप-पत्र दाखिल किया है। केजरीवाल को घोटाले का 'साजिशकार' बताते हुए आरोपित बनाया गया है, लेकिन आम आदमी पार्टी (आप) देश की पहली राजनीतिक राष्ट्रीय पार्टी बन गई है, जिसे आरोप-पत्र में 'आरोपी नंबर 38' बनाया गया है। केजरीवाल 'आरोपी नंबर 37' हैं। केजरीवाल को इस विरोधाभास से भी निपटना पड़ेगा। अब 'आप' के खिलाफ भी अदालत में मुकदमा चलेगा। यदि 'आप' अपराध में दंडित की जाती है, तो चुनाव आयोग उसकी मान्यता भी रद कर सकता है। पराकाष्ठा की यह स्थिति करीब 12 साल में ही आ गई, क्योंकि 'आप' की स्थापना नवम्बर, 2012 में की गई थी। 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अर्थात पार्टी प्रमुख एवं मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल फिलहाल जेल में हैं। उनकी कैबिनेट में उपमुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया और स्वास्थ्य मंत्री रहे सत्येन्द्र जैन लंबे वक्त से तिहाड़ जेल में ही हैं। उनके खिलाफ भी धनशोधन के मामले हैं। संदर्भ दिल्ली में नई शराब नीति की आड़ में 100 करोड़ रुपये की घूस और घोटाले का है। अब ट्रायल विशेष अदालत में ही चलेगा। अलबत्ता केजरीवाल जमानत के खोल में ही रहेंगे।

शुचिता के दावों पर संशय

विडंबना है कि जिस पार्टी की स्थापना भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से हुई थी और जो आज तक 'कट्टर ईमानदारी' और शुचिता के दावे करती है, उस पार्टी का अस्तित्व भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के कारण संकट में पड़ गया है। मैंने 2012 के उस दौर मेंअण्णा हजारे के आंदोलन और अनशन को लगातार देखा है। उस आंदोलन में केजरीवाल के अलावा कई और प्रमुख चेहरे भी होते थे, जो आज 'आप' में नहीं हैं और केजरीवाल की राजनीति के भी विरोधी हैं। अण्णा को भनक तक नहीं थी कि केजरीवाल के भीतर राजनीतिक पार्टी बनाने और राजनीति में कूदने की महत्वाकांक्षा उफान पर है। तब भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन, लोकपाल और भ्रष्ट नेताओं को जेल में डालने के फतवों ने आम नौजवान को इनका समर्थक बनाया। अण्णा अनशन समाप्त कर महाराष्ट्र लौट चुके थे और केजरीवाल ने भ्रष्ट नेताओं की एक सूची को लेकर प्रलाप शुरू किया। अंततः 26 नवम्बर, 2012 को 'आप' की स्थापना की गई और फरवरी, 2013 के दिल्ली के चुनाव में इतनी सीटें जीत ली गईं कि केजरी के ही शब्दों में कथित 'भ्रष्ट कांग्रेस' के समर्थन से ही आप ने पहली सरकार बनाई। सरकार 49 दिन चली और केजरीवाल ने इस्तीफा दे दिया। 2015 और 2020 में भरपूर और एकतरफा जनादेश 'आप' के पक्ष में रहे, नतीजतन दिल्ली में एक वर्ग 'आप' का वोट बैंक बन गया। उसे बिजली मुफ्त मिल रही थी। पानी भी लगभग मुफ्त था। कई और योजनाएं शुरू की गईं, जिनके आधार पर 'आप' एक मजबूत पार्टी बनी। 2022 में पंजाब में भी एकतरफा जनादेश मिला। आप को अपनी बिजली, पानी, स्कूल और अस्पताल की सियासत पर भरोसा होने लगा।

प्रलाप स्वीकार नहीं

बहरहाल अब 'आप' पर खतरा मंडरा रहा है और 'आप' के बड़े नेता जेल में हैं, तो साफ है कि आरोप के शक्ल में ही सही, पर कुछ तो गड़बड़ और काले कारनामे जरूर किए गए हैं, जो नेता कटघरे में हैं। इसे प्रधानमंत्री मोदी की सरकार की साजिश और भाजपा का सियासी खुन्नस करार देते रहना बेमानी है। जांच एजेंसियां प्रधानमंत्री के तहत ही काम करती हैं, यह देश के संविधान और कानून में स्पष्ट है, लेकिन प्रधानमंत्री ही किसी मुख्यमंत्री को जेल में डलवा दे, इस प्रलाप को स्वीकार नहीं किया जा सकता। दिल्ली को छोड़कर देश भर में 'आप' भाजपा के लिए चुनौती नहीं है। फिर केजरीवाल से डरने के जुमले के मायने क्या हैं? 'आप' के प्रवक्ता और नेता चुनावी बॉन्ड का प्रलाप करते हुए आरोप-पत्र को खारिज नहीं कर सकते। अब अदालती ट्रायल ही अंतिम निष्कर्ष देगा। बुनियादी आरोप 45 करोड़ रुपये की घूस का है, जो राशि हवाला के जरिये, गोवा चुनाव के दौरान, भेजी गई थी। हवाला कारोबारियों का जुड़ाव 'आप' और केजरीवाल से बताया जा रहा है। जिन चुनावी प्रत्याशियों को नकद पैसा दिया गया, उनके नाम, बयान और ब्योरे भी ईडी ने दर्ज किए हैं। ईडी के मुताबिक, 'आप' भी ऐसी आपराधिक आय से लाभान्वित हुई थी। अब सवाल है कि धनशोधन वाले कानून के दायरे में क्या राजनीतिक पार्टी भी आती है? उस पर केस कैसे चलेगा? क्या पार्टी के प्रमुख प्रभारियों पर ही केस चलेगा? आरोप-पत्र के मुताबिक, पीएमएलए की धारा-70 के तहत 'आप' 45 करोड़ रुपये की आपराधिक आय की लाभार्थी है। केजरीवाल को भी इस आपराधिक आय की जानकारी थी। धारा-3 में 'आप' को भी धनशोधन के अपराध की दोषी माना गया है। धारा-70 में यह स्पष्ट उल्लेख है कि जो कंपनी (या पार्टी) का इंचार्ज होगा, उसे ही 'अपराधी' माना जाएगा। कानून में कंपनी की जो परिभाषा है, वह 'आप' पर भी लागू होती है। मुख्यमंत्री एवं 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ही 'जिम्मेदार प्रभारी' हैं अथवा वित्तीय मामलों का प्रभार किसी और नेता को दिया हुआ था? यह कोर्ट में साबित करना होगा।

केजरी व आप की राजनीति दांव पर

बहरहाल केजरीवाल एवं समूह की राजनीति दांव पर है। फरवरी, 2025 से पहले दिल्ली में विधानसभा चुनाव हैं। दिल्ली में 'आप' और केजरीवाल के प्रति गुस्सा और मोहभंग के भाव महसूस किए जा सकते हैं। इस बार लोकसभा में भाजपा ने सभी सात सीटें जीती हैं, कांग्रेस व आप का गठबंधन भी काम नहीं आया। केजरीवाल अपनी कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं और दिल्ली बेसहारा छोड़ दी गई है। चिलचिलाती गर्मियों में जिस तरह पानी का संकट आम आदमी ने झेला है। बिजली के बिलों में गड़बड़ी सामने आई है। दिल्ली में सड़कों और नालियों के काम ठप हैं, यह बरसात के मौसम ने साबित कर दिया। मुहल्ला क्लीनिक भ्रष्टाचार और लापरवाही के अड्डे बन गए हैं और सरकारी अस्पताल भेड़-बकरियों की तरह भरे पड़े हैं, दवाएं उपलब्ध नहीं हैं, डॉक्टर परवाह नहीं करते, सरकार दावा करती है कि चिकित्सा मुफ्त है। राजनीतिक तौर पर देखें, तो 'आप' और कांग्रेस का गठबंधन टूट चुका है और भाजपा ने सातों लोकसभा सीट जीती हैं। केजरीवाल ने भी प्रचार किया था। सर्वोच्च अदालत ने उन्हें विशेष जमानत पर रिहा किया था, लेकिन वह भी 'आप' का एक भी उम्मीदवार जितवा नहीं पाए। संदेश साफ है, दिल्ली की जनता से केजरीवाल सहानुभूति भी नहीं हासिल कर पाए। उपराज्यपाल बनाम राज्य सरकार के मामले में सर्वोच्च अदालत भी कोई निर्णायक फैसला नहीं सुना सकी। सरकार में प्रत्येक स्तर पर अराजकता है। अधिकारी मंत्रियों की बात तक नहीं सुनते। मुख्य सचिव सरकार के खिलाफ ही रपटें उपराज्यपाल को देते हैं, जिनके आधार पर जांच बिठाई जाती है। दिल्ली में कई विभाग ऐसे हैं, जिनके कर्मचारी अपनी नौकरी की बहाली अथवा वेतन के लिए सड़कों पर संघर्ष कर रहे हैं। यदि केजरीवाल मुख्यमंत्री के तौर पर काम ही नहीं कर सकेंगे, तो वह कैबिनेट की बैठक भी नहीं बुला सकते। यदि कैबिनेट की बैठक नहीं होगी, तो फैसले कैसे लिए जाएंगे? अगले चुनाव के मद्देनजर किस फ्रीबिज का ऐलान कर सकेंगे केजरीवाल? 'आप' बिखराव की स्थिति में आ गई है। उसकी सरकार में मंत्री रहे, विधायक रहे और कार्यकर्ताओं की फौज पार्टी छोड़ कर भाजपा में गए हैं। केजरीवाल के सामने 'मुक्त' होने और आरोपों से निजात पाने की ही चिन्ता नहीं है, बल्कि उन्हें नये सिरे से पार्टी को भी एकजुट करना पड़ेगा। अगला विधानसभा चुनाव केजरीवाल व आम आदमी पार्टी की राजनीति का भविष्य निर्धारण करेगा। फिलहाल केजरीवाल व उनके नेता जेल से तो बाहर आएं।

आम आदमी पार्टी का अस्तित्व दांव पर

सियासी संकट

रवि शंकर
वरिष्ठ पत्रकार

वर्ष 2012 में अण्णा आंदोलन से निकली आम आदमी पार्टी व्यवस्था परिवर्तन और नई क़िस्म की राजनीति करने के वादे के साथ आई थी। देशभर में लोगों को उम्मीद बंधी थी कि भारतीय राजनीति में एक मौलिक बदलाव आएगा, लेकिन अब अरविंद केजरीवाल वही कर रहे हैं, जो बाक़ी राजनीतिक दल करते हैं। ये पार्टी भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ हुए आंदोलन से निकली थी, इसलिए लगा था कि इस पार्टी का मूल या केंद्रीय विषय भ्रष्टाचार के ख़िलाफ लड़ाई होगा, लेकिन अब ये पार्टी भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बात नहीं करती है। शुरूआती दौर में भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी आक्रामक थी। एक वक्त केजरीवाल लिस्ट जारी करते थे कि देश में कौन-कौन से भ्रष्ट नेता हैं, लेकिन पिछले 12 साल में उन्होंने भ्रष्टाचार पर कोई बात नहीं की। भ्रष्टाचार अब उनके लिए मुद्दा नहीं रह गया है। पहले इन्होंने कहा कि पूर्ण बहुमत मिलने पर जन लोकपाल क़ानून लाएंगे, लेकिन आज तक वो हो नहीं सका। उल्टा अरविंद केजरीवाल सहित आम आदमी पार्टी के कई नेताओं पर भ्रष्टाचार समेत कई तरह के आरोप लगे।

मकसद कमज़ोर हुआ

बहरहाल, पार्टी के गठन के करीब 12 साल हो चुके हैं। इस दरम्यान आप ने 12 साल में दो राज्यों यानी दिल्ली और पंजाब में सरकार बनाई तो वहीं गुजरात और गोवा में भी पार्टी के विधायक चुने गए। बहुत ही कम समय में आम आदमी पार्टी ने नेशनल पार्टी का दर्जा हासिल कर लिया, लेकिन जिस मकसद के साथ पार्टी का जन्म हुआ था, वह कमज़ोर हुआ है। जितनी तेजी से पार्टी आगे बढ़ी, उतनी ही तेजी से वह विवादों में घिरती भी चली गई। बेशक पार्टी के रूप में उनकी कई उपलब्धियां हैं। फिर भी आम आदमी पार्टी से पूरे देश को एक उम्मीद बंधी थी कि राष्ट्रीय स्तर पर कुछ बदलाव होगा। वैसा तो नहीं हुआ, लेकिन इसका असर ये ज़रूर हुआ कि भ्रष्टाचार के खिलाफ इस आंदोलन के बाद जो पार्टी (बीजेपी) केंद्र में कभी अपने बूते सत्ता में नहीं आई थी, वह भारी बहुमत से सत्ता में आ गई।

कथनी-करनी में फर्क

ये पार्टी शुरू में ही कहती थी कि हम ना तो कभी कांग्रेस के साथ जाएंगे, ना बीजेपी के साथ जाएंगे। इसका मतलब था कि ये पार्टी जो परंपरागत राजनीति है उनके साथ जाने को तैयार नहीं है। इन्होंने कांग्रेस के नेताओं और बीजेपी के नेताओं पर कई तरह के आरोप भी लगाए थे। कई नेताओं की लिस्ट जारी कर उन्हें भ्रष्ट क़रार दिया गया, लेकिन कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार भी बनाई और लोक सभा में गठबंधन भी किया। इतना ही नहीं बीजेपी को मिलकर हराने की बात करने वाले विपक्षी पार्टियों के साथ मंच साझा करते हुए भी केजरीवाल को देखा गया है।

भ्रष्टाचार के आरोप में ही घिरे

बहरहाल, भ्रष्टाचार के आरोप में आज खुद अरविंद केजरीवाल जेल में हैं। उनसे पहले पार्टी के कई बड़े नेता भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में बंद हैं। ऐसे में अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। वहीं दूसरी तरफ

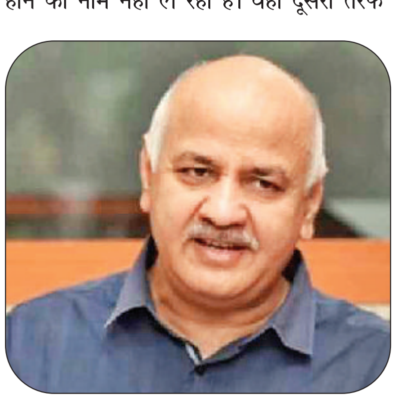

आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले उनकी पार्टी के कई नेता अपने शीर्ष नेता पर गंभीर आरोप लगा कर पार्टी से अलग हो रहे हैं। ऐसे में अब पार्टी के अस्तित्व पर भी संकट आ गया है। लोकसभा चुनावों में बुरी तरह हारने के बाद अब सहयोगी दल कांग्रेस का भी साथ छूट चुका है। स्वाभाविक है दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी में भगदड़ मचना तय है, क्योंकि आम आदमी पार्टी अरविंद केजरीवाल से शुरू होकर अरविंद केजरीवाल पर ही खत्म हो जाती है। जो भविष्य के नेता हो सकते थे, उनसे या तो अरविंद केजरीवाल ने पीछा छुड़ा लिया या फिर वो खुद अरविंद केजरीवाल को छोड़कर चले गए। जो बचे रह गए उनमें से अधिकांश जेल पहुंच गए हैं, इसलिए इस समय केजरीवाल की गिरफ्तारी के साथ ही आम आदमी पार्टी के सामने नेतृत्व का संकट पैदा हो गया है। कई सवाल पैदा हो गए हैं जिनका जवाब पार्टी को तत्काल खोजना होगा। आम आदमी पार्टी किसी लंबे संघर्ष से निकली जमी जमाई पार्टी नहीं है, इसलिए उसमें टूट की संभावना पैदा हो जाए तो कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। केजरीवाल के जेल जाने से संकट सिर्फ दिल्ली सरकार पर ही नहीं बल्कि समूची आम आदमी पार्टी पर आ गया है, क्योंकि दिल्ली में विधानसभा सभा चुनाव अगले साल होने वाला है। आम आदमी पार्टी दिल्ली में अकेल विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुकी है। यानी कांग्रेस के साथ किसी भी प्रकार के गठबंधन से इनकार कर दिया है। आज भले ही कांग्रेसी नेता केजरीवाल के समर्थन में बयान दे रहे हैं, लेकिन इस गिरफ्तारी का सबसे ज्यादा लाभ कांग्रेस ही उठाने की कोशिश करेगी, क्योंकि कांग्रेस के लिए दिल्ली में केजरीवाल वो बाधा है जिसके दूर हो जाने पर उनके लिए मैदान साफ हो जाता है। वहीं अरविन्द केजरीवाल विहीन आम आदमी पार्टी का विधानसभा चुनाव में कुछ खास हासिल करना मुश्किल ही है। ऐसे में 'आप' के 'आम आदमी' अगर कहीं और ठौर तलाशने निकल जाएं तो भी कोई आश्चर्य नहीं होगा। याद रखिए जनता दल बिखरा था तो उसमें से छोटे छोटे दल निकले थे। आम आदमी पार्टी बिखरी तो उसमें सिर्फ आदमी निकलेंगे जो अपनी सुविधानुसार कहीं और अपना ठिकाना तलाश लेंगे।

बुनियादी मुद्दों से मुंह मोड़ा

बहरहाल, महज़ कुछ सालों में ही अरविंद केजरीवाल ने विशुद्ध व्यावहारिक राजनीति का रुख लेते हुए और अण्णा आंदोलन के पीछे काम कर रहे धुर दक्षिणपंथी ईको सिस्टम के मुताबिक अपनी राजनीति को सेवा-सुविधा आधारित बना लिया और देश के उन बुनियादी मुद्दों से न केवल मुंह ही मोड़ा बल्कि उन्हें हवा देने के लिए एक ऐसे विपक्ष का रूप भी धारण कर लिया जो पक्ष-विपक्ष के कांग्रेस मुक्त भारत के कतई अलोकतांत्रिक, लेकिन साझा सपने के अनुकूल हो, इसलिए आम आदमी पार्टी की सबसे बड़ी दुविधा ये है कि वे किस मुंह से राज्य के लोगों के साथ नए वादे करे। क्योंकि कई पुराने वादे अभी तक पार्टी पूरी नहीं कर सकी।

विस चुनाव में आप की परीक्षा

बहरहाल, अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का देश समाज पर कोई असर हो न हो, आम आदमी पार्टी के अस्तित्व पर बहुत गहरा असर होने वाला है। ये भी संभव है कि जब यह राजनीतिक बवंडर खत्म हो तब पता चले कि जो अंधड़ आया था, वह अपने साथ उस पार्टी को ही उड़ाकर ले गया जो संयोग से एक दशक पहले आंदोलन की आंधी से ही पैदा हुई थी। अगले साल दिल्ली में विधानसभा चुनाव हैं और देखना होगा कि नेता के तौर पर अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी आम आदमी पार्टी फिर से अपना करिश्मा तिहरा पाते हैं या नहीं?भ्रष्टाचार के खिलाफ की राजनीति का भ्रष्टाचार के आरोप में ही घिर जाना किसी विडंबना से कम नहीं है, आप का यही संकट है।

...आखिर कैसे चले दिल्ली सरकार

दो टूक

योगेश कुमार सोनी
वरिष्ठ पत्रकार

दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को बीते शुक्रवार को शीर्ष अदालत ने आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में बड़ी राहत दी है, लेकिन अंतरिम जमानत के बाद भी सीएम केजरीवाल को सीबीआई से राहत नही हैं और उन्हें जेल में ही रहना होगा, चूंकि इस मामले में सीबीआई में भी केस अलग से चल रहा है। इसके अलावा दिल्ली सरकार के मुख्य सिपहसालारों में से एक पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी लंबे समय से जेल में है। संजय सिंह, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन भी जेल में रह चुके और जिस वजह से पार्टी में उनकी सक्रियता उतनी नहीं है जैसे पहले थी। सतेन्द्र जैन के विषय में बात करें तो वह भी लंबे समय जेल में रहे और बाहर आते ही मानो उन्होंने राजनीति से संन्यास ले लिया हो। इसके अलावा स्वातिमाल से अरविंद केजरीवाल के घर पर जो मारपीट वाला कांड हुआ था उससे पार्टी ने स्वाति को बिल्कुल बैकफुट पर लाकर खड़ा कर दिया। इन सारे मामलों के चलते आम आदमी पार्टी का अस्तित्व पूर्ण रूप से खतरे में आ गया जिसकी वजह से दिल्ली सरकार के अंतर्गत आने वाले विभाग ठीक ढंग से संचालित नहीं हो रहे।

स्थिति पहले जैसी नहीं

दिल्ली का शिक्षा विभाग जब सिसोदिया के पास था तो उन्होंने शिक्षा मॉडल को सुधारने की हुंकार भरी और इस तर्ज पर पार्टी ने विदेशी मीडिया में सुर्खी बटोरी थी, लेकिन अब शिक्षा समेत तमाम सारे विभागों की स्थिति पहले जैसी बेहतर नहीं रही। स्थिति यह है कि विभाग के सभी अधिकारी व कर्मचारी मनमानी पर उतर आए हैं और जो मॉनिटरिंग होती है व पार्टी के बड़े नेताओं के जेल व उनकी सक्रियता कम होने की वजह से शून्य हो गई। फरवरी 2020 में केजरीवाल द्वारा विभाग छोड़ने के बाद सिसोदिया ही मुख्यमंत्री के पोर्टफोलियो वाले विभाग देख रहे थे। अब थोड़ा और गंभीरता से सोचें तो दिल्ली सरकार के मुख्य सिपहसालार मनीष सिसोदिया एक समय पर पूरी सरकार को संचालित कर रहे थे और जैसा भी सही सरकार को चला रहे थे, लेकिन जब केजरीवाल भी जेल गए तो पार्टी के सामने कई तरह की चुनौतियां आ रही हैं। क्या नए मंत्री उतनी जल्दी चीजों को टेकओवर कर लेंगे जितने बेहतर तरीके से संचालित हो रही थी, स्पष्ट है कि किसी भी नए मंत्री को काम समझने में समय लगेगा।

टाले जा रहे काम

सिसोदिया व केजरीवाल को लंबे समय से काम करते हुए अनुभव हो चुका था। दिल्ली सरकार के जिन सभी विभागों को वह संचालित कर रहे थे उन सब में उनको महारत हासिल हो चुकी थी। जैसा कि सिसोदिया के पास दिल्ली सरकार के अहम विभाग थे जिनमें सक्रियता हमेशा अधिक बनी रहती थी, लेकिन अब हालात यह है कि जलभराव, शिक्षा के संबंधित के अलावा किसी विभाग में यदि कोई शिकायत यह किसी भी प्रकार का काम कराने हेतु कोई चिठ्ठी दी जाए तो उस पर कोई भी प्रतिक्रिया नहीं हो रही। यदि विभाग में जाकर बात भी की जाए तो अधिकारी केजरीवाल

के जेल जाने का हवाला देकर कहते हैं कि मुख्यमंत्री के बाहर आने के बाद ही काम होगा। अभी निवारण की प्रतीक्षा करनी होगी।

कार्यशैली पर बट्टा

इसके अलावा पार्टी के अन्य नेताओं व समर्थकों का मन भी कमजोर होता जा रहा है, चूंकि बीते लोकसभा चुनाव में कांग्रेस से गठबंधन के बावजूद आम आदमी पार्टी एक भी सीट नहीं जीत पाई, जबकि विधानसभा व निगम के चुनावों में पार्टी का बोलबाला है, लेकिन लोकसभा चुनाव में जैसी कल्पना की थी वह उसके विपरीत निकली। आम आदमी पार्टी लगभग दशकभर के सफर में विकल्प की राजनीति से स्वयं विकल्प बनकर रह गए। नेता व कार्यकर्ता जुड़ने की बजाय टूटने लगे। संकट के समय में बीते चार महीने में चार ऐसे नेता पार्टी छोड़ चुके जो पार्टी से विधानसभा चुनाव जीत चुके। इनमें विधायक, पूर्व विधायक व मंत्री भी शामिल हैं। ज्ञात हो कि मंत्री पद पर रहते हुए राजकुमार आनंद ने पार्टी पर भ्रष्टाचार लगाते हुए इस्तीफा दे दिया था और जब से अब लगातार इस्तीफों का सिलसिला जारी है। बीते एक महीने में पार्टी के एक विधायक व पूर्व विधायक ने भाजपा भी ज्वाइन की जिससे पार्टी की कार्यशैली पर बट्टा लगा। आप जितनी तेजी से हल्ले व शोरगुल के साथ राजनीति में आई थी उतनी ही जल्दी उसका अस्तित्व खतरे में आता दिख रहा है। जब से सरकार बनी तब से अपने हक को लेकर एलजी से लड़ाई लड़ने की बात करते हुए अपने काम को आज तक पूरा नहीं कर पा रही थी कि इतने नेताओं के जेल जाने से संचालन प्रक्रिया बिल्कुल बाधित हो चुकी है।

सबसे अहम सवाल

दिल्ली में बारिश की वजह से जलभराव के कारण लोगों की मौतें तक भी हुईं, जिस पर सब ने प्रतिक्रिया दी लेकिन इस बार काम किसी ने नहीं किया। बीती 29 अप्रैल में दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को शहर के नागरिक निकाय द्वारा संचालित स्कूलों में शिक्षा की स्थिति को लेकर एक याचिका पर सुनवाई की थी जिसमें कोर्ट ने कहा कि सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद दिल्ली सरकार ठहर गई है। दिल्ली जैसी व्यस्त राष्ट्रीय राजधानी में मुख्यमंत्री का पद कोई औपचारिक नहीं है, उन्हें चौबीस घंटे उपलब्ध रहना होता है। उनकी अनुपस्थिति बच्चों को उनकी मुफ्त पाठ्य पुस्तकों, लेखन सामग्री और ड्रेस से वंचित नहीं कर सकती। दिल्ली हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ ने कहा था कि राष्ट्रीय हित और सार्वजनिक हित की मांग है कि इस पद पर रहने वाला कोई भी व्यक्ति लंबे समय तक या अनिश्चित अवधि के लिए संवादहीन या अनुपस्थित न रहे, लेकिन बावजूद इसके न तो दिल्ली के मुख्यमंत्री ने अभी तक इस्तीफा दिया और न ही किसी अन्य विकल्प को लेकर काम करने की योजना बनाई। इस मामले में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मिसाल कायम की। आरोप लगे तो इस्तीफा दिया, कानून का सामना किया, फिर जब अदालत से राहत मिली तो वापस सीएम बन गए। उनके इस कदम से कम से कम झारखंड की विधायी प्रक्रिया न बाधित हुई, न ठप हुई। हेमंत सोरेन भी जमीन से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोप का सामना कर रहे हैं। उन पर लगाए ईडी के आरोपों में अदालत को दम नहीं लगा, और इसलिए राहत मिल गई। दरअसल, देश में पहली बार ऐसा हो रहा है कि सीट पर रहते कोई मुख्यमंत्री जेल गया हो और जेल जाने के बाद भी इस्तीफा न दिया हो। एक मुख्यमंत्री का सत्ताजीवी होना ठीक नहीं है। इसके अलावा यह भी पहली बार हो रहा है कि मनी लांड्रिंग मामले में किसी मौजूदा सरकार के मंत्री गए हो। लेकिन अब सवाल यह है कि आखिर देश की राजधानी कैसे चलेगी और इसके लिए किस तरह के नियम कानून चाहिए होंगे जिससे रफ्तार आगे बढ़े।

भयावह बाढ़ से उत्तर प्रदेश में हालात अति गंभीर

800 गांव घिरे, 6 की मौत और हजारों लोग पलायन को मजबूर

भारी बारिश और नेपाल से छोड़े गए पानी से हाईवे बंद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारी बारिश और नेपाल से छोड़े गए पानी के बाद उत्तर प्रदेश के कई शहरों में अब बाढ़ का असर विकराल हो रहा है। बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा, बलरामपुर, अयोध्या, अंबेडकरनगर, बाराबंकी, सीतापुर के करीब 250 गांव बाढ़ की चपेट में हैं।

लखीमपुर खीरी के 150, शाहजहांपुर के 30, बदायूं के 70, बरेली के 70 और पीलीभीत के करीब 222 गांव की बड़ी आबादी बाढ़ के पानी से घिरी हुई है। बलिया में भी बाढ़ की स्थिति के चलते कुछ घरों के बहने की खबर है।

मेडिकल कॉलेज परिसर में भरा पानी

शाहजहांपुर के राजकीय मेडिकल कॉलेज में बाढ़ का पानी भरने के बाद मरीजों को आसपास के जिन अस्पतालों में शिफ्ट किया गया था, उनमें भी पानी भरने के बाद समस्या विकराल हो गई। शहर के बाहरी हिस्से में बसी आवास विकास कॉलोनी समेत अन्य निचले इलाकों से करीब 10 हजार लोगों ने पलायन किया है। एनडीआरएफ की टीम ने 225 लोगों को बचाया। बाढ़ से एसएस कॉलेज के पुस्तकालय में रखीं सैकड़ों साल पुरानी पांडुलिपियां नष्ट हो गई हैं। खीरी, शाहजहांपुर और बरेली में बाढ़ ने 6 और लोगों की मौत हो गई।

पहाड़ी और पूर्वोत्तर के राज्यों में आफत

इस समय लगभग सारा देश मानसूनी बारिश से भीग रहा है। यह बारिश पहाड़ी और पूर्वोत्तर के राज्यों के नागरिकों के लिए आफत बन गई है। उत्तराखंड के जोशीमठ में भू-स्खलन की वजह से बंद बद्रीनाथ हाइवे 83 घंटे बाद खुल गया है। यहां लगभग 4500 यात्री जगह-जगह फंस गए थे। असम में बाढ़ की स्थिति में सुधार तो हुआ है पर अभी भी 12 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं।

कई राज्यों में मूसलधार बारिश दर्ज

पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, मध्य महाराष्ट्र, तटीय आंध्र प्रदेश, तटीय कर्नाटक, असम और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भी मूसलाधार बारिश रिकॉर्ड की गई है। राजस्थान के नागौर जिले के परबतसार में सबसे अधिक 89 मिलीमीटर और धौलपुर जिले के सेपाउ में 65 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। इस समय असम, महाराष्ट्र समेत कई राज्य बारिश संबंधी गतिविधियों से जूझ रहे हैं।

आईएमडी ने 23 राज्यों के लिए रेड ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी किया

देश के 23 राज्यों में अलग-अलग स्थानों पर अगले 5 दिन बहुत भारी बारिश होने की संभावना है और विभाग ने रेड, ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी किया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा है कि हिमाचल प्रदेश में 13, 14, 17 और 18 जुलाई को भारी बारिश हो सकती है। 1-12 जुलाई के बीच राज्य में 81.8 मिलीमीटर बारिश हुई है जो इस अवधि में सामान्य 85.6 मिलीमीटर से चार फीसदी कम है। शुक्रवार को धर्मशाला में सबसे अधिक 12.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। पिछले 24 घंटे के दौरान मेघालय, गुजरात, कोंकण, गोवा, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अच्छी बारिश हुई है। बिहार, पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड में अलग-अलग स्थानों पर ठीक-ठीक बारिश हुई है।

खबर संक्षेप

साबरकांठा में चार बच्चों की रहस्यमयी मौत

साबरकांठा। गुजरात के साबरकांठा जिले में संदिग्ध चांदीपुरा वायरस के संक्रमण से 4 बच्चों की मौत हो गई। 2 का उपचार चल रहा है। चांदीपुरा वायरस बुखार, फ्लू के समान लक्षणों और मस्तिष्क की सूजन का कारण बनता है। यह वायरस वेसिकुलोवायरस जीन का सदस्य है। यह मच्छरों-मक्खियों जैसे रोगवाहकों से फैसला है।

डांस शो में मुर्गी का सिर काटा, खून चेहरे पर लगाया

अनकापल्ली। आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली में डांस शो के दौरान एक मुर्गी को जान-बूझकर मारने के मामले में कलाकार के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। कलाकार ने कार्यक्रम में पक्षी का सिर काटकर उसकी बेरहमी से हत्या की। पशु अधिकार संगठन 'पेटा' की इकाई ने इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा किया और कहा उसने प्राथमिकी दर्ज कराने के कदम उठाए हैं।

कर्नाटक आदिवासी बोर्ड के प्रमुख दद्दाल लापता

बेंगलुरु। कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड के अध्यक्ष बसनगौड़ा दद्दाल कथित तौर पर लापता हैं। ईडी उन्हें बोर्ड में अनियमितता के सिलसिले में हिरासत में लेने की तैयारी में था। कांग्रेस के विधायक बसनगौड़ा दद्दाल बेंगलुरु या अपने पैतृक स्थान रायचूर में अपने आवास पर नहीं मिले। शुक्रवार को एसआईटी के सामने पेश हुए थे।

रक्षामंत्री राजनाथ को एम्स से मिली छुट्टी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को शनिवार को यहां एम्स से छुट्टी दे दी गई। दो दिन पहले पीठ में दर्द होने की शिकायत के बाद सिंह को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एम्स के मीडिया प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉक्टर रीमा दादा के अनुसार सिंह के पीठ दर्द का उपचार किया गया। उन्होंने कहा कि सिंह को शनिवार अपराह्न दो बजे अस्पताल से छुट्टी दी गई।

35 हजार के लिए चाची ने बेच दी 11 साल की बच्ची

बेंगलुरु। कर्नाटक से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। तुमकुर की एक 11 वर्षीय लड़की को उसकी चाची ने कथित तौर पर 35 हजार रुपए का कर्ज चुकाने के लिए बेच दिया था। बच्ची को आंध्र प्रदेश के हिंदूपुर में बेचा गया था। लेकिन तुमकुर सिटी की पुलिस ने उसे सफलतापूर्वक बचा लिया और उसके घर वापस ले आई। नाबालिग मौसी के घर थी।

आपातकाल पर राउत के बयान से भड़की भाजपा, सुधांशु का कांग्रेस पर हमला

जयप्रकाश के नेतृत्व में आंदोलन अराजक था? लालू और मुलायम अराजकता का हिस्सा थे?

केंद्र ने 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का ऐलान किया है। इस पर संजय राउत ने केंद्र पर साधा था निशाना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने शनिवार को अपने बयान में आपातकाल लागू करने के इंदिरा गांधी सरकार के फैसले का बचाव किया। इसके बाद भाजपा को कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर हमला करने का मौका मिल गया। भाजपा ने आरोप लगाया कि अगर कल को कांग्रेस और इंडी गठबंधन को फिर से सत्ता में आने का मौका मिला तो वे फिर से देश में आपातकाल लागू कर देंगे।

राउत ने कहा कि कुछ लोग देश में अराजकता फैलाना चाहते थे, जिसके चलते आपातकाल लागू किया गया। उन्होंने कहा कि ऐसी परिस्थिति में अगर अटल बिहारी वाजपेयी भी प्रधानमंत्री होते तो वे भी इमरजेंसी लागू कर देते। राउत पर पलटवार करते हुए भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि 'मैं इंडी गठबंधन के नेताओं से पूछना चाहता हूं कि क्या जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में हुआ आंदोलन अराजकता था? लालू प्रसाद यादव और अखिलेश यादव के पिता मुलायम सिंह यादव अराजकता का हिस्सा थे?

भाजपा प्रवक्ता त्रिवेदी और शहजाद ने कांग्रेस को सुनाई खरी-खरी

बोले पूनावाला: बघेल ने कहा था- इंदिरा में हिम्मत थी तो इमरजेंसी लगाई

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने राउत के बयान पर कहा कि कांग्रेस कहती है कि हम आपातकाल को लेकर माफी मांग चुके हैं तो फिर इस बारे में बात क्यों कर रहे हो, लेकिन आज ये साफ हो गया है कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन आपातकाल का समर्थन करता है और इसकी निंदा नहीं करता। यहां तक कि भूपेश बघेल ने भी हाल ही में कहा था कि इंदिरा गांधी में हिम्मत थी, तभी उन्होंने आपातकाल लागू किया। कल अगर कांग्रेस और इंडी गठबंधन सत्ता में आ गया तो वे फिर से आपातकाल लागू करेंगे।

त्यागी ने जयराम पर किया पलटवार

लोग जेल में सड़ रहे थे, कांग्रेस जश्न में थी

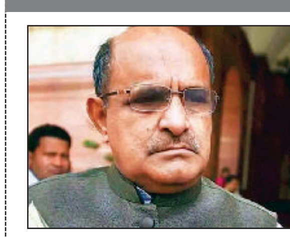

संविधान हत्या दिवस को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष में आरोप-प्रत्यारोप चल रहे हैं। इस बीच जनता दल यूनाइटेड के नेता केसी त्यागी ने कांग्रेस नेता जयराम रमेश के ऊपर निशाना साधा है। केसी त्यागी ने कहा कि जेडीयू केंद्रीय मंत्री अमित शाह के इस फैसले का स्वागत करती है। 25 जून 1975 का दिन भारत के इतिहास में एक काला दिन है। उन्होंने कहा कि आज हम सभी बेहद खुश हैं कि इसे संविधान हत्या दिवस के तौर पर याद किया जा रहा है। जयराम रमेश पर निशाना साधते हुए केसी त्यागी ने कहा कि जब उनकी पार्टी जश्न मना रही थी, हम लोग जेलों में सड़ रहे थे। उन्हें हमारे दर्द के बारे में कोई अंदाजा नहीं है।

संविधान की आत्मा पर प्रहार करने वाले 'संविधान हत्या दिवस' मनाएंगे: प्रियंका

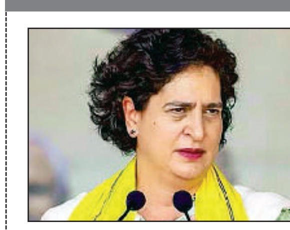

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने केंद्र सरकार और भाजपा पर शनिवार को निशाना साधते हुए कहा कि इसमें आश्चर्य की क्या बात है कि संविधान और लोकतंत्र की आत्मा पर प्रहार करने वाले लोग संविधान हत्या दिवस मनाएंगे। प्रियंका ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भारत की महान जनता ने ऐतिहासिक लड़ाई लड़कर अपनी आजादी और अपना संविधान हासिल किया है। जिन्होंने संविधान को बनाया, जिनकी संविधान में आस्था है, वे ही संविधान की रक्षा करेंगे। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि संविधान लागू होने का विरोध किया।

वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम की शाह ने की समीक्षा

सरकार देश के सीमांत गांवों के चहुंमुखी विकास को कटिबद्ध

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में एक उच्चस्तरीय बैठक में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के कार्यान्वयन की समीक्षा की। इस दौरान गृह मंत्री ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार देश के सीमांत गांवों के चहुंमुखी विकास के प्रति कटिबद्ध है।

उन्होंने देश के सीमांत गांवों से पलायन रोकने के लिए स्थानीय निवासियों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और गांवों के साथ संपर्क बढ़ाने की ज़रूरत पर बल दिया। इन गांवों में सौर ऊर्जा और पवनचक्की जैसे नवीकरणीय ऊर्जा के अन्य स्रोतों के अधिकतम उपयोग पर ज़ोर देने की आवश्यकता है। बैठक में केंद्रीय गृह सचिव सहित गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। सशस्त्र पुलिस बलों और सेना को सहकारिता के माध्यम से स्थानीय कृषि और हस्तशिल्प उत्पादों की खरीद को बढ़ावा देना चाहिए।

बेहतरी के प्रयास जारी रखें

शाह ने सीमांत गावों के मुद्दों को बेहतर ढंग से समझने के लिए वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों द्वारा किए जा रहे प्रयासों को जारी रखने का निर्देश दिया। इन सीमांत गांवों में अब तक 6000 से अधिक कार्यक्रम हुए हैं जिनमें लगभग 4000 सेवा वितरण और जागरूकता शिविरों का आयोजन शामिल है। रोजगार सृजन के लिए 600 से अधिक परियोजनाओं को भारत सरकार द्वारा स्वीकृति दी जा चुकी है। साथ ही लंबित मुद्दों के निपटारे के लिए नियमित अंतराल पर उच्चतम स्तर पर समीक्षा पर विशेष जोर दिया।

कुकी संगठन ने लिखा शाह को पत्र

मणिपुर के प्रमुख कुकी संगठन इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम की ओर से शाह को पत्र लिखा गया है। इसमें राज्य में शांति बहाल करने और केंद्र शासित प्रदेश बनाकर राजनीतिक समाधान निकालने की बात कही गई है। जिरीबाम जिले के फैतोल गांव से एक किशोर सहित 2 ग्रामीणों की गिरफ्तारी और केंद्रीय सुरक्षा बलों की ओर से 7 कुकी महिलाओं की पिटाई की निंदा की गई है। इसके साथ ही इन एजेंसियों पर कई आरोप भी लगाए हैं।

महाराष्ट्र के जलगांव का मामला, यात्री डरे और सहमे रहे

उर्स में जा रहे थे लोग, चेन पुलिंग की फिर पत्थरबाजी, बंगाल में भी किया पथराव

एजेंसी ▶▶ जलगांव

महाराष्ट्र के जलगांव जिले के अमलनेर से एक पैसेजर ट्रेन पर पथराव करने का हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें जिसमें साफ दिख रहा है कि पथराव के चलते यात्री डरे हुए हैं जबकि कुछ यात्री खुद को बचाने के लिए खिड़कियों को भी बंद कर रहे हैं। फिलहाल कोई भी यात्री घायल नहीं हुए। पुलिस का कहना है कि इनसे सख्ती से निपटा जाएगा।

पुलिस ने एफआईआर दर्ज करके जांच शुरू कर दी

वीडियो के आधार पर पुलिस ने दर्ज किया मामला

वीडियो वायरल होने के बाद आरपीएफ पुलिस, स्थानीय पुलिस और खुफिया टीम ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना 12 जुलाई को सुबह करीब 11 बजे हुई। ट्रेन नंबर 09078 भुसावल से नंदुरबार जा रही थी। ट्रेन अमलनेर के पास एक दरगाह के पास पहुंची और ट्रेन रुक गई। यहां उर्स में शामिल होने के लिए कई लोग ट्रेन में बैठ गए। जब ट्रेन भोरटेक के करीब पहुंची तो लोगों ने उर्स के मेले में शामिल होने के लिए चेन पुलिंग की। ट्रेन करीब 30 मिनट तक यहां रुकी रही। जब ट्रेन चली तो लोगों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी।

उधर, चिनपई रेलवे स्टेशन पर इंजन और डिब्बों को क्षतिग्रस्त किया

चिनपई रेलवे स्टेशन पर एक लोकल ट्रेन पर भीषण पथराव की घटना सामने आई है। इसमें ट्रेन के इंजन और डिब्बों को बुरी तरह नुकसान पहुंचा। यह हमला इसलिए किया गया क्योंकि ट्रेन 'आलम फकीर मेला' मैदान पर नहीं रुकी थी, जो चिनपई और दुबराजपुर के बीच स्थित है। इस घटना ने रेलवे सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठे हैं। पश्चिम बंगाल किस ओर जा रहा है? इस तरह की घटनाएं राज्य के भविष्य पर प्रश्न चिह्न लगाती हैं। इसके पीछे अराजक तत्वों को माना जा रहा है।

अधिकारियों के ट्रांसफर पोस्टिंग का मिला अधिकार

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल को मिलीं अब दिल्ली के एलजी की तरह शक्तियां

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अब जम्मू- कश्मीर को भी दिल्ली जैसे संवैधानिक अधिकार मिलेंगे। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल को भी अब दिल्ली के एलजी की तरह की प्रशासनिक शक्तियां मिलेंगी। अब जम्मू-कश्मीर में भी सरकार बिना उपराज्यपाल की इजाजत के ट्रांसफर और पोस्टिंग नहीं कर पाएगी।

गृह मंत्रालय ने उपराज्यपाल को अधिक शक्ति देने के लिए जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम के नियमों में संशोधन किया। एमएचए ने जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 55 के तहत संशोधित नियमों को अधिसूचित किया है, जिसमें एलजी को अधिक शक्ति देने वाली नई धाराएं शामिल की गई हैं।

12 जुलाई से लागू हो गए

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 (2019 का 34) की धारा 55 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए नियम में संशोधन को अपनी मंजूरी दे दी है, जिसे अधिनियम की धारा 73 के तहत जारी 31 अक्टूबर 2019 की उद्घोषणा के साथ पढ़ा गया है। इन नियमों को केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर सरकार के कामकाज पर उपराज्यपाल का प्रभाव ज्यादा होगा।

यूपी भाजपा की कार्यसमिति की बैठक आज

बैठक में अध्यक्ष नड्डा और योगी के संबोधन पर रहेगी नजर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा रविवार को उत्तर प्रदेश भाजपा की एक दिवसीय प्रदेश प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में हिस्सा लेंगे। डॉ. राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय लखनऊ में होने वाली इस बैठक में यूपी को लेकर पार्टी की आगामी कार्ययोजनाओं को मंजूरी दी जाएगी।

लोकसभा चुनाव में यूपी में भाजपा को लगे तगड़े झटके के बाद पहली बार राष्ट्रीय अध्यक्ष किसी बैठक में मौजूद होंगे। इस बीच प्रदेश भाजपा के कई नेता सार्वजनिक बयानबाजी के जरिए पार्टी को असहज स्थिति में डाल चुके हैं। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक सहित अन्य प्रमुख नेताओं का उद्बोधन होगा।

प्रदेश कार्यसमिति की बैठक से पहले शनिवार को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी व प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने प्रदेश पदाधिकारियों के साथ डॉ. लोहिया विधि विश्वविद्यालय में बैठक कर रविवार को प्रस्तुत किए जाने वाले प्रस्तावों व अन्य विषयों को अंतिम रूप दिया।

प्रदेश अध्यक्ष के उद्बोधन के बाद प्रदेश महामंत्री (संगठन) आगामी कार्यक्रमों व अभियानों को प्रस्तुत करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश कार्यसमिति बैठक संगठनात्मक कार्ययोजना को पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों व नेताओं के समक्ष प्रस्तुतीकरण का माध्यम है। बैठक में जो कार्यक्रम व अभियान तय होंगे उसे प्रदेश, क्षेत्र, जिला, मंडल व बूथ स्तर पर चलाया जाएगा। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक सहित अन्य प्रमुख नेताओं का उद्बोधन होगा।

बैठक में उत्तर प्रदेश से केंद्रीय पदाधिकारी, प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश से केंद्रीय मंत्रिमंडल के सदस्य व राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, विशेष आमंत्रित सदस्य, स्थायी आमंत्रित सदस्य, सांसद, विधायक, क्षेत्रीय अध्यक्ष, क्षेत्रीय पदाधिकारी, महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष, नगर पालिका,नगर पंचायत अध्यक्ष, ब्लाक प्रमुख, प्रदेश मोर्चों के अध्यक्ष व महामंत्री, क्षेत्रीय मोर्चों के अध्यक्ष व महामंत्री, जिलाध्यक्ष व जिला प्रभारी, जिला महामंत्री, सभी प्रकोष्ठों व विभागों के प्रदेश संयोजक व सहसंयोजक, सहकारी संस्थाओं के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष, सहकारी बैंक के अध्यक्ष सहित अन्य प्रमुख नेता शामिल होंगे।

एमओपीएसडब्ल्यू ने दी शोध की मंजूरी

ड्रेज्ड सेडिमेंट्स को उपयोगी बना उसका मूल्यवर्धन किया जाएगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) ने ड्रेज्ड सेडिमेंट्स (झीलों, नदियों, बंदरगाहों और अन्य जल निकायों के तलछट में जमा गाद, कचरा आदि) के मूल्यवर्धन पर एक शोध प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

इसकी लागत 46,47,380 है जिसे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे 3 वर्षों की अवधि में क्रियान्वित करेगा। इस शोध का प्राथमिक उद्देश्य ड्रेज्ड सेडिमेंट्स को विभिन्न निर्माण क्षेत्रों में इस्तेमाल के लायक बनाकर उसका

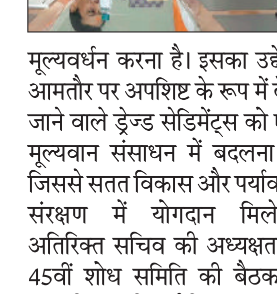

मूल्यवर्धन करना है। इसका उद्देश्य आमतौर पर अपशिष्ट के रूप में देखे जाने वाले ड्रेज्ड सेडिमेंट्स को एक मूल्यवान संसाधन में बदलना है, जिससे सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण में योगदान मिलेगा। अतिरिक्त सचिव की अध्यक्षता में 45वीं शोध समिति की बैठक में गहन विचार-विमर्श किया गया।

कुछ म्यूचुअल फंड ने दिया 48% से ज्यादा रिटर्न

निवेशकों को कर रहे मालामाल, आप भी कर सकते हैं निवेश, कोई भी निवेश करने से पहले खुद की रिस्क क्षमता जांच लें लक्ष्य तय कर लंबी अवधि के लिए निवेश का प्लान बनाएं, धैर्य और संयम के साथ निवेश करें, अच्छा मुनाफा मिलेगा

अगर आप भी निवेश करने जा रहे हैं जो एक बार बाजार के बारे में रिसर्च कर लें। इसके बाद निवेश के लिए उतरेंगे तो अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। अपने लक्ष्य तय कर धैर्य और संयम के साथ निवेश करें और मजबूती के साथ बाजार में उतरें। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और जल्द अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकेंगे। बाजार में पैसे लगाने वाले ज्यादातर इनवेस्टर्स की दिलचस्पी सबसे बढ़िया प्रदर्शन कर रहे शेयरों में रहती है, लेकिन कुछ म्यूचुअल फंड्स ऐसे हैं, जिनमें ऐसे स्टॉक्स पर फोकस करके निवेश किया जाता है, जिनका प्रदर्शन फिलहाल खराब चल रहा हो। अपने इस उल्टे मिजाज की वजह से ही इन्हें कॉन्ट्रा म्यूचुअल फंड का नाम दिया गया है। कॉन्ट्रा फंड्स के मैनेजर्स को ऐसे ही स्टॉक्स की तलाश रहती है, जो फंडामेंटल्स के लिहाज से स्ट्रॉन्ग होते हुए भी कमजोर प्रदर्शन कर रहे हों। इसके पीछे सोच यह रहती है कि फिलहाल कमजोर दिख रहे ऐसे स्टॉक्स में पिछले रुझान को पलटकर शानदार रिटर्न देने की क्षमता छिपी रहती है। पिछले 1 साल में कॉन्ट्रा फंड्स की थीम वाले सभी म्यूचुअल फंड्स ने 48 फीसदी या उससे ज्यादा रिटर्न देकर इस बात को सच साबित किया है। ऐसे में इन फंडों में निवेश बढ़िया रिटर्न दिला सकता है और आपको जल्द अमीर बना सकता है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

कॉन्ट्रा फंड्स का शानदार प्रदर्शन

भारत में कॉन्ट्रा फंड्स की सोच को फॉलो करने वाली म्यूचुअल फंड स्कीम्स की संख्या ज्यादा नहीं है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स ऑफ इंडिया (एएमएफआई) के मुताबिक देश में फिलहाल ऐसी कुल तीन स्कीम चल रही हैं।

ये हैं तीन स्कीमें

1. एसबीआई कॉन्ट्रा फंड
2. इनवेस्को इंडिया कॉन्ट्रा फंड
3. कोटक इंडिया कॉन्ट्रा फंड

(इन तीनों ही स्कीम ने पिछले 1 साल में रिटर्न के मामले में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। ये तीनों स्कीमों ने 48 फीसदी से अधिक रिटर्न देकर निवेशकों को चौंका दिया है।)

ऐसा रहा प्रदर्शन

एसबीआई कॉन्ट्रा फंड

- 1 साल का औसत रिटर्न (डायरेक्ट) : 48.40%
- 3 साल का औसत वार्षिक रिटर्न (डायरेक्ट) : 30.51%
- 5 साल का औसत रिटर्न (डायरेक्ट) : 30.42%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 35,304.23 करोड़

इनवेस्को इंडिया कॉन्ट्रा फंड

- 1 साल का औसत रिटर्न (डायरेक्ट) : 49.79%
- 3 साल का औसत वार्षिक रिटर्न (डायरेक्ट) : 23.55%
- 5 साल का औसत रिटर्न (डायरेक्ट) : 23.72%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 16,502.57 करोड़ रुपये

कोटक इंडिया ईक्यू कॉन्ट्रा फंड

- 1 साल का औसत रिटर्न (डायरेक्ट) : 54.80%
- 3 साल का औसत रिटर्न (डायरेक्ट) : 26.80%
- 5 साल का औसत रिटर्न (डायरेक्ट) : 25.05%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 3,582.99 करोड़ रुपये

कॉन्ट्रा फंड के मुनाफे पर टैक्स

कॉन्ट्रा फंड का 65 परसेंट से ज्यादा निवेश इक्विटी में होता है। इसलिए इन्हें इक्विटी म्यूचुअल फंड की कैटेगरी में रखा गया है। जाहिर है इन पर इनकम टैक्स के वही नियम लागू होते हैं, जो इक्विटी फंड के लिए बनाए गए हैं। यानी कॉन्ट्रा फंड की यूनिट्स को 1 साल से कम समय में बेचने पर मुनाफा हुआ तो उस पर 15 फीसदी शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स (एसटीसीजी) टैक्स देना पड़ेगा, लेकिन 1 साल या उससे ज्यादा होल्ड करने के बाद बेचने पर 1 लाख रुपये तक का सालाना मुनाफा टैक्स फ्री है। उससे ज्यादा मुनाफा होने पर 10 फीसदी लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स (एलटीसीजी) टैक्स लगेगा। यानी कॉन्ट्रा फंड में निवेश करना टैक्स के लिहाज से भी अच्छा है। इसलिए इन फंडों में निवेश कर आप भी अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। अपने पोर्टफोलियों की भी समय समय पर समीक्षा करते रहना जरूरी है, ताकि आप आसानी से अपने पैसे को सुरक्षित रख सकें और अच्छा रिटर्न हासिल कर सकें।

निवेश से पहले रिस्क भी समझ लें

देश के कॉन्ट्रा फंड्स का पिछला रिटर्न तो काफी अच्छा रहा है, लेकिन इसे भविष्य में वैसे ही परफॉर्मेंस की गारंटी नहीं माना जा सकता। इसके अलावा इक्विटी फंड होने की वजह से कॉन्ट्रा फंड्स ज्यादा जोखिम वाले निवेश की कैटेगरी में आते हैं। लिहाजा अपनी रिस्क प्रोफाइल को ध्यान में रखें और निवेश का फैसला करने से पहले अपने इनवेस्टमेंट एडवाइजर की सलाह जरूर लें। वैसे भी निवेश करने से पहले खुद के लक्ष्य और रिस्क क्षमता को देखते हुए ही निवेश की तरफ कदम बढ़ाने होंगे।

क्रिप्टो में निवेश कर रहे हैं तो जान लें कर का नियम

जानकारी
बिजनेस डेस्क

निवेशक साल में क्रिप्टो संपत्तियां बेचता है टैक्स देना होगा
क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करना सबसे रिस्की श्रेणी में माना गया
क्रिप्टोकरेंसी से होने वाली आय पर 30 फीसदी कर लगेगा
सभी तरह के क्रिप्टो सौदों पर 1 फीसदी टीडीएस भी कटेगा

यदि आप भी क्रिप्टोकरेंसी में निवेश कर रहे हैं तो आपको इस समय टैक्स का नियम भी जान लेना चाहिए, वरना 31 जुलाई बीत जानें के बाद आप मुश्किल में फंस सकते हैं। केंद्र सरकार ने फरवरी 2022 में फैसला किया था कि क्रिप्टोकरेंसी से होने वाली आय पर 30 फीसदी कर लगाया जाएगा और सभी तरह के क्रिप्टो सौदों पर 1 फीसदी टीडीएस कटेगा। इसके बाद भी लोग क्रिप्टोकरेंसी में ट्रेडिंग करते रहे। अगर आप भी ऐसे लोगों में शामिल हैं तो आयकर रिटर्न दाखिल करने की तारीख 31 जुलाई से पहले ही समझ लें कि क्रिप्टो पर कर कैसे लगाया जाता है ताकि आगे आपको दिक्कत न हो।

क्या है क्रिप्टोकरेंसी

क्रिप्टोकरेंसी डिजिटल या आभासी करेंसी है, जो सुरक्षा के लिए क्रिप्टोग्राफी का इस्तेमाल करती है। इसकी डोर किसी एक सरकार या केंद्रीय संस्था के हाथ में नहीं है। उसके बजाय यह ब्लॉकचेन तकनीक पर चलती है, जो असल में एक डिजिटल रजिस्टर की तरह होता है। इसमें कई कंप्यूटरों का नेटवर्क होता है और सभी सौदे उन पर दर्ज होते रहते हैं।

मुनाफे पर 30 फीसदी कर

सबसे पहले तो क्रिप्टोकरेंसी से होने वाले मुनाफे पर सीधा 30 फीसदी कर काटा जाता है। आयकर अधिनियम की धारा 115बीबीएच कहती है कि क्रिप्टोकरेंसी समेत सभी वर्चुअल डिजिटल संपत्तियों के किसी भी प्रकार के लेनदेन से होने वाली आय पर 30 फीसदी कर काटा ही जाएगा। उसके अलावा उस पर अधिभार और उपकर भी लगेंगे।

ऐसे समझें

मान लीजिए कि आपने बिटकॉइन की ट्रेडिंग से 1 लाख रुपये कमाए हैं तो आपको इस पर बतौर कर 30,000 रुपये देने होंगे। उसके ऊपर 1,200 रुपये उपकर भी काटा जाएगा। इस तरह 1 लाख रुपये की कमाई पर आप 31,200 रुपये कर देंगे।

कमर्शल और निजी निवेशक निवेशक

निवेशक चाहे निजी हो या कमर्शल, उसके लिए कर के नियम और दरें एक ही होंगी। मान लीजिए कि कोई फर्म क्रिप्टोकरेंसी की ट्रेडिंग से 5 लाख रुपये कमाती है तो उसे 1.50 लाख रुपये कर और 6,000 रुपये उपकर यानी कुल 1.56 लाख रुपये देने होंगे। जानकारों का कहना है कि 'क्रिप्टोकरेंसी पर कर लगने से उनके लेनदेन और सौदों में नियमों का अनुपालन और जवाबदेही पक्की हो जाती है। अल्पावधि और दीर्घावधि मुनाफे पर एक जैसा कर कटने के कारण क्रिप्टोकरेंसी की आय भी दूसरी तरह की आय के बराबर हो गई है। इन कर प्रावधानों का मकसद क्रिप्टोकरेंसी से जुड़ी गतिविधियों को कायदे में लाना, पारदर्शिता बढ़ाना तथा सभी प्रकार के निवेशकों तथा लेनदेन पर न्यायोचित कर लगाना है।'

घाटे की भरपाई नहीं

वर्चुअल डिजिटल संपत्ति से होने वाले घाटे के बदले आप किसी अन्य वर्चुअल डिजिटल संपत्ति पर हुए मुनाफे या किसी अन्य प्रकार की आय पर कर छूट नहीं मांग सकते। करयोग्य आय में से केवल ऐसी संपत्तियों को खरीदने पर हुआ खर्च ही घटाया जा सकता है।

क्रिप्टो सौदों पर 1 फीसदी टीडीएस

1 जुलाई 2022 से एक सीमा से अधिक वर्चुअल डिजिटल संपत्तियों के लेनदेन पर 1 फीसदी टीडीएस काटा जा रहा है। यूजर्स की ओर से टीडीएस काटने की जिम्मेदारी क्रिप्टो एक्सचेंज की है। मगर यदि दो यूजर्स आपस में लेनदेन करते हैं तो खरीदने वाले को टीडीएस काटकर जमा करना होगा। मान लीजिए कि आपने 60,000 रुपये के एथेरियम बेचे तो खरीदार 600 रुपये टीडीएस काटने के बाद आपको 59,400 रुपये दे देगा।

क्रिप्टो माइनिंग पर कर

क्रिप्टोकरेंसी माइनिंग में यानी उन्हें तैयार करने में बहुत ताकतवर कंप्यूटर या खास हार्डवेयर का इस्तेमाल होता है, जो लेनदेन का सत्यापन करता है और उसे ब्लॉकचेन नेटवर्क पर चढ़ा देता है। इस नेवटर्क में माइनर या नोड गणित की पेचीदा गुत्थियों को सुलझाने में एक दूसरे का मुकाबला करते हैं। जो माइनर सबसे पहले उसे सुलझा लेता है, उसे बतौर इनाम क्रिप्टोकरेंसी मिलती है। इस तरह माइनिंग से होने वाली आय पर 30 फीसदी कर लगता है। कर का हिसाब लगाते समय माइनर की क्रिप्टोकरेंसी की खरीद कीमत शून्य मान ली जाती है।

रिटर्न के मामले में निफ्टी को पछाड़ आगे निकला सोना

लगातार कुलाचें मार रहे सोने में इस साल तेजी का माहौल

एक जनवरी से अब तक गोल्ड ने निफ्टी-50 को पीछे छोड़ा | ग्लोबल मार्केट में गोल्ड में करीब तेरह प्रतिशत की तेजी दिखाई दी

निवेश के लिहाज से सेफ हेवन समझे जाने वाले गोल्ड का रिटर्न अगर ज्यादा रिस्की कहे जाने वाले इक्विटी इनवेस्टमेंट से बेहतर हो जाए, तो भला निवेशकों के लिए इससे अच्छा और क्या हो सकता है। 2024 के साल में अब तक कुछ ऐसा ही रुझान देखने को मिला है, जिसकी वजह से राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड में निवेशकों की दिलचस्पी काफी बढ़ गई है। दरअसल, सोने की कीमतों में मौजूदा कैलेंडर इयर के दौरान इतनी मजबूती आई है कि रिटर्न के मामले में इसने शेयर मार्केट के प्रमुख इंडेक्स निफ्टी 50 को भी पीछे छोड़ दिया है।

निफ्टी 50 के मुकाबले बेहतर रिटर्न

1 जनवरी 2014 से 30 जून 2024 के बीच निफ्टी 50 में करीब 10.4 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली, जबकि इसी इंडेक्स का साल की शुरुआत से अब तक (वाईटीडी) का रिटर्न करीब 11.9 फीसदी रहा है। सोने का पिछले 6 महीनों का रिटर्न करीब 18 फीसदी और साल की शुरुआत से अब तक (वाईटीडी) का रिटर्न 14.78 फीसदी रहा है। ग्लोबल मार्केट में भी इस दौरान गोल्ड में करीब 13 फीसदी की तेजी देखने मिली।

रिकॉर्ड
बिजनेस डेस्क

गोल्ड ईटीएफ में बढ़ा निवेश

सोने में इस तेजी के बीच दुनिया भर में गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (गोल्ड ईटीएफ) में निवेश का रुझान भी काफी बढ़ा है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक जून में लगातार दूसरे महीने गोल्ड ईटीएफ (गोल्ड ईटीएफ) में पॉजिटिव इनफ्लो देखने को मिला है। जून में यह इनफ्लो करीब 1.4 अरब डॉलर का रहा है। कैलेंडर इयर की पहली छमाही के दौरान एशियन गोल्ड ईटीएफ में कुल मिलाकर करीब 3 अरब डॉलर का रिकॉर्ड निवेश देखने को मिला।

सोने में क्यों आ रही तेजी

गोल्ड में यह तेजी ऐसे दौर में देखने को मिल रही है, जबकि दुनिया के अधिकांश देशों की ग्रोथ रेट में कमजोरी का माहौल है। ऐसा लगता है कि जोखिम से बचने वाले निवेशक सोने की तरफ बड़े पैमाने पर आकर्षित हुए हैं। इस तेजी में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जियो-पोलिटिकल टेंशन के बीच तमाम देशों के सेंट्रल बैंकों द्वारा बड़े पैमाने पर गोल्ड की खरीदारी का भी बड़ा हाथ रहा है।

सुरक्षित निवेश

सोने को शेयर बाजार की तुलना में हमेशा ही ज्यादा सुरक्षित निवेश माना जाता है। ऐसे में इतना ऊंचा रिटर्न वाकई निवेशकों के लिए काफी बड़ी खुशखबरी है। लगातार ऊंची ब्याज दरों के बावजूद सोने की इस तेजी से पता चलता है कि सेफ हेवन इनवेस्टमेंट के तौर पर सोने की स्थिति कितनी मजबूत है।

आगे भी रहेगा तेजी का रुझान?

सोने की कीमतें फिलहाल घरेलू और ग्लोबल, दोनों बाजारों में रिकॉर्ड हाई के करीब चल रही हैं। ऐसे में सवाल यह है कि क्या तेजी का रुझान आगे भी बने रहने के आसार हैं? या फिर इसमें बदलाव देखने को मिलेगा? गोल्ड को मजबूती देने वाले कारणों पर विचार करें तो लगता है कि जियो-पोलिटकल टेंशन की वजह से बढ़ी सेफ हेवन इनवेस्टमेंट वाली डिमांड अभी बनी रहेगी। ऐसा इसलिए, क्योंकि अमेरिका और चीन के बीच आपसी तनाव बने रहने के आसार हैं। इजरायल का फिलिस्तीन पर हमला हो या यूक्रेन और रूस की जंग, उनके भी बहुत जल्द थमने के संकेत नहीं हैं। इसके अलावा अगर अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में कटौती करता है, तो इससे सोने की मांग को एक और बूस्ट मिल सकता है।

सोने की कीमतों को प्रभावित करने वाले फैक्टर

दरअसल, सोना एक ऐसा एसेट है, जिसमें निवेश करने पर ब्याज नहीं मिलता। लिहाजा, जब ब्याज दरें घटती हैं, तो सोने में निवेश तुलनात्मक रूप से और आकर्षक हो जाता है। हालांकि अब तक यह बात पूरी तरह साफ नहीं है कि यूएस फेड वाकई ब्याज दरों में कटौती करेगा या नहीं और करेगा तो कब, लेकिन उसके इस दिशा में कदम उठाने की उम्मीद बढ़ती लग रही है। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की अगली बैठक 31 जुलाई को होनी है। पिछले हफ्ते अमेरिका के मैक्रो इकनॉमिक डेटा में खराब आर्थिक प्रदर्शन के संकेत मिलने से इन उम्मीदों को ताकत मिली है कि सितंबर तक ब्याज दरों में राहत मिल सकती है।

पॉलिसी पहले प्लानिंग करें और फिर निवेश की सोचें, सोची-समझी रणनीति हमारे जीवन के लक्ष्यों को सुरक्षित करने में मददगार

बनाएं रणनीति, लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी भी बन सकती गेमचेंजर, पूरे कर सकती है आपके फाइनेंशियल गोल

जैसे फुटबॉल में जीत के लिए मजबूत डिफेंस जरूरी है, वैसे ही परिवार के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए सही फाइनेंशियल प्लानिंग जरूरी है

समझदारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश हैं या करने जा रहे हैं तो जान लें कि निवेश भी फुअबॉल के मैच की तरह ही होता है। फुटबॉल प्रेमी होने के नाते, मुझे यह खेल बेहद रोमांचक लगता है, लेकिन इसमें धैर्य, दृढ़ता और समय की ज़रूरत होती है। दरअसल यह खेल कभी भी कोई भी मोड़ ले सकता है और यही इसके आकर्षण को और बढ़ा देता है। जीवन, एक फुटबॉल मैच की तरह, स्वाभाविक रूप से अप्रत्याशित घटनाओं की श्रृंखला का नाम है। रोजमर्रा के जीवन में और फाइनेंशियल प्लानिंग के मामले में पर्याप्त बचाव की जरूरत होती है। उचित रणनीति और सोची-समझी चालें, हमारे जीवन के लक्ष्यों को सुरक्षित करने में बहुत मदद कर सकती हैं।

बेहद अहम है लाइफ इंश्योरेंस

बेयर ब्रायंट का यह कथन बेहद मशहूर है कि आक्रामकता से टिकट बिकता है, डिफेंस से चैंपियनशिप जीती जाती है। निवेश विकल्प के सही मिक्स के साथ बेहतर फाइनेंशियल प्लान वह डिफेंस तैयार करता है, जिसकी आपको अपने वित्तीय भविष्य को सुरक्षित करने के लिए आवश्यकता होती है। बढ़ती वित्तीय साक्षरता, आय के बढ़ते स्तर और अधिक जागरूकता के साथ-साथ अधिक टेक्नोलॉजी अपनाने और नीतिगत सुधारों के साथ, भारत में अधिक से अधिक परिवार लॉन्ग टर्म फाइनेंशियल प्लान की आवश्यकता समझ रहे हैं। लोग सुरक्षा के लिए कई लाभ देने वाली लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी के महत्व को समझने लगे हैं। दरअसल, लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी समग्र घरेलू वित्तीय बचत मिक्स में टॉप तीन पसंदीदा निवेश विकल्पों में से एक है। वित्त वर्ष 2019 से वित्त वर्ष 2023 तक इसमें 11% के सीएजीआर से बढ़ोतरी दर्ज हुई है, जिसका कुल वित्तीय बचत में 18% का योगदान है।

क्या बीमा कवर पर्याप्त है

अगर हम इसे बीमा की पैठ के नजरिए से देखें तो स्थिति वास्तव में आशावादी दिखती है, क्योंकि हमारे देश में लगभग 70 फीसदी परिवार किसी न किसी तरह की लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी से सुरक्षित हैं। मुझे यह वृद्धि कुल मिलाकर सकारात्मक संकेत नजर आती है, हालांकि, चिंताजनक पहलू या मुख्य प्रश्न यह है कि क्या कवर (सुरक्षा) पर्याप्त है? सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक होने के बावजूद, विश्व बैंक के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में जीडीपी के परसेंटेज के तौर पर कुल बीमित रकम मुश्किल से 70% है, जबकि अमेरिका में यह 251%, थाईलैंड में 143% और मलेशिया में 153% है। यह बीमा कवरेज की मात्रा में अहम अंतर को दर्शाता है। जब कोई इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदी जाती है, तो लोग हमेशा इस बात को ध्यान में नहीं रखते कि वास्तव में जरूरत पड़ने पर पर्याप्त जीवन कवर की आवश्यकता होगी।

टर्म प्लान में पर्याप्त कवरेज जरूरी

पर्याप्त लाइफ इंश्योरेंस के बिना, परिवारों को प्रमुख वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए अन्य एसेट्स को बेचने या अन्य निवेशों को भुनाने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है, जिससे उनके जीवन के लक्ष्य प्रभावित हो सकते हैं और भारतीय इस जरूरत को तेजी से पहचान रहे हैं। अपर्याप्त कवरेज के कारण अक्सर परिवारों को अपर्याप्त वित्तीय सहायता मिलती है, जिससे उनकी ज़रूरतों का केवल एक हिस्सा ही पूरा होता है, जिससे टर्म प्लान का उद्देश्य अप्रभावी हो जाता है। मौजूदा आय, बचत, देनदारियों और पारिवारिक स्थिति का व्यापक मूल्यांकन लाइफ इंश्योरेंस के उपयुक्त स्तर को तय करने में मदद कर सकता है, जिसे वित्तीय और जीवन लक्ष्य प्लान का हिस्सा होना चाहिए। सामान्य नियम यह है कि किसी शख्स की सालाना आय का 10 गुना लाइफ इंश्योरेंस सुरक्षित किया जाना चाहिए। इससे पॉलिसीहोल्डर के परिवार को दुर्भाग्य से उसके मृत्यु की स्थिति में वित्तीय सहायता ठीक तरह से मिलेगी।

कहां मिलेगा ज्यादा रिटर्न

हाल के दिनों में हमने देखा है कि हमारी रेगुलेटरी बॉडी इरडा ने '2047 तक सभी के लिए बीमा' उपलब्ध कराने की दिशा में कई तरह के सुधार किए हैं। इनमें व्यवसाय और रेगुलेटरी माहौल को बेहतर के साथ-साथ जोखिम आधारित पूंजी व्यवस्था, आईएफआरएस और जोखिम आधारित ऑब्जर्वेशन स्ट्रक्चर को लागू करना शामिल है। यह सब इसलिए किया गया है कि अगले कुछ सालों में भारत में बीमा पैठ बढ़े। दिलचस्प बात यह है कि इरडा लगातार अपने डिजिटल इकोसिस्टम का विस्तार कर रहा है, अनुकूल कारोबारी माहौल बना रहा है और रेगुलेटरी माहौल को बेहतर बना रहा है और यह सब इस क्षेत्र के विकास को सुनिश्चित करने और देश के अधिक से अधिक लोगों के लिए बीमा सुलभ बनाने के लिए किया जा रहा है।

लक्ष्यों को ट्रैक पर रखें

इंडस्ट्री और रेगुलेटरी मिलकर नए, सरल और नवोन्मेषी प्लान, वितरण चैनलों में सुधार और नए जमाने की टेक्नोलॉजी को अपनाकर तेज और अधिक पारदर्शी प्रक्रियाओं के जरिये कई उपाय कर रहे हैं। इसका मकसद है लाइफ इंश्योरेंस की पहुंच बढ़ाना और पर्याप्त कवरेज के बारे में जानकारी बढ़ाना। यह सभी के लिए अपने वित्तीय पोर्टफोलियो की समीक्षा करने और पर्याप्त जीवन कवर के महत्व को समझने के लिए अनुकूल माहौल और अवसर प्रस्तुत करता है। जिस तरह फुटबॉल में एक मजबूत डिफेंस योजना खेल-जीतने वाला सीजन सुनिश्चित करती है, उसी तरह आपके वित्तीय पोर्टफोलियो में उचित रक्षा योजना आपके परिवार को अपने जीवन के लक्ष्यों को ट्रैक पर रखने में मदद करती है।

विंबलडन जीतकर महारिकॉर्ड बनाएंगे जोकोविच, अल्कारेज भी कम नहीं

एजेंसी ▶▶| लंदन

सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच विंबलडन चैंपियनशिप 2024 में पुरुष सिंगल्स के फाइनल में पहुंच गए हैं। खिताब जीतने पर जोकोविच वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाते हुए सबसे ज्यादा 25 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बना जाएंगे। शुक्रवार को लंदन में खेले गए दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में दूसरी वरीयता प्राप्त जोकोविच ने 25वीं सीड इटली के लोरेंजो मुसेट्टी को सीधे सेटों में 6-4, 7,6 (2), 6-4 से हराया।

अब रविवार को होने वाले फाइनल मुकाबले में जोकोविच का सामना तीसरी वरीयता प्राप्त स्पेन के कार्लोस अल्कारेज से होगा। कार्लोस अल्कारेज ने पुरुष सिंगल्स के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में रूस के डेनियल मेदवेदेव को 6-7, 6-3, 6-4, 6-4 से हराया था। अल्कारेज ने पिछले साल नोवाक जोकोविच को हराकर खिताब जीता था। अब जोकोविच का लक्ष्य सेंटर कोर्ट पर मिली उस हार का बदला चुकता करने पर होगा।

37वां ग्रैंडस्लैम फाइनल

नोवाक जोकोविच अपने टेनिस कॅरियर का 37वां ग्रैंड स्लैम सिंगल्स फाइनल खेलने जा रहे, जो ओपन युग में किसी भी खिलाड़ी द्वारा सबसे अधिक है. वह स्विट्जरलैंड के दिग्गज खिलाड़ी रोजर फेडरर और स्पेनिश स्टार राफेल नडाल को काफी पीछे छोड़ चुके हैं।

3-0 अल्कारेज का रिकॉर्ड

कार्लोस अल्कारेज को हराना जोकोविच के लिए आसान नहीं रहने वाला है। अल्कारेज इससे पहले तीन बार ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंच थे और जीत भी हासिल की थी। 21 वर्षीय अल्कारेज तीनों तरह के कोर्ट घास, क्ले और हार्ड कोर्ट पर ग्रैंडस्लैम ट्रॉफी जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं। अब स्पेन का यह धुरंधर ओपन युग (1968 से शुरू) में 22 साल की उम्र से पहले ऑल इंग्लैंड क्लब में कई चैंपियनशिप जीतने वाले बोरिस बेकर और ब्योर्न बोर्ग के साथ जुड़ने से केवल एक जीत दूर है। अल्कारेज 2022 में अमेरिकी ओपन और पिछले महीने फ्रेंच ओपन में भी विजेता बने थे।

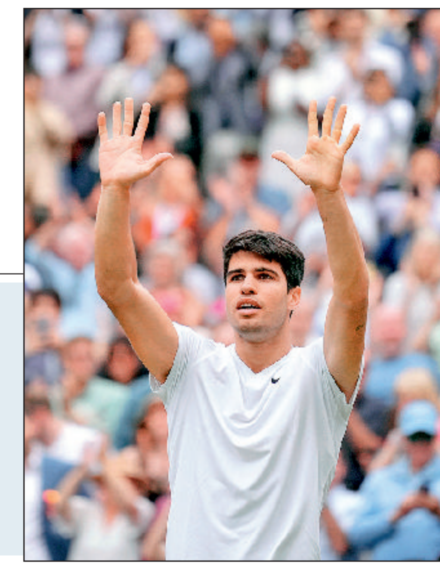

सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम

खिलाड़ी	देश	ग्रैंड स्लैम	टूर्नामेंट
नोवाक जोकोविच	सर्बिया	24	ऑस्ट्रेलियन-10, फ्रेंच-3, विंबलडन-7, यूएस-4
राफेल नडाल	स्पेन	22	ऑस्ट्रेलियन-2, फ्रेंच-14, विंबलडन-2, यूएस-4
रोजर फेडरर	स्विट्जरलैंड	20	ऑस्ट्रेलियन-6, फ्रेंच-1, विंबलडन-8, यूएस-5
पीट सैम्प्रास	अमेरिका	14	ऑस्ट्रेलियन-2, फ्रेंच-0, विंबलडन-7, यूएस-5

कोर्ट का रिकार्ड तोड़ने पर नजर

36 साल के जोकोविच यदि फाइनल मुकाबला जीतते हैं तो वो वह टेनिस इतिहास में सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने के मामले में मार्गरेट कोर्ट से आगे निकल जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया की मार्गरेट कोर्ट ने भी 24 ग्रैंड स्लैम सिंगल्स टाइटल जीते थे, लेकिन इनमें से 13 खिताब ओपन ऐरा से पहले आए थे।

सबसे ज्यादा फाइनल

फाइनल	खिलाड़ी
37	नोवाक जोकोविच
31	रोजर फेडरर
30	राफेल नडाल
19	इवान लेंडल
18	पीट सम्प्रास

खबर संक्षेप

अर्जुन का कॉलिंग में दमदार प्रदर्शन

एक्रोन। भारतीय गोल्फर अर्जुन अटवाल (74-71) ने यहां फायरस्टोन कंट्री क्लब में खेले जा रहे कॉलिंग कंपनीज चैंपियनशिप गोल्फ के कट प्रवेश कर लिया है। अटवाल ने दूसरे दौर में दो बर्डी और तीन बोगी के साथ एक ओवर 71 का कार्ड खेला। उन्होंने पहले दौर में चार ओवर 74 का स्कोर किया। वह पांच ओवर 145 के स्कोर के साथ संयुक्त 49वें स्थान पर है। स्टीवन अल्कर दूसरे दौर में 65 का कार्ड खेलने के बाद तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। उन्होंने कुल सात अंडर के स्कोर के साथ स्टीव स्ट्रिकर पर एक शॉट की बढ़त बना ली है।

रंधावा पांचवें और जीव 19वें स्थान पर

जिनेवा। भारतीय गोल्फर ज्योति रंधावा यूरोप में 'लीजेंड्स टूर' पर स्विस सीनियर्स ओपन में चार अंडर 66 के कार्ड से संयुक्त पांचवें स्थान पर जबकि जीव मिल्खा सिंह (68) संयुक्त 19वें स्थान पर बने हुए हैं। दोनों भारतीय गोल्फर इस सत्र में अच्छा खेल रहे हैं। रंधावा ने 50 साल से अधिक उम्र के गोल्फरों के इस टूर्नामेंट में पांच बर्डी लगायी और एक बोगी कर बैठे जबकि जीव ने चार बर्डी लगायी और दो बोगी की।

मिडलटन पुरुष चैंपियन को प्रदान करेंगी ट्रॉफी

लंदन। कैंसर का उपचार करा रही ब्रिटेन की वेल्स की राजकुमारी केट

ग्रैंडमास्टर राजा ने रजत इनियान ने जीता कांस्य

ला प्लाग्ने। भारतीय ग्रैंडमास्टर राजा ऋत्विक ने यहां ला प्लाग्ने शतरंज ओपन में रजत पदक जीता

जबकि हमवतन पन्नीरसेल्वम इनियान ने कांस्य पदक जीता। ऋत्विक ने इनियान, ग्रैंडमास्टर प्रनीथ वुप्पला और अंतरराष्ट्रीय मास्टर धुलिपल्ला बाला चंद्र प्रसाद जैसे अन्य खिलाड़ियों के साथ दूसरे स्थान पर रहने के बाद टाई-ब्रेकर के माध्यम से रजत पदक जीता। इन सभी ने छह से 12 जुलाई के बीच यहां आयोजित प्रतियोगिता में नौ मैचों में सात अंक अर्जित किए थे।

मेरा किया जो काटे उसे इनाम
सभी समस्याओं का समाधान
गुरू शान भारती
स्पेशलिस्ट : मनचाहा वशीकरण, नौकरी, कारोबार, गृहक्लेश, प्रेमविवाह, संतान प्राप्ति, शादी, तलाक, किया-कराया, सौतन, दुश्मन से छुटकारा, मुकदमा, कैरियर, विदेश यात्रा आदि।
यदि आपका ज्योतिष, पंडित या तांत्रिक से विश्वास उठ गया हो तो एक बार अवश्य फोन करें।
9821413060

सूचना
सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

टी20 : यशस्वी-शुभमन ने पहले विकेट के लिए की 156 रन की साझेदारी

भारत ने जीती सीरीज, जिम्बाब्वे को 10 विकेट से रौंदा, बनाई 3-1 से बढ़त

एजेंसी ▶▶| हरारे

भारत ने शनिवार को यहां चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में जिम्बाब्वे को 10 विकेट से रौंदकर पांच मैच की श्रृंखला में 3-1 से अजेय बढ़त हासिल की। भारत ने इस तरह जिम्बाब्वे पर दूसरी दफा 10 विकेट के अंतर से जीत हासिल की। 2016 में इसी स्थल पर भारत ने मेजबान टीम को 10 विकेट से हराया था। भारत के लिए सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (नाबाद 93) और कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 58) ने पहले विकेट के लिए 156 रन की अटूट साझेदारी की। भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला करते हुए कामचलाऊ गेंदबाज शिवम दूबे और अभिषेक शर्मा के शानदार प्रदर्शन से जिम्बाब्वे को सात विकेट पर 152 रन पर रोक दिया। फिर जायसवाल और गिल की मदद से उछाल भरी पिच पर यह लक्ष्य महज 15.2 ओवर में 156 रन बनाकर हासिल कर लिया। जायसवाल ने 53 गेंद की नाबाद पारी में 13 चौके और दो छक्के जड़े। गिल ने संयम से खेलते हुए जायसवाल को ताबड़तोड़ रन जुटाने दिए तथा 39 गेंद की नाबाद पारी के दौरान छह चौके और दो छक्के जमाए।

गिल की तीसरी टी-20 फिफ्टी

शुभमन गिल ने 35 बॉल पर फिफ्टी पूरी की। यह उनकी टी-20 इंटरनेशनल की तीसरी फिफ्टी है। यशस्वी जायसवाल ने 29 बॉल पर अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने सिकंदर रजा की बॉल पर चौका लगाकर अपनी फिफ्टी लगाई। यह उनकी टी-20 इंटरनेशनल की छठी फिफ्टी है।

रजा ने बनाए 46 रन

जिम्बाब्वे की ओर से कप्तान सिकंदर रजा ने सबसे ज्यादा 46 रन बनाए। उनके अलावा तदिवनाशे मरुमानी 32 और वेसले मधवरे ने 25 रन का योगदान दिया। जिम्बाब्वे के ओपनर्स तदिवनाशे मरुमानी (32) और वेसले मधवरे (25) के बीच 63 रन की साझेदारी हुई। भारत की ओर से खलील अहमद ने दो विकेट झटके। शिवम दुबे, अभिषेक शर्मा, तुषार देशपांडे और वॉशिंगटन सुंदर को 1-1 विकेट मिला। जोनाथन कैंपबेल को रवि बिश्नोई ने अपनी ही बॉल पर डायरेक्ट हिट पर रन आउट किया।

तुषार को मिला डेब्यू का मौका

आवेश खान की जगह तुषार देशपांडे को टीम में शामिल किया गया है। जिम्बाब्वे के खिलाफ देशपांडे ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया। घरेलू मैचों में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले इस तेज गेंदबाज को आखिरकार अपनी मेहनत का इनाम मिल ही गया। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर साईराज बहुतुले ने उन्हें डेब्यु कैप पहनाई। इस दौरान देशपांडे की पत्नी भी मौजूद रहीं।

स्कोर बोर्ड

जिम्बाब्वे	रन	गेंद	4	6
वेस्ली का रिंकू बो शिवम दूबे	25	24	4	0
मारुमनी का रिंकू बो अभिषेक	32	31	3	0
बेनेट का जायसवाल बो सुंदर	09	14	0	0
रजा का गिल बो देशपांडे	46	28	2	3
जोनाथन कैंपबेल रन आउट	03	03	0	0
मेयर्स का एवं बो खलील	12	13	0	0
मडांडे का रिंकू बो खलील	07	05	1	0
फराज अकरम नाबाद	04	03	0	0

अतिरिक्त : 14, कुल : 20 ओवर में 152/7
गेंदबाजी : खलील 4-0-32-2, देशपांडे 3-0-30-1, बिश्नोई 4-0-22-0, सुंदर 4-0-32-1, अभिषेक 3-0-20-1, दूबे 2-0-11-1

भारत	रन	गेंद	4	6
यशस्वी जायसवाल नाबाद	93	53	13	2
शुभमन गिल नाबाद	58	39	6	2

अतिरिक्त : 05, कुल : 15.2 ओवर में 156/00
गेंदबाजी : नगारवा 3-0-27-0, मुजारबानी 3.2-0-25-0, चतारा 2-0-23-0, अकरम 4-0-41-0, रजा 2-0-24-0, बेनेट 1-0-16-0.

ओलंपिक

अंतिम और अमन वरीय पहलवान, चूकी विनेश

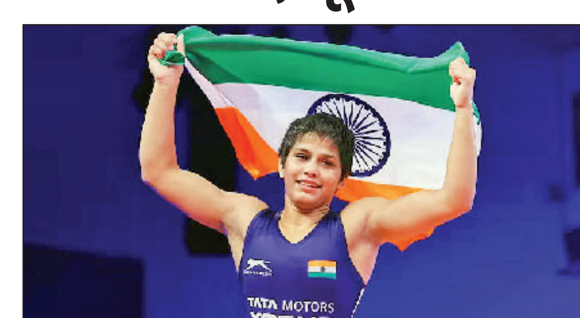

एजेंसी ▶▶| पेरिस

विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता अंतिम पंघाल (महिला 53 किग्रा) और बेहद प्रतिभाशाली अमन सहरावत (पुरुष फ्रीस्टाइल 57 किग्रा) को पेरिस ओलंपिक में कुश्ती प्रतियोगिता के लिए उनके संबंधित भार वर्गों में चौथी और छठी वरीयता दी गई है, जिससे उन्हें शुरुआती मुकाबलों में कठिन प्रतिद्वंद्वियों से बचने में मदद मिलेगी।

कुश्ती प्रतियोगिताएं पांच अगस्त को शुरू होंगी और खेलों के आखिरी दिन 11 अगस्त को समाप्त होंगी। ओलंपिक में वरीयता का फैसला 2023 विश्व चैंपियनशिप, 2024 महाद्वीपीय चैंपियनशिप के साथ जाग्रेब और बुडापेस्ट में रैंकिंग श्रृंखला में पहलवानों के प्रदर्शन पर आधारित है। महिलाओं के 50 किलोग्राम भार वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने वाली स्टार भारतीय पहलवान विनेश फोगाट को कोई वरीयता नहीं मिली है। पदक दौर शुरू होने से पहले अमन को जापान के री हिगुची या आर्मेनिया के आर्सेन हारुत्युन्यान से भिड़ना पड़ सकता है। ओलंपिक में अंशू मलिक (महिला 57 किग्रा), निशा दहिया (महिला 68 किग्रा) और रितिका हुडा (महिला 76 किग्रा) भी भारत की ओर से चुनौती पेश करेंगी।

स्पेन को जीतते देखना चाहते हैं भूटिया

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ यूरो कप फाइनल में स्पेन को जीतते हुए देखना चाहते हैं और उन्हें उम्मीद है कि लेमिन यमाल और निको विलियम्स शानदार प्रदर्शन से दुनिया भर के प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। भूटिया ने कहा, 'स्पेन का पलड़ा निश्चित रूप से फाइनल में भारी होगा क्योंकि जिस तरह से वे खेल रहे हैं, उसे देखकर उनकी टीम पूरी तरह से संतुलित दिख रही है। वे तकनीकी रूप से अच्छा खेल दिखा रहे हैं। उन्होंने छह में से छह मैच जीते हैं।

विम्बलडनः ग्रूट ने व्हीलचेयर में जीता लगातार 15वां खिताब

लंदन। डिएडे डि ग्रूट ने शनिवार को यहां आल इंग्लैंड क्लब में महिला व्हीलचेयर फाइनल में अपनी छठी विम्बलडन एकल ट्रॉफी जीतकर लगातार 15वां ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल किया। उन्होंने हमवतन नीदरलैंड की अपनी साथी खिलाड़ी एनीक वैन कूट को 6-4, 6-4 से हराया। डिएडे डि ग्रूट ने अपने लगातार मेजर खिताबों के रिकॉर्ड में इजाफा करते हुए अपनी ट्रॉफियों की कुल संख्या 23 कर दी। उन्होंने 2020 के अमेरिकी ओपन के बाद से हर ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट जीता है और उनके नाम 19 मेजर युगल खिताब भी हैं।

झूलन बनीं ट्रिनबागो नाइट राइडर्स की मेंटोर

नई दिल्ली। भारत की पूर्व तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी महिला कैरेबियाई प्रीमियर लीग से पहले ट्रिनबागो नाइट राइडर्स की मेंटोर बन गई हैं। अपने दो दशक के कॅरियर में झूलन ने 355 विकेट लिए। उन्होंने 2022 में खेल को अलविदा कहा। टीकेआर की कप्तान स्टार हरफनमौला डिएंड्रा डोटिन हैं जिनकी कप्तानी में टीम ने 2021 में पहला सत्र जीता था। झूलन ने कहा, 'इतनी शानदार टीम से जुड़ना गर्व की बात है। नाइट राइडर्स ने इतना शानदार प्रदर्शन किया है और टीकेआर महिला टीम से जुड़ना शानदार है। केकेआर प्रबंधन को इसके लिए धन्यवाद।'

बारबोरा विम्बलडन चैम्पियन दूसरी ग्रैंडस्लैम ट्रॉफी जीती

भाषा ▶▶| लंदन

चेक गणराज्य की बारबोरा क्रेजिसिकोवा ने शनिवार को यहां महिला एकल फाइनल में जैस्मीन पाओलिनी को हराकर विम्बलडन खिताब अपने नाम की और अपनी दूसरी ग्रैंडस्लैम ट्रॉफी जीती। तीन साल पहले क्रेजिसिकोवा ने 2021 में फ्रेंच ओपन में पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था। तब इस 28 साल की खिलाड़ी को वरीयता नहीं मिली थी। इस सत्र में पीठ की चोट के कारण आल इंग्लैंड क्लब में भी वह 32 वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों में 31वें नंबर पर थीं। क्रेजिसिकोवा ने आल इंग्लैंड के क्लब पर फाइनल में पाओलिनी पर 6-2, 2-6, 6-4 की जीत से अप्रत्याशित जीत दर्ज की। उन्होंने अपनी मेंटोर (दिवंगत) 1998 विम्बलडन चैम्पियन जाना नोवोत्ना का

धन्यवाद किया जिन्होंने उन्हें पेशेवर टेनिस में आने के लिए प्रेरित किया था। क्रेजिसिकोवा ने कहा, ''अभी जो हुआ यह अवास्तविक है, निश्चित रूप से मेरे टेनिस करियर का सर्वश्रेष्ठ दिन और मेरी जिंदगी का भी सर्वश्रेष्ठ दिन।'' अपनी चैम्पियन प्लेट पकड़ते हुए क्रेजिसिकोवा ने खुद को भाग्यशाली करार दिया कि वह पिछले महीने फ्रेंच ओपन में उप विजेता रहीं सातवीं वरीयता प्राप्त पाओलिनी को पराजित करने में सफल रहीं।

स्पेन यूरो चैंपियन बनने का दावेदार, इंग्लैंड देगा चुनौती

एजेंसी ▶▶| बर्लिन

स्पेन की टीम रविवार को जब यूरो 2024 के फाइनल में उतरेगी तो उसकी कोशिश रिकॉर्ड चौथा खिताब जीतने की होगी जबकि प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड 1966 विश्व कप खिताब के बाद इस खेल में पहली बड़ी ट्रॉफी जीतने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाएगा। स्पेन और जर्मनी ने तीन तीन यूरो खिताब जीते हैं और रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ मैच में स्पेन का पलड़ा भारी होगा। स्पेन की टीम टूर्नामेंट में अब तक अपने सभी मैच जीतने में सफल रही है। सत्रह साल के लामाइन यमल स्पेन के तुरुप के इक्के साबित हुए है। उन्होंने टूर्नामेंट में तीन बार गोल के मौके बनाए और फिर सेमीफाइनल में फ्रांस के खिलाफ अपना पहला गोल किया। वह इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे कम उम्र में गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। यमल के लिए यह टूर्नामेंट वैसा ही रहा है।

सार्वजनिक सूचना
प्लॉट नं. 32, सेक्टर-2बी, फेज-2, आईएमटी मानेसर, एचएसआईआईडीसी द्वारा नियमित आवंटन पत्र संख्या 7621 दिनांक 14.06.2013 के माध्यम से मैसर्स साहिल होल्डिंग सॉल्यूशंन प्राइवेट लिमिटेड को आवंटित किया गया था। एचएसआईआईडीसी को सूचित किया गया है कि मूल आवंटन पत्र खो गया है। इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से यह सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति का खोया हुआ आवंटन पत्र मिलता है तो वह इस सूचना के प्रकाशन से 10 दिनों के भीतर एस्टेट मैनेजर, एचएसआईआईडीसी, मानेसर को जमा कर सकता है या डाक से भेज सकता है।
मैसर्स साहिल होल्डिंग सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
चौथी मंजिल, विकास सूर्या शॉपिंग मॉल, प्लॉट नं0. 18 मंगलम पैलेस, सेक्टर-3, रोहिणी, नई दिल्ली-110085

सूचना
हम, डाक्टर राजेन्द्र सिंह चौहान पुत्र स्व. हरजीवन सिंह व गीता पत्नी राजेन्द्र सिंह चौहान निवासी म.न. 2845 पी. सैक्टर-62 बल्लभगढ़, जिला फरीदाबाद हरियाणा सर्व साधारण को सूचित करते हैं कि हमारा पुत्र परविन्द्र सिंह चौहान व पुत्रवधु मयूरी पचैरा हमारे कहे से बाहर हैं तथा हमारे साथ लड़ाई-झगड़ा करते हैं। हमने इन दोनों से संबंध विच्छेद कर लिए हैं तथा इन दोनों को अपनी तमाम चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में इन दोनों के किसी भी लेन-देन या गतिविधि के लिए हम जिम्मेदार नहीं होंगे। ये दोनों स्वयं जिम्मेदार होंगे।

26 जुलाई से 11 अगस्त तक पेरिस में होगा टूर्नामेंट का आयोजन

स्पोर्ट्स18 नेटवर्क और जियो सिनेमा पर फ्री में देखें ओलंपिक

एजेंसी ▶▶| मुंबई

पेरिस 2024 के आधिकारिक प्रसारण और डिजिटल पार्टनर वायकॉम18 ने भारत में अब तक की सबसे बड़ी और सबसे इमर्सिव ओलंपिक प्रेजेंटेशन की घोषणा की है। इसमें कई खेलों में भारत के लिए ओलंपिक पदक जीत चुके पूर्व चैंपियनों द्वारा किया जाने वाला प्रेजेंटेशन शामिल है। 20 कंकरेंट फीड और चैंपियन ओलंपियनों के साथ व्यापक कवरेज 26 जुलाई, 2024 से स्पोर्ट्स18 नेटवर्क पर और जियो सिनेमा पर निशुल्क शुरू होगा। नेटवर्क ने अपनी

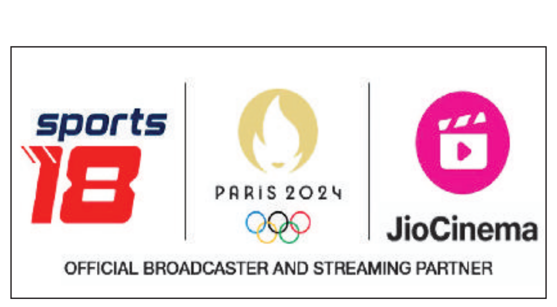

कैम्पेन फिल्म 'दम लगा के हईशा' भी लॉन्च की है, जिसमें ओलंपिक को बिल्कुल अलग तरह से पेश किया गया है।

पहली बार, भारत में ओलंपिक कवरेज को जियोसिनेमा पर 20 कंकरेंट फीड्स में निशुल्क प्रस्तुत किया जाएगा, जिससे प्रशंसक अपने पसंदीदा डिवाइस पर कभी भी, कहीं भी ओलंपिक खेलों में अपने पसंदीदा एक्शन और भारतीय खिलाड़ियों के परफार्मेंस को देख सकेंगे। प्रेजेंटेशन में 17 खेलों से जुड़े फीड्स और तीन क्यूरेटेड फीड्स होंगे, जो 4के में उपलब्ध होंगे। क्यूरेटेड फीड्स में अंग्रेजी, हिंदी, तमिल और तेलुगु में एक इंडिया फीड शामिल होगी, जो दर्शकों को मैदान पर होने वाली भारतीय दल की सभी गतिविधियों को देखने की आजादी देती है। इसके अलावा पहली बार महिला एथलीट फ़ीड पेश किया जाएगा, जो खेलों के दौरान विशेष रूप से महिला ओलंपियन की यात्रा को कैप्चर करेगी। खास तौर पर तैयार फ़ीड में अंग्रेजी और हिंदी भाषा में ग्लोबल एक्शन फ़ीड भी होगी, जिससे दर्शक पेरिस 2024 के दौरान दुनिया के बेहतरीन एथलीटों को एक्शन में देख सकेंगे।

विशेषज्ञ देंगे खेल की जानकारी

भारत की पहली महिला कुश्ती ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक (2016 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक), बीजिंग 2008 कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज विजेंदर सिंह के साथ पेशकर्ताओं में शामिल होंगी। इसके अलावा पेशकर्ताओं में चार बार की ओलंपियन और छह बार की ग्रैंड स्लैम विजेता और डब्ल्यूटीए रैंकिंग में नंबर-1 स्थान पर पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला सानिया मिर्जा के साथ राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सोमदेव देववर्मन भी शामिल होंगे। यही नहीं, दुनिया के सातवें नंबर के लॉन्ग जंपर और राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता मुरली श्रीशंकर ओलंपिक के दौरान वायकॉम18 के विशेषज्ञ के रूप में बिल्कुल नए अवतार में नजर आएंगे।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 Cr. P. C. देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **धर्मबीर पुत्र श्री राम सेवक,** निवासी मकान नं. 2397/180, त्रिनगर (तोता राम मार्केट), दिल्ली-110035, ने **FIR. No. 306/2006 U/s 379/406/407/411/34 IPC.,** के अंतर्गत थाना: **सराय रोहिल्ला क्राइम ब्रांच,** दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **धर्मबीर** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **धर्मबीर** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR. No. 306/2006 U/s 379/406/407/411/34 IPC.,** थाना: **सराय रोहिल्ला क्राइम ब्रांच,** दिल्ली के उक्त अभियुक्त **धर्मबीर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.09.2024** को या इससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार
श्री अनुज कुमार सिंह, Addi. CMM,
कमरा नंबर 296A, 2nd फ्लोर तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली
DP/8856/Crime/2024

अनंत-राधिका के विवाह की अनंत चर्चा...

अनंत-राधिका ने पैर छूकर लिया पीएम मोदी का आशीर्वाद, कई दिग्गज भी पहुंचे

शादी में जुटे दुनियाभर के खिलाड़ी और फिल्म स्टार, बिजनेस मेन

कारोबारी मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत ने अपनी प्रेमिका राधिका मर्चेंट से मुंबई में भव्य समारोह में शादी की है। इस समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी, बाबा रामदेव, पं. धीरेन्द्र शास्त्री, फिल्मी स्टार, एवं क्रिकेटर, बिजनेस मेन सहित देश के गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

खास बातें

- फिल्म अभिनेताओं ने शादी में जमकर डांस किया
- समारोह में नेता-अभिनेता भी शामिल हुए।
- विवाह समारोह में क्रिकेटर एवं फिल्मी हस्तियों ने शिरकत की।
- दूसरी प्री-वेडिंग सेरेमनी इटली के एक क्रूज पर आयोजित की गई थी।

रणवीर कपूर अपनी पत्नी अलिया भट्ट के साथ।

जगद्गुरु से लेकर बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री तक, अनंत-राधिका को मिला 'शुभ' आशीर्वाद

रिलांयस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मुकेश अंबानी और उनकी पत्नी नीता अंबानी ने अपने पुत्र अनंत अंबानी और पुत्रवधू राधिका मर्चेंट के विवाह आशीर्वाद समारोह में पधारे द्वारका पीठ के शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती और ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का स्वागत किया।

इस समय देश भर में अंबानी परिवार के छोटे बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी खूब सुर्खियां बटोर रही है। 12 जुलाई 2024 को दोनों शादी के बंधन में बंध गई। जैसा कि अंबानी परिवार हिंदू रीति रिवाज और सनातन धर्म में बहुत विश्वाश रखता है। जिसके चलते वे कई बार लोगों के आकर्षण का केंद्र भी रहें हैं ने इस विवाह समारोह की थीम काशी थी। जिसमें भगवान विष्णु के दस अवतार की प्रदर्शनी लगाई। शुभ आशीर्वाद समारोह रखा गया जिसमें देश के जाने मानें आध्यात्मिक गुरुओं ने वर-वधु को आशीर्वाद दिया। आशीर्वाद समारोह में। अंबानी परिवार हमेशा से हिंदू रीति रिवाजों और सनातन धर्म में आस्था के चलते भी चर्चाओं में रहता है। इस आशीर्वाद समारोह में शंकराचार्य महाराज एवं बाबा रामदेव, पं. धीरेन्द्र शास्त्री बागेश्वर महाराज, ने अनंत और राधिका को शुभ आशीष प्रदान किया। वहीं अंबानी परिवार ने उनका विधि-विधान से स्वागत किया, स्वामी रामभद्राचार्य भी पहुंचे।

वरवधु को आशीर्वाद देने बाबा रामदेव भी पहुंचे।

पं. धीरेन्द्र शास्त्री बागेश्वर महाराज ने वर-वधू को आशीर्वाद दिया।

अंबानी परिवार ने पीएम मोदी का किया भव्य स्वागत

एजेंसी ▶▶ मुंबई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के आशीर्वाद सेरेमनी में शामिल होने मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर पहुंचे जहां अंबानी परिवार ने उनका भव्य स्वागत किया। मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी की आशीर्वाद सेरेमनी आज जियो वर्ल्ड सेंटर में है। पीएम मोदी रात 830 बजे पहुंचे। उन्होंने यहां डिनर भी किया।

मुकेश अंबानी और उनकी पत्नी नीता ने नरेंद्र मोदी का स्वागत किया। पीएम मोदी जब समारोह हॉल में आए तब हरे रामा..हरे कृष्णा भजन चल रहा था। पीएम मोदी हाथ जोड़े हुए आगे बढ़ रहे थे। मुकेश अंबानी नरेंद्र मोदी के साथ-साथ चल रहे थे। वहीं, एनएसजी के जवान पूरी मुस्तैदी के साथ पीएम मोदी के आसपास बने हुए थे, और सुरक्षा घेरा बनाए हुए थे। वह अनंत और राधिका के पास गए। दोनों ने पैर छूकर पीएम मोदी से आशीर्वाद लिया।

महेंद्र सिंह धोनी परिवार संग समारोह में पहुंचे।

शादी समारोह में कुमार मंगलम बिरला परिवार संग शामिल हुए।

पीएम मोदी की रूस यात्रा से आई अच्छी खबर

एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम की 5 यूनिट में से बची 2 यूनिट साल 2026 में मिलेंगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने रूस से पांच एस-400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम खरीदे थे। तीन आ चुके हैं। दो बाकी चल रहे थे। अब रूस ने कहा है कि यूक्रेन युद्ध की वजह डिलिवरी में देरी हुई है। साल 2026 में बाकी के दो सिस्टम मिल जाएंगे। ये भरोसा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूस दौरे के बाद आया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूस दौरे के बाद भारतीय वायुसेना के लिए अच्छी खबर आई है। रूस से भारत ने पांच यूनिट एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम खरीदे थे। तीन यूनिट्स तो आ गए थे। लेकिन दो यूनिट काफी दिनों से पेंडिंग थे। अब रूस से खबर आ रही है कि बाकी के दो यूनिट एस-400 साल 2026 में मिल जाएंगे। यूक्रेन से युद्ध के चलते इन एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम को भेजने में रूस ने देरी की।

सप्लाई चेन की दिक्कत थी। लेकिन अब यह दिक्कत खत्म हो चुकी है। इसलिए रूस ने कहा है कि चौथी यूनिट मार्च 2026 तक और पांचवी यूनिट 2026 के अंत तक भारत में आ जाएगी। भारत के पास एस-400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम मौजूद होने की वजह से चीन या पाकिस्तान सीमा पार से नापाक हरकत नहीं कर पाएंगे।

इस एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम के बचे हुए यूनिट्स आने के बाद देश की सुरक्षा अभेद्य हो जाएगी। एस-400 मिसाइल सिस्टम के ऑपरेटर्स की ट्रेनिंग पूरी हो चुकी है।

हथियार नहीं महाबली है यह अभेद्य रक्षा कवच

एस-400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम हथियार नहीं महाबली है। इसके सामने किसी की भी साजिश नहीं चलती। यह आसमान से घात लगाकर आते हमलावर को पलभर में राख में बदल देता है। एस-400 मिसाइल सिस्टम को दुनिया की सबसे सक्षम मिसाइल प्रणाली माना जाता है।

भारतीय वायुसेना की ताकत में इजाफा होगा

पाकिस्तान और चीन भारत के लिए हमेशा से चुनौती रहे हैं। भारत का इन देशों से युद्ध भी हो चुका है। शक्ति का संतुलन बनाए रखने के लिए ऐसी मिसाइल प्रणाली की देश को जरूरत थी। भारत को एस-400 सिस्टम मिलने से भारतीय वायुसेना की ताकत में इजाफा होगा।

मॉस्को में विमान दुर्घटनाग्रस्त, 3 की मौत

मास्को। राजधानी मॉस्को के पास एक यात्री विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर सामने आई है। हालांकि, हादसे के वक्त विमान में कोई यात्री सवार नहीं था लेकिन, विमान का संचालन कर रहे चालक दल के तीन सदस्यों की मौत हो गई। अधिकारियों द्वारा दी गई। विमान गेजप्रोम एविया का था। गेजप्रोम, रूस में प्राकृतिक गैस की बड़ी कंपनी भी है। अधिकारियों ने बताया कि विमान, मॉस्को के व्नूकोवो हवाई अड्डे की तरफ जा रहा था। रूस की शीर्ष जांच एजेंसी 'द इनवेस्टिगेशन कमेटी' ने इस हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

फिलिस्तीन को मदद करने वाली संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी को जारी रहेगी भारत की मदद

यूएन में भारत के स्थायी मिशन प्रभारी आर. रविंद्र बोले, संकटग्रस्त यूएन एजेंसी को जारी रहेगा 5 मिलियन का वार्षिक योगदान

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

इजराइल और हमास युद्ध के बीच फिलिस्तीन को मदद करने वाली संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एजेंसी को भारत ने वित्तीय मदद जारी रखने का फैसला किया है। यूएन में भारत के स्थायी मिशन के प्रभारी (राजदूत) आर.रविंद्र ने कहा कि देश एजेंसी को 5 मिलियन डॉलर का अपना वार्षिक योगदान देना जारी रखेगा। साथ ही आने वाले दिनों में इससे जुड़ी आधी राशि जारी करेगा। रविंद्र ने संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) की मदद के लिए एक संकल्प सम्मेलन में भारत का पक्ष रखते हुए यह जानकारी दी। यह एजेंसी फिलिस्तीनियों को मानवीय सहायता प्रदान करती है। गौरतलब है कि इजरायल और हमास के बीच पिछले साल अक्टूबर महीने से गाजा पट्टी में युद्ध चल रहा है। इसमें महिलाओं और बच्चों समेत कई बेकसूर नागरिकों की जान जा चुकी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों देशों के बीच जारी संघर्ष की वजह से अंतरराष्ट्रीय एजेंसी इस वित्तीय संकट से जूझ रही है। उसके पास बजट की कमी इसलिए भी हुई है। क्योंकि इसके सबसे बड़े योगदानकर्ता अमेरिका और कुछ अन्य देशों ने यूएनआरडब्ल्यूए के कर्मचारियों के आतंकवाद में शामिल होने के आरोपों के बीच अपना भुगतान निलंबित कर दिया है। भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने यह भी कहा कि संयुक्त राष्ट्र की सहायता एजेंसी से इतर भी भारत फिलिस्तीन के लोगों के लिए एक विश्वसनीय भागीदार रहा है। बीते कुछ वर्षों में अलग-अलग रूपों में फिलिस्तीन को भारत द्वारा 120 मिलियन डॉलर की विकास सहायता प्रदान की गई है। इसमें यूएनआरडब्ल्यू को 35 मिलियन डॉलर का योगदान भी शामिल है।

यूएन के युद्धाभ्यास का हिस्सा बनीं तटरक्षकबल की दो महिला अधिकारी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारत के लिए एक बेहद गर्व का क्षण का है। क्योंकि भारतीय तटरक्षकबल की दो महिला अधिकारी कमांडेंट प्रीति पोसवाल और कमांडेंट आशा दहिया संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) द्वारा श्रीलंका में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय युद्धाभ्यास में देश का नेतृत्व कर रही हैं। यह युद्धाभ्यास 8 से 19 जुलाई तक चलेगा। तटरक्षकबल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। इसमें बताया कि बल की दो महिला अधिकारी श्रीलंका के त्रिंकोमाली में आयोजित इस वैश्विक समुद्री युद्धाभ्यास में भाग ले रही हैं। यह मूलरूप से एक समुद्री बोर्डिंग युद्धाभ्यास है। जिसका आयोजन यूएनओडीसी द्वारा रेडियोलॉजिकल और परमाणु घटना सिमुलेशन परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है। तटरक्षकबल ने अपने पोस्ट में युद्धाभ्यास के कुछ फोटो और महिला अधिकारियों से जुड़ा एक वीडियो भी साझा किया है। गौरतलब है कि तटरक्षकबल भारत की तटीय सीमा पर सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाला एक प्रमुख बल है। बीते समय में इसने देश की समुद्री सीमा की सुरक्षा के अलावा इजरायल और हमास के बीच जारी संघर्ष के दौरान अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में बनी हुई विवाद की स्थिति में भी एक अहम भागीदार की भूमिका निभाई है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109